आज
विजय पर्व
विजयदशमी की हार्दिक शुभकामनाएं
बरेली, मंगलवार 20 अक्टूबर ,2026
उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड तथा उत्तराखण्ड से प्रकाशित
महानगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य 4 रुपया

पर्वों के उत्साहपूर्ण माहौल में न हो सुरक्षा की अनदेखी-मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की महानवमी व विजयादशमी पर्व की बधाई देते हुए की अपील

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की पावन महानवमी एवं मंगलवार को मनाए जाने वाले विजयादशमी पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए अपील की कि पर्वों के उत्साहपूर्ण माहौल में सुरक्षा की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी नागरिकों का आह्वान किया कि सौहार्दपूर्ण माहौल में उत्साह और उमंग के साथ पर्व और त्योहार मनाइये लेकिन साथ में सुरक्षा और अनुशासन का जरूर ध्यान रखा जाए। सीएम योगी, बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर सोमवार को गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि पर कन्या पूजन अनुष्ठान के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विजयादशमी का पर्व हमें सभी प्रकार के विकारों से मुक्त होने का भी संदेश देता है। यह पर्व किसी भी प्रकार के विकार को, चाहे वह व्यक्ति के व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन को प्रभावित कर रहा हो या फिर राष्ट्र की प्रगति में बाधक हो, तिलांजलि देने का भी अवसर है। शारदीय नवरात्र के अनुष्ठान और विजयादशमी का यह भी संदेश है कि समाज में नशा, भ्रष्टाचार, अराजकता, असुरक्षा और आतंकवाद के लिए कोई जगह न हो। हमें इस संदेश को घर-घर तक पहुंचाने की तैयारी करनी चाहिए। ये पर्व और त्यौहार समाज को तोड़ने वाले, समाज की एकता को भंगकर राष्ट्र को कमजोर करने का कुत्सित प्रयास करने वाले अराजक और उच्छृंखल तत्वों को बेनकाब करने का भी संदेश देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन धर्म की परंपरा में मातृशक्ति के प्रति सर्वोच्च सम्मान व्यक्त किया जाता है। इसी क्रम में वर्ष में दो बार बासंतिक और शारदीय नवरात्र में जगतजननी मां भगवती की आराधना एवं कन्या पूजन के अनुष्ठान के साथ हर सनातन धर्मावलंबी जुड़ता है।

नेहा बोराने पुलिसके नोटिस को हाई कोर्टमें दी चुनौती

नयी दिल्ली (आससे.)। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की अध्यक्ष नेहा बोरा ने दिल्ली पुलिस के उस नोटिस को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें उन्हें 10 हजार रुपये का निजी मुचलका भरने और जांच के दौरान शांति बनाए रखने का निर्देश दिया गया है ।नेहा बोरा को शुक्रवार शाम कनॉट प्लेस में प्रस्तावित 'लहरा दो तिरंगा' मार्च से पहले हिरासत में लिया गया था। उन्हें शनिवार सुबह रिहा कर दिया गया। बार एंड बेंच के मुताबिक, दिल्ली पुलिस ने 18 अक्तूबर को नोटिस जारी कर उन्हें 19 अक्तूबर को विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट (एसईएम) के सामने पेश होने का निर्देश दिया था। नोटिस में जांच की अवधि के दौरान शांति बनाए रखने के लिए जमानती के साथ 10 हजार रुपये का निजी मुचलका भरने को कहा गया था। नेहा बोरा की कानूनी टीम ने बताया कि वह एसईएम को सूचित करेगी कि नेहा मुचलके पर हस्ताक्षर नहीं करेंगी। एसईएम के अगले निर्देश के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वाराणसी : ओवरब्रिज पर सेल्फी ले रहे पांच की मौत

मिर्जामुराद में तेज रफ्तार ट्रक ने खड़ी स्कॉर्पियो में मारी टक्कर

वाराणसी। मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के रूपपुर गांव के सामने सोमवार को प्रात: छ बजे प्रयागराज-वाराणसी हाईवे (एनएच-19) के ओवरब्रिज पर तेज रफ्तार ट्रक ने विंध्याचल दर्शन कर वापस लौटते समय स्कॉर्पियो रोककर सेल्फी ले रहे आठ लोगों को को रौदा ।पांच दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गयी जब कि तीन की हालत गंभीर है ।घायलों को पुलिस एंबुलेंस की सहायता से बीएचयू ट्रामा सेंटर भेज दिया। जानकारी के अनुसार शिवपुर थाना क्षेत्र के निखिल यादव उर्फ गोलू (32वर्ष) अपने सात अन्य दोस्तों के साथ स्कॉर्पियो से रविवार नवरात्रि अष्टमी के रात विंध्याचल (मिर्जापुर) दर्शन करने गये थे, स्कॉर्पियो में निखिल के साथ प्रदीप सिंह (35वर्ष) पुत्र योगेंद्र सिंह, आनंद यादव (26वर्ष) पुत्र वनवासी यादव निवासी चमाव शिवपुर, आलोक मिश्रा (27वर्ष) पुत्र अजय मिश्रा निवासी शिवपुर, विध्वंश यादव (30वर्ष) , सावन यादव (26वर्ष) पुत्र संजय यादव निवासी मुंगेर (बिहार), किशन यादव (35वर्ष) पुत्र पारस यादव निवासी चमाव शिवपुर, राजकुमार यादव (36वर्ष) पुत्र शिव शंकर यादव निवासी लोहता सभी दोस्त दर्शन कर वापस वाराणसी की तरफ अपने घर लौट रहे थे, किसी कारणवश मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के रूपापुर स्थित नेशनल हाईवे पर स्कॉर्पियो खड़ा करके जैसे ही बाहर निकले, प्रयागराज की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रक ने स्कॉर्पियो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि किशन और आनंद लगभग 10 फीट ऊपर उड़कर ओवर ब्रिज से नीचे सर्विस लेन पर जा गिरे। इस घटना में आनंद, प्रदीप, आलोक और विध्वंश की मौके पर ही मौत हो गती। जबकि निखिल, किशन सावन और राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गए ।जहां उपचार के दौरान किशन की भी मौत हो गयी । हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गयी। सभी घायलों को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया हाईवे पर लाशें बिखर गयी।

विंध्याचल से दर्शन कर लौटते समय हुआ हादसा

मुख्यमंत्री ने जताया शोक ,घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना

लखनऊ (आससे.)। प्रयागराज-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार तड़के तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से स्कॉर्पियो सवार पांच लोगों की मौत हो गयी। इस हृदयविदारक घटना का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है ।उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने स्थानीय अफसरों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों से संवाद कर हर संभव सहायता पहुंचाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की है।

कानपुर में सड़क हादसा, दो की मौत

कानपुर (आससे.)। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सोमवार सुबह करीब 4.30 बजे किलोमीटर-216 पर ईसन नदी पुल के पास तेज रफ्तार अर्टिगा कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में चालक मुनेंद्र उर्फ मुन्ना (50) और टगोरी बालादास (56) की मौत हो गई, जबकि करिश्मा (20) और सोना (18) गंभीर रूप से घायल हो गईं। कार सवार अंकित सुरक्षित बच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और यूपीडा टीम ने घायलों को बाहर निकालकर सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायल महिलाओं को लखनऊ रेफर कर दिया गया। कार सवार राजस्थान के रेवाड़ी से अंबेडकर नगर जा रहे थे। प्रारंभिक जांच में चालक को झपकी आने से हादसा होने की आशंका जताई गई है। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

अवकाश की सूचना

दशहरा के शुभ अवसर पर आज कार्यालय में 20 अक्टूबर 2026 को अवकाश रहेगा।

अत: अखबार का अगला अंक दिनांक 22 अक्टूबर 2026 (गुरूवार) का प्रकाशित होगा ।

व्यवस्थापक

राम मंदिर चढ़ावा चोरी : कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में की जांच की मांग

नयी दिल्ली (आससे.)। कांग्रेस ने अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि मामले में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों को क्लीन चिट दे दी, जबकि चोरी की कुल रकम का अब तक खुलासा नहीं किया गया है ।जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि चार जून 2026 को मामला सार्वजनिक होने के नौ दिन बाद, 13 जून को उत्तर प्रदेश सरकार ने ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी गठित की थी। उनके मुताबिक, 17 अगस्त को गृह विभाग ने जांच की अंतिम रिपोर्ट ट्रस्ट को सौंप दी, जिसमें चंपत राय और अनिल मिश्रा को क्लीन चिट दी गई। रमेश ने दावा किया कि 27 अप्रैल से पांच जून 2026 के बीच की सीसीटीवी फुटेज में नोटों की गिनती करने वाले कर्मचारी 105 बार नोटों की गड्डियां छिपाते दिखाई दिए।

पीडीए प्रहरी मुस्तैद रहें और मतदाताओं की सहायता करें-अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के हर सजग-सक्रिय 'पीडीए प्रहरी' को एसआईआर के कारण समस्या झेल रहे मतदाताओं की सहायता करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि 24 अक्टूबर को भी सभी 'पीडीए प्रहरी' पुन: मुस्तैद रहें और मतदाताओं की हर संभव मदद करें। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के सभी नेता, कार्यकर्ता अपने अपने-अपने बूथों पर सतर्क रहें। मतदाता सूची में फर्जी वोटरों का नाम जुड़ने से रोके, असली वोटरों का नाम जुड़वाएं। भाजपा की बेईमानी से सावधान रहें। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने जनता का भरोसा खो दिया है। भाजपा के कार्य और उसकी सोच नकारात्मक है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश को हर क्षेत्र में बर्बाद कर दिया है। प्रदेश का किसान, नौजवान, आम जनता, महिलाएं कोई भी भाजपा पर भरोसा नहीं कर रहा है। भाजपा ने जनता जनता से झूठे वादे किए। सत्ता में आने के बाद सभी को बारी-बारी से ठगा है। अब सत्ता हाथ से फिसलता देख भाजपा पूरी तरह से झूठ, बेईमानी और ठगी पर उतर आई है। मुख्यमंत्री समेत भाजपा का नेतृत्व भ्रष्टाचारियों, अपराधियों और माफियाओं को खुद संरक्षण दे रहा है। झूठा आरोप विपक्षी पार्टियों पर लगाते है। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। हर विभाग, हर कार्य में भ्रष्टाचार है। भाजपा के भ्रष्टाचार में उत्तर प्रदेश को तबाह कर दिया है। भाजपा के दस साल की सरकार में उत्तर प्रदेश को बदनामी के अलावा कुछ नहीं मिला है। ध्वस्त कानून व्यवस्था, चरम पर पहुंचे अपराध, अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार ने उत्तर प्रदेश को बहुत नुकसान पहुंचाया है। अखिलेश यादव ने कहा है कि ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अब तो विदेशी भी जाति के भेद से जन्म लेने वाले भेदभाव का आँखों देखा हाल बता रहे हैं।

योगी सरकार का ग्रामीण क्षेत्रों में भी 24 घंटे विद्युत आपूर्ति करने के निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने दीपावली, छठ समेत आगामी त्योहारों पर प्रदेशवासियों को निर्बाध बिजली आपूर्ति देने की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में दशहरा (20 अक्टूबर) के अवसर पर गांव से लेकर शहर तक रोशनी से जगमग रहेंगे। जनपद, तहसील एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति देने के निर्देश दिए गए है। सरकार की मंशा है कि त्योहारों के दौरान प्रदेशभर में बिजली आपूर्ति सुचारु बनी रहे। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) की टीमें पांचों डिस्कॉम क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटी हैं। बिजली लाइनों और बुनियादी ढांचे के रखरखाव के साथ ट्रिपिंग रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। यूपीपीसीएल के प्रबंध निदेशक नीतीश कुमार ने बताया कि गांव से लेकर शहर, नगर निगम और नगर पालिका क्षेत्रों तक निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की तैयारी है। त्योहारों के दौरान सुरक्षित और सुचारु बिजली व्यवस्था बनाए रखने के लिए विभागीय टीमें लगातार सक्रिय रहेंगी। वहीं पूर्वांचल, मध्यांचल, पश्चिमांचल और दक्षिणांचल सहित सभी डिस्कॉम क्षेत्रों में विभागीय टीमें नियमित मेंटेनेंस कार्य कर रही हैं। विद्युत लाइनों के संपर्क में आ रही पेड़ों की शाखाओं की कटाई-छंटाई कराई जा रही है, ताकि त्योहार के दौरान बिजली आपूर्ति में बाधा और ट्रिपिंग की समस्या को कम किया जा सके।

राम नवमी पर घर- घर पूजी गयी माता सिद्धिदात्री ,दशहरा आज

बरेली(आज समाचार सेवा)। शारदीय नवरात्र के अंतिम दिन आज सोमवार को देवी मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी भक्तों ने देर रात तक माता के दर्शन कर पूजा अर्चना की। माता की आस्था मे लीन भक्तों ने सिद्धिदात्री के गगनभेदी जयकारे लगाए जिससे समूचा वातावरण भक्तिमय हो उठा। भक्तों ने माता सिद्धिदात्री की विधि विधान से पूजा अर्चना कर सुख और समृद्धि की मनोकामना की। आज नवमी पर भक्तों ने हवन आदि अनुष्ठान सम्पन्न करा कर कन्याओं को भोजन कराया।साहूकारा स्थित नव देवी मंदिर भक्तों की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। यहां पर माता के विभिन्न स्वरूपों को बहुत ही आकर्षक ढंग से सजाया गया था। इस मन्दिर में प्रातः से ही भक्तों के आने का सिलसिला प्रारम्भ हुआ

जो देर रात तक चलता रहा। यहां पर भक्तों ने माता के दर्शन कर पूजा अर्चना की। महिलाओं ने यहां देवी गीत भी गाए। बदायूं रोड स्थित चौरासी घंटा मन्दिर में भी आस पास के क्षेत्रों से आकर भक्तों ने माता के दर्शन कर पूजा अर्चना की। काली बाड़ी स्थित अति पौराणिक काली मन्दिर में अन्य दिनों की अपेक्षा अधिक भीड़ रही। यहां पर काली माता के दर्शन कर पूजा अर्चना का सिलसिला देर रात तक चलता रहा।माँ दुर्गाजी की नवमें शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। दुर्गापूजा के नवें दिन सिद्धिदात्री की उपासना का विधान है। मां दुर्गा की नौंवी शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाली है। नवरात्र के नौवें दिन इनक उपासना की जाती है आन्यता है कि इस दिन शास्त्रीय विधि विधान और पूर्ण निष्ठा के साथ साधना करने वाले साधक को सभी सिद्धियों की प्राप्ति हो जाती है। इस देवी के दाहिनी तरफ नीचे वाले हाथ चक्र ऊपर वाले हाथ में गदा तथा बायी तरफ के नीचे वाले हाथ में शंख और ऊपर वाले हाथ में कमल का पुष्प है। इनका वाहन सिंह है और यह कमल पुष्प पर आसीन होती है। नवरात्र के यह अन्तिम देवी होती है **84 घंटा मंदिर में** भक्तों का भारी जमावड़ा देखने को मिला। सुबह से ही श्रद्धालु दूर-दराज से पहुँचने लगे और मंदिर के बाहर लंबी-लंबी लाइनें लग गईं। भक्तों में भारी आस्था और उत्साह दिखाई दिया।मंदिर परिसर में श्रद्धालु जय जय श्रीराम और हर हर महादेव के जयकारे लगाते हुए दर्शन के लिए इंतजार करते दिखे। मंदिर प्रशासन और पुलिसकर्मियों को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त इंतजाम करने पड़े।त्योहारी माहौल में भक्तों ने पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

न्यूज अपडेट

पेड़ से टकराई बाइक,मामा की मौत,भांजा घायल

बरेली(आज समाचार सेवा)। शीशगढ़ रोड पर मोटरसाइकिल पेड़ से टकराई जिसमें मामा की मौत हो गई भांजा घायल हो गया घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया पुलिस ने मामा के शव को पोस्टमार्टम को भेजा।जिला रामपुर के थाना बिलासपुर क्षेत्र के गांव कनदरपुर नई बस्ती निवासी 26 वर्षीय साकिब सैफी पुत्र अबरार हुसैन की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई साथ में बैठा भांजा अनस गंभीर रूप से घायल हो गया ।मृतक के भाई आरिफ ने बताया साकिब सैफी साथ में उनका भांजा अनस दोनों घर से मोटरसाइकिल से बरेली पासपोर्ट कार्यालय जा रहे थे साकिब का पासपोर्ट बनना है। रास्ते में थाना शीशगढ़ के सहोडा अड्डा के पास तेज रफ्तार मोटरसाइकिल पेड़ से जाकर टकरा गई जिसमें साकिब सैफी और अनस दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया डॉक्टर ने साकिब सैफी को मृत घोषित कर दिया अनस को परिवार वालों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। साकिब बिलासपुर में एक प्राइवेट कंपनी में कैशियर के पद पर काम करता था साकिब की मां हसीन बानो और चार भाई एक बहन थे साकिब दो भाइयों से छोटा था परिवार में सभी का रो रो कर बुरा हाल है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना: 560 जोड़ों का विवाह

बरेली(आज समाचार सेवा)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत सोमवार को जनपद के पांच विकासखंडों आलमपुर जाफराबाद, बहेड़ी, नवाबगंज, रामनगर एवं शेरगढ़ में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इन समारोहों में कुल 560 जोड़ों का विवाह पूरे रीति-रिवाज एवं उत्साह के साथ संपन्न कराया गया। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय पदाधिकारियों ने उपस्थित होकर नवविवाहित जोड़ों को सुखद एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। विकासखंड आलमपुर जाफराबाद में कुल 131 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में विधायक मीरगंज डॉ. राघवेंद्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष **आंवला** आदेश प्रताप सिंह तथा ब्लॉक प्रमुख आरती यादव, पत्नी वेद प्रकाश यादव, उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ बीडीओ भगवान दास, एडीओ राजनारायण सिंह, नायब तहसीलदार दीपक कुमार और वरिष्ठ सहायक रामेंद्र शर्मा ने किया।इस मौके पर प्रधान अजय पाल सिंह, सचिव सुगम सिंह, सुरेंद्र सिंह, देवराज, अरुण कुमार, परमेश्वरी, पुष्पेंद्र वर्मा, बादाम सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।विकासखंड **बहेड़ी** में कुल 148 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया।

कार्यक्रम में निर्वाचित राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार, रवि मेहरोत्रा, ब्लॉक प्रमुख अमरेंद्र सिंह गोल्डी तथा चेयरमैन बहेड़ी रश्मि जायसवाल उपस्थित रहीं। बहेडी सांसद जितिन प्रसाद के प्रतिनिधि रवि भल्होत्रा, नगर पालिका अध्यक्ष रशिम जायसवाल, अधिशासी अधिकारी शशि प्रभा चौधरी, तहसीलदार भानू प्रताप, नायव तहसीलदार दिवाकर सिंह, खण्ड विकास अधिकारी कृष्ण कान्त मिश्रा, राहुल गुप्ता समेत दर्जनो लोग मौजूद रहे। सभी ने नए जोड़ो को शुभकामनाए दी।विकासखंड नवाबगंज में कुल 117 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। इस अवसर पर सांसद बरेली छत्रपाल सिंह गंगवार, राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार, विधायक नवाबगंज डॉ. एम.पी. आर्य तथा ब्लॉक प्रमुख **नवाबगंज** डॉ. ए.के. गंगवार उपस्थित रहे। परियोजना अधिकारि चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव ,एसडीएम सचिन यादव , तहसीलदार सतेन्द्र कटियार , बीडीओं महेश चन्द्र शाक्य के साथ ही सीओ नीलेश मिश्र व कोतवाल अरुण श्रीवास्तव भी व्यवस्था का जायजा लेते रहे ।विकासखंड रामनगर में कुल 54 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख विजेता ठाकुर, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत सिरौली राजन नाथ तिवारी आदि उपस्थित रहे और नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं दीं। विकासखंड **शेरगढ़** में कुल 110 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में सांसद बरेली छत्रपाल सिंह गंगवार, विधान परिषद सदस्य बहोरन लाल मौर्य, विधायक मीरगंज डी.सी. वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष बरेली सोमपाल शर्मा तथा ब्लॉक प्रमुख शेरगढ़ भूपेंद्र कुर्मी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से आयोजित इन समारोहों का उद्देश्य पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग प्रदान करना तथा सामाजिक समरसता एवं सामूहिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। जनपद में आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 560 जोड़ों ने वैवाहिक जीवन में प्रवेश किया। समारोहों में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने नवदंपतियों के सुखमय, समृद्ध एवं मंगलमय भविष्य की कामना की।

एक सप्ताह से रेलवे क्रॉसिंग बंद दातागंज राजमार्ग से सैकड़ो गांव की आवाजाही ठप

फतेहगंजपूर्वी (आज ब्यूरो) । थाना क्षेत्र में दातागंज मार्ग पर पड़ने वाली बिलपुर रेलवे क्रॉसिंग संख्या 344 सी से गुजरने वाले लोगों की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं।रेलवे क्रॉसिंग पर मरम्मत कार्य पूरा न होने के कारण अब आठ दिन और परेशानी झेलनी पड़ेगी।रेलवे विभाग को निर्धारित समय पर ब्लॉक नहीं मिल पाने के चलते काम पूरा नहीं हो सका।ऐसे में क्रॉसिंग बंद रहने से राहगीरों और स्थानीय व्यापारियों की दिक्कतें बढ़ गई हैं।रेलवे विभाग की ओर से क्रॉसिंग पर मरम्मत कार्य के लिए सात दिनों तक फाटक बंद रखने की सूचना दी गई थी।इस दौरान रेलवे लाइन पर टीएसआर मशीन से काम कराया जाना था। सोमवार को दिया गया समय पूरा होने के बाद लोगों को फाटक खुलने की उम्मीद थी, लेकिन ब्लॉक नहीं मिलने के कारण काम पूरा नहीं हो सका।अब क्रॉसिंग आठ दिन और बंद रहने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ेगा।रेलवे के पीडब्लूआई मोहम्मद जैद रजा ने बताया कि सीनियर सेक्शन इंजीनियर द्वारा पत्र जारी कर बताया गया कि 20 से 27तारीख तक और फाटक बंद रहेगी।बिलपुर रेलवे क्रॉसिंग पर पहले से ही रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चलने के कारण बड़े वाहनों और कारों का आवागमन बंद है।वहीं रेलवे फाटक बंद होने से बाइक सवारों और ई-रिक्शा चालकों को भी निकलने का रास्ता नहीं मिल पा रहा है।लोगों को वैकल्पिक मार्गों से होकर गुजरना पड़ रहा है,जिससे उन्हें करीब पांच किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है।जिसके कारण व्यापारियों के व्यापार पर भी ग्राहकों के नही आने से असर हो रहा है उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है।व्यापारियों का कहना है कि रेलवे विभाग की लापरवाही के कारण दिक्कतें झेलने को मजबूर होना पड़ रहा है।

अस विचार जिय जागहु ताता मिलहि न जगत सहोदर भ्राता

नवाबगंज (आज ब्यूरो) ।नगर के रामलीला दशहरा मेले में आज लक्ष्मण शक्ति की लीला हुई ।राम - रावण युद्ध के दौरान लक्ष्मण व मेघनाथ के बीच हुए भीषण युद्ध में इन्द्रजीत मेघनाथ द्वारा अमोघ शक्ति से वार किए जाने पर लक्ष्मण मूर्छित होकर रणभूमि में गिर पड़े । उनके मूर्छित होने पर राक्षसी सेना ने उन्हें उठाने का प्रयास किया लेकिन शेषावतार लक्ष्मण को हिला तक नहीं सके । अनुज के मूर्छित होने का समाचार मिलते ही मर्यादा पुरुषोत्तम राम विचलित हो गए और लक्ष्मण का सर गोद में रखकर ये कहते हुए सुत वित नारि भवन परिवारा, होइ जाहिं जग बारहि - बारा । अस विचार जिय जागहु ताता, मिलहि न जगत सहोदर भ्राता ।विलाप करने लगे । उन्हे विलाप करते देख उनकी सेना के वृद्ध सेनापति जामवन्त ने कहा कि लंका के सुषेन वैद्य ही इनका उपचार कर सकते हैं । भगवान राम के कहने पर पवनपुत्र हनुमान लंका से सुषेन वैद्य को उन लाए और उनके बताने पर संजीवनी बूटी मय पर्वत के ही उठा लाए । जिसके उपचार से लक्ष्मण मूर्छा से जाग गए और शोक सतप्त राम की सेना में खुशी लौट आयी । लीला के मर्मांतक मंचन से दर्शक भी भाव विभोर हो गए । मेले में कल मंगलवार को कुम्भकरण वध की लीला के बाद उसका विशालकाय पुतला फूंका जाएगा ।

मां सिद्धिदात्री का भक्तों ने किया भक्तिभाव से पूजन,मंदिरों में लगे जयकार

मीरगंज। देवी आराधना के पर्व शारदीय नवरात्र के 9वे दिन भगवती दुर्गा मां की नौ शक्तियों के 8वे स्वरूप मां सिद्धिदात्री का विधि विधान से भक्तों ने पूजन किया।और जगत कल्याण की मनोकामना की। मार्कण्डेय पुराण के अनुसार अणिमा,महिमा,गरिमा लघिमा,प्राप्ति,प्राकाम्य,ईशित्व और वशित्व-ये आठ सिद्धियां होती हैं। भगवान शंकर ने इनकी कृपा से इन सिद्धियों को प्राप्त किया था। इनकी अनुकम्पा से भगवान शिव का आधा शरीर देवीं मां का हुआ था। इसी कारण वह लोक में अर्धनारीश्वर नाम से प्रसिद्ध हुए। सोमवार को मंदिरों,घरों,व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में देवी मां सिद्धिदात्री की मंत्रोचार के साथ आराधना हुई।देवी मंदिरों में सूर्योदय से पूर्व ही भक्तों की कतारें लगने लगी।मंदिरों में माता का जयकारा लगा।और मां दुर्गा के भजन गूंजे।श्रद्धालुओं ने देवी मां की आराधना कर सुख समृद्धि की मन्नते मांगी। मंदिरों पर भजन कीर्तन शुरू हुआ।घंटो और घड़ियाल की आबाज से वातावरण भक्तिमय हो गया।इससे पूर्व घरों पर हवन पूजन किया गया।

अश्लील फब्तियां कसने वाला गिरफ्तार

आंवला(आज ब्यूरो)। आंवला तहसील के सिरौली पुलिस ने 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम के तहत लक्खा (46 वर्ष) पुत्र बहोर, निवासी मुबारकपुर डंडिया न्यामत गंज, बिलासपुर, रामपुर को गिरफ्तार किया। वह नवाबपुरा चौकी क्षेत्र के ग्राम पृथ्वीपुर में महिलाओं पर अश्लील फब्तियां कस रहा था, जिससे महिलाएं असहज थीं।महिला उपनिरीक्षक रितु रानी और उनकी टीम (वेदराम सिंह, प्रिया शर्मा, कोमल, शिल्पी) गश्त पर थी। आरोपी को आता देख भागा, पर घेराबंदी कर उसे ग्राम पट्टी के रास्ते पर पकड़ लिया। तलाशी में 240 रुपये मिले, जो वापस कर दिए गए।पुलिस के अनुसार, यह भारतीय न्याय संहिता (ब्हस) की धारा 296 के तहत अपराध है। गिरफ्तारी में सभी नियमों का पालन हुआ। लक्खा को गिरफ्तारी मेमो की कॉपी दी गई, जिसे उसने फाड़ दिया। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है, परिजनों को भी सूचना दी गई है।

कैंट विधायक ने 51 बटुकों के साथ किया हवन-पूजन

बरेली(आज समाचार सेवा)। बाबा रामदास हनुमान मंदिर बड़ा बाग के 75वां वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में चल रहे नौ दिवसीय श्री राम चरित्र मानस नवाह्नपारायण पाठ का सोमवार को विश्राम हुआ। शारदीय प्रथम नवरात्रि से शुरू हुए पाठ पूर्ण होने पर 51 बटुकों की उपस्थित में हवन यज्ञ किया गया। मुख्य यजमान विधायक संजीव अग्रवाल ने हवन यज्ञ में आहुतियां अर्पित करके विश्व कल्याण की कामना की। नवमी के दिन मुख्य यजमान ने बाबा रामदास हनुमान ट्रस्ट के पदाधिकारियों और श्री टीबरी नाथ साङ्गवेद संस्कृत महाविद्यालय से पधारे 51 बटुकों के साथ विधि विधान से हवन यज्ञ किया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हवन यज्ञ में पूर्ण आहुति दी। श्रीराम दरबार में राजतिलक किया। राजतिलक और पूर्ण आहुति के बाद श्री हनुमान जी की महाआरती की गई। अंत में मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। मंदिर परिसर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धा और भक्ति का वातावरण रहा। अनिल अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, नरेंद्र सेठी, शशांक अग्रवाल, मनोज पंजाबी, रजत अग्रवाल, शरद अग्रवाल सहित मंदिर के श्रद्धालु एवं अन्य भक्तगण उपस्थित रहे। सभी ने धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

दहेज में स्कॉर्पियों के लिए पत्नी को पीटकर घर से निकाला

मीरगंज(आज ब्यूरो)। एक महिला को दहेज में स्कॉर्पियो न मिलने पर प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया गया। पुलिस ने पति समेत चार ससुरालियों पर प्राथमिकी दर्ज की है।करमपुर की कुसुम की शादी करीब दो साल पहले खतोसा के शिवम से हुई थी। पिता छोटेलाल ने करीब 12 लाख रुपये खर्च किए। पति शिवम, ससुर कामेश्वर, राजीव और हरद्वारी ने कम दहेज का ताना दिया।नई स्कॉर्पियो लाने का दबाव बनाया। मांग पूरी न होने पर मारपीट, गाली-गलौज हुई।और घर से निकाल दिया गया। धमकी दी कि स्कॉर्पियो न लाने पर उसे जान से मार देंगे।पीड़िता कुसुम ने मीरगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई। एसएचओ रवि कुमार सिंह ने बताया कि महिला की शिकायत पर आरोपी पति समेत चार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। विवेचना प्रचलित है।

टाइगर श्रॉफ पर हमले के बाद बरेली पुलिस अलर्ट दिशा पाटनी के घर की सुरक्षा जांचने पहुंचे अफसर

बरेली(आज समाचार सेवा)। मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हमले की घटना के बाद बरेली पुलिस भी सतर्क हो गई है। फिल्म अभिनेत्री दिशा पाटनी के बरेली स्थित आवास की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।जानकारी के मुताबिक, दिशा पाटनी के बरेली स्थित घर पर सुरक्षा के मद्देनजर एक मुख्य आरक्षी और तीन सिपाहियों की नियमित ड्यूटी लगाई गई है। इन पुलिसकर्मियों को आवास के आसपास की गतिविधियों पर नजर रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अप्रिय स्थिति की आशंका होने पर तत्काल कार्रवाई करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा के लिए सीओ प्रथम आशुतोष शिवम और कोतवाली इंस्पेक्टर राजीव कुमार दिशा पाटनी के आवास पर पहुंचे। अधिकारियों ने वहां तैनात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी,

सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता का जायजा लिया। साथ ही सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही न बरतने और हर स्थिति में मुस्तैद रहने के निर्देश दिए।पुलिस की इस सक्रियता को मुंबई में टाइगर श्रॉफ से जुड़ी हमले की घटना के बाद एहतियाती कदम के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा को किसी नए खतरे की आधिकारिक पुष्टि नहीं माना जाना चाहिएदिशा पाटनी के बरेली स्थित आवास की सुरक्षा पहले भी गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। 11 और 12 सितंबर 2025 को उनके घर पर फायरिंग की घटना हुई थी। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को पकड़ा था। घटना के बाद से ही आवास की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।पिछली घटना को देखते हुए पुलिस के लिए अभिनेत्री के आवास की सुरक्षा महत्वपूर्ण बनी हुई है। ऐसे में अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर व्यवस्था की समीक्षा करना और तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश देना सुरक्षा के लिहाज से अहम माना जा रहा है।फिलहाल, पुलिस की ओर से आवास पर तैनात सुरक्षाकर्मियों को आसपास की गतिविधियों पर नजर रखने और किसी भी संदिग्ध परिस्थिति में तत्काल उच्चाधिकारियों को सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं।

बेटी दामाद के झगडे मे बीच बचाव करने पहुँचे पिता की मौत

बहेडी(आज ब्यूरो) । बीती देर रात्रि बेटी और दामाद के बीच हो रहे विवाद को शान्त कराने पहुंचे पिता की दोनों को बचाते समय जमीन पर गिरकर मौत हो गई ।जानकारी के अनुसार नगर के मोहल्ला शेरनगर निवासी 50 वर्षीच तौफिक अहमद अपनी बेटी अलीशा के मायके मे पति शाहिद से झगड़ा और मरपीट हो रही थी। शोर सुनकर तौफिक बीच बचाव करने पहुँचे, तभी वह जमीन पर गिर पड़े और उनके सिर मे गभीर चोट लग गई। परिजन उन्हें पहले नगर के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे और फिर सीएचसी ले गए । जहाँ डाक्टरो ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। परिवार के लोगों ने राहिद पर तौफिक के सिर पर लोहे की चीज से हमला करने का आरोप लगाया है। तौफिक बहेडी के मोहल्ला शेरनगर के निवासी थे। उनकी बेटी अलीशा अपने मायके मे काफी दिनों से रह रही है। बीती रात्रि करीब दस बजे उसका पति राहित बहा पहुँचा । किसी बात को लेकर दोनों पति पत्नी मे झगडा शुरू हो गया। पिता तौफिक बचाने आए तो बीच बचाब करते समय वहाँ उनकी मौत हो गई।

22 को बरेली पहुंचेगे अखिलेश यादव,रामपुर पहुंच आजम खां से करेंगे मुलाकात

बरेली(आज समाचार सेवा)। पूर्व मुख्यमंत्री समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव रामपुर पहुंचकर पूर्व मंत्री आजम खां से मुलाकात करेंगे। इस दौरान 22 अक्टूबर को 11:०० बजे पूर्वांहन लखनऊ एरयरपोर्ट से प्रस्थान करेंगे और पूर्वांहन 11:45 पर बरेली एयरपोर्ट पहुंचेगे 12:20 अखिलेश यादव जौहर विश्वविद्यालय हैलीपेड पहुंचे यहां से वह कार द्वारा रामपुर कारागार पहुंचेगे यहां से पूर्व मंत्री आजम खां से मुलाकात करेंगे।

घर में खींच कर महिला को लाठी डंडों से पीटा

मीरगंज(आज ब्यूरो)। गांव ठिरिया खुर्द निवासी एक महिला को गत 12 अक्टूबर को गांव के संतोष ने हाथ पकड़कर अपने घर में खींच लिया। विरोध करने पर गाली-गलौज कर लाठी डंडे से बुरी तरह पीटा। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने उन्हें बचाया।ऐसे में घायल हो गईं। स्वजन घायल महिला को अस्पताल ले गए। इलाज कराने के बाद महिला थाने पहुंचीं। पुलिस ने उनकी तहरीर पर आरोपितों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अभियोग पंजीकृत सो रवि कुमार सिंह ने बताया कि पंजीकृत अभियोग की विवेचना प्रचलित है।

सूचना
मैंने अपने पुत्रों यशपाल व दुर्वेश के दुर्व्यवहार व गलत चाल - चलन से त्रस्त होकर , इन दोनो से सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। राममूर्ति लाल पुत्र धनीराम नि0 ग्राम हिमकरा तह0 नवाबगंज जिला बरेली । पीसीनं. 8776

सूचना
मै सुनील कुमार पुत्र मुंशीलाल निवासी ग्राम भरतौल पोस्ट 8पीएसी नकटिया थाना सदर कैन्ट जिला बरेली ने अपने दोनो पुत्र राजकुमार उर्फ राज व युवराज को गलत संगत में पड़जाने के कारण समझने पर मुझे जान से मारने की धमकी देते है इसलिए सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से वेदखल कर दिया हैअगर यह दोनो कोई भी कृत्य अथवा लेनदेन करते है तो वह स्वंय जिम्मेदार होगे मै व मेरा परिवार जिम्मेदार नही होगा । पीसीनं.८७७८

बरेली दशहरा रामलीला धार्मिक सेवा समिति का दशहरा मेला आज

बरेली(आज समाचार सेवा)। बरेली दशहरा रामलीला धार्मिक सेवा समिति के तत्वाधान में होने वाले 70 वा विराट भव्य और दिव्य दशहरा मेला कल विष्णु इंटर कॉलेज के मैदान में होगा ।संस्था के महामंत्री रवि छाबड़ा ने बताया कि यह भव्य मेला विभाजन के बाद सन 1950 से मॉडल टाऊन में लगाया जा रहा है, बरेली के सबसे बड़े मेले के रूप में इसे जाना जाता रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पहले राजगद्दी की शुरुआत जिला परिषद कार्यालय से होती थी और यह पूरे शहर का भ्रमण करते हुए मॉडल टाऊन दशहरा मेला ग्राउंड पहुंचती थी। यह मेला श्री विष्णु इंटर कॉलेज में गत वर्ष की तरह नए स्वरूप में आयोजित होने जा रहा है। 20 अक्टूबर को शाम 4.30 बजे राजगद्दी यात्रा श्री हरि मंदिर के शुरू होकर सनातन धर्म मंदिर,रामायण मंदिर,दरगाह मंदिर होते हुए मेला स्थल में पहुंचेगी। मेला स्थल पर 50 फुट ऊंचे रावण और 40-40 फुट ऊंचे मेघनाथ और कुंभकरण के पुतले बनाए गए है। इस अवसर पर आतिशबाजी का जोरदार मुकाबला सभी बरेली वासियों को देखना का अवसर मिलेगा। मेला के मुख्य अतिथि पूरन लाल लोधी अध्यक्ष बृज प्रांत और अति विशिष्ट अतिथि अरुण सक्सेना , पर्यावरण एवं वन मंत्री ,श्रीमती श्रुति गंगवार राजसभा सदस्यहोंगे।,मेला इंचार्ज अतुल कपूर, मुख्य संरक्षक सुशील अरोरा,अनिल अरोरा, कोषाध्यक्ष संजय आनन्द,मीडिया प्रभारी गोविन्द तनेजा,लतेश शर्मा,धीरज कुमार आदि ने मेले ग्राउंड पर रह कर तैयारियों का जायजा लिया ।

महा अष्टमी के समापन पर माता रानी की भव्य शोभायात्रा निकाली

बिशारतगंज (आज ब्यूरो)। महा अष्टमी के समापन के अवसर पर रात्रि 8:00 बजे वार्ड नं 12 में स्थित प्रसिद्ध ब्रह्मदेव देवस्थान से माता रानी की भव्य पालकी, शोभायात्रा धूमधाम के साथ निकाली गई ।शाम होते ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी ठीक रात्रि 8 बजे विधि-विधान से पूजा-अर्चना, मंत्रोच्चारण और महाआरती के बाद माता रानी की शोभायात्रा को डीजे के साथ रवाना किया गया। आरती के साथ ही पूरा क्षेत्र 'जय माता दी' के जयकारों से गूंज उठा ।माता रानी की शोभायात्रा अपने निर्धारित मार्ग ब्रह्मदेव देवस्थान से प्रारंभ होकर साहू मोहल्ला,पुराना बाजार, के मुख्य मार्गों से होते हुए जैतपुर रोड तक गई और वहां से होते हुए पुनः वापस अपने स्थान ब्रह्मदेव पर आकर संपन्न हुई ।रास्ते भर भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। डीजे पर माता के भजनों की धुन पर श्रद्धालु नाचते-गाते चल रहे थे। जगह-जगह स्थानीय लोगों ने पुष्प वर्षा कर और आरती उतारकर माता रानी का भव्य स्वागत किया।

बरेली सिनेमा
जगत में
ता 16 से रोजाना 3 शो
रेट 30 50
(भोजपुरी)
मुझसे शादी करोगी

हलचल

स्थानीय निकायों,निगमो में मांगों को लेकर कर्मचारी संघर्ष संयुक्त मोर्चा पदाधिकारी बरेली पहुंचे,स्वागत

बरेली(आज समाचार सेवा)। स्थानीय निकायों के नगर निगमो, नगर पालिकाओं में कार्यरत संविदा आउटसोर्सिग, डोर-टू-डोर कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं

को लेकर आगामी दो नवम्बर को कर्मचारी संघर्ष सयुंक्त मोर्चा के तत्वाधान में होने जा रहे विशाल धरने को सफल बनाने के लिये पूरे प्रदेश के भ्रमण कर रहे सयुंक्त मोर्चा के नेताओं ने आज यहां नगर निगम में भी भ्रमण किया । यहां पर भारी संख्या में उपस्थित सफाई कर्मचारी की बैठक में भाग लिया इस अवसर पर नगर निगम सफाई कर्मचारियों के अध्यक्ष राजकुमार समदर्शी, राजेश कुमार, राजेन्द्र कुमार समदर्शी, विजय कुमार (मन्नू), सुरेश कुमार शिन्दे आदि ने नगर निगम-प्रांगण में आये हुए प्रदेश महामंत्री बिल्लू चौहान का फूल माला व पगड़ी पहनाकर भव्य स्वागत किया, इस अवसर पर काफी संख्या में सफाई कर्मचारी उपस्थित थे, जिन्होने एक स्वर में राजकुमार समदर्शी के साथ अवगत कराया कि कि संविदा सफाई कर्मचारियों आउटसोर्सिंग कर्मचारियों व कूड़ा कलेक्शन में लगे कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने व नगर निगमों व स्थानायी निकाय में कैश लेश योजना लागू करने की मांग की गयी। वहीं रिक्त पद भरने की भी मांग भी प्रदेश सरकार के समक्ष रखी जायेगी। इस अवसर पर राजकुमार समदर्शी के द्वारा प्रस्ताव लाकर नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य का कर्मचारियों की समस्याओं को दूर करने के लिये कैम्प आयोजित किये जाने पर उनका आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर उप नगर स्वास्थ्य अधिकारी सतीश चौधरी भी उपस्थित रहे, बिल्लू चौहान ने घोषणा की कि कर्मचारी की समस्याओं को सरकार के समक्ष रखा जायेगा। कार्यक्रम में कमल कुमार, तरूण गौतम, मनोज भारती, सुनील दत्त, राकेश चौधरी, ब्रिजेश कुमार, मिथुन, रूपेश एवं अमरनाथ आदि उपस्थित रहे। इस कायक्रम में विशेष रूप से उपस्थित नदीम इकबाल ने घोषणा की वो शीघ्र ही इन सफाई कर्मचारियों की समस्याओ को लेकर अधिकारिता मंत्री माननीय रामदास अठावले के समक्ष उठायेगे ताकि वो माननीय मुख्यमंत्री जी से वार्ता कर उनकी समस्यओं को सुलझाने के लिये मध्यस्तथा करायेगे इस अवसर पर इस बैठक में कर्मचारी हित में कर्मचारियों की समस्याओं को उठा रहे 02 न्यूज चैनलो के पत्रकारों जिनमें श्री सय्यद सलमान व मो0 हनीफ को भी सम्मानित किया गया।

महानवमी पर श्रद्धलुओ ने किया हवन पूजन, माँ दुर्गा का आर्शीवाद लिया

बहेडी(आज ब्यूरो)। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र मे शरदीय नवरात्र की महानवमी पर श्रद्धालुओ ने खास तरीके से माँ दुर्गा की पूजा की गई । इस दौरान घरो और मन्दिरो मे धार्मिक कार्यक्रम हुए । लोगों ने हवन - पूजन कर माँ दुर्गा का आर्शीवाद लिया। श्रद्धालुओ ने माँ दुर्गा के सामने सिर झुकाकर परिवार की सुख समृद्धि - खुशहाली और शान्ति की कामना की। नवरात्र के अखिरी दिन कन्या पूजन कर देवी स्वरूप बालिकाओं का सम्मान किया गया। उनका आर्शीवाद लेकर पूजा पूरी की गई। नवमी पर कन्या पूजन का खास महत्व होता है। श्रदालुओ ने छोटी कन्याओ को माँ दुर्गा का रूप मानकर उनका सम्मान किया। कन्याओ को घर बुलाकर उनके पैर घोए गए । तिलक लगाकर कलावा बांधागया। और पूजा पूरी की गई। इसके बाद उन्हे हल्वा,पूरी और चने का प्रसाद बिलाया गया। भोजन के बाद कन्याओ को दक्षिणा और उपहार देकर उनका आर्शीवाद लिया गया। एक बालक को भी लांगुर या भैरव स्वरूप मानकर बुलाया गया।

भाखड़ा नदी में मिले अज्ञात शव की हुई पहचान,हत्या की आंशका

मीरगंज(आज ब्यूरो) ।मीरगंज थाना क्षेत्र में पांच अक्टूबर को भाखड़ा नदी मीरगंज के पहुंचा खुर्द गांव क्षेत्र में मिले अज्ञात पुरुष के शव की पहचान हो गई है। मृतक की पहचान शाही थाना क्षेत्र के संग्रामपुर गांव निवासी 40 वर्षीय मिहिलाल पुत्र मिचकू लाल के रूप में हुई है। मृतक के भाई ने गांव के ही दो लोगों पर हत्या का संदेह जताते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की है। जानकारी के अनुसार, पांच अक्टूबर 2026 को भाखड़ा नदी में एक अज्ञात पुरुष का शव उतराता मिला था। मीरगंज पुलिस ने लिखापढ़ी कर पोस्टमार्टम कराया था। दस अक्टूबर को मृतक के भाई ओमपाल निवासी संग्रामपुर थाना शाही ने मीरगंज थाने पहुंचकर फोटो देखकर शव की पहचान अपने भाई मिही लाल के रूप में की ।इसके बाद ओमपाल ने शाही थाने में तहरीर देकर गांव के पप्पू और आसेराम पर हत्या का संदेह जताया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मिहिलाल की मौत पानी में डूबने से होने की पुष्टि हुई है ।हालांकि विसरा सुरक्षित रखा गया है। जिसे परीक्षण हेतु विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा जाएगा। सीओ अजय कुमार सिंह ने बताया कि 5 अक्टूबर को थाना मीरगंज के पहुंचा खुर्द गांव के समीप भाखड़ा नदी में मिले शव की पहचान हो गई है। एस ओ सही आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि मीरगंज क्षेत्र में बरामद शव मामले में शाही थाने पर दो के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी लिखी गई है। विवेचना प्रचलित है।

मंत्री धर्मपाल सिंह ने किया पशु पॉलीक्लीनिक का निरीक्षण

आंवला(आज ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने सोमवार को आंवला तहसील के गुरुगावां मुस्तकिल गांव का दौरा किया। उन्होंने करीब 10 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे नए पशु पॉलीक्लीनिक का निरीक्षण किया। मंत्री ने निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता की जांच की।मंत्री ने अधिकारियों और निर्माण एजेंसी से काम की जानकारी ली। उन्होंने अधूरे कामों पर निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि सरकारी मानकों का पालन हो और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने तय समय पर प्रोजेक्ट पूरा करने को कहा, ताकि किसानों को जल्द लाभ मिले।मीडिया से बात करते हुए मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि यह पॉलीक्लीनिक पशुओं के स्वास्थ्य और इलाज के लिए बहुत फायदेमंद होगा। उन्होंने कहा कि किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को तेज करना उनकी प्राथमिकता है। इस मौके पर कई खास लोग, पशुपालन विभाग के अधिकारी और इंजीनियर भी मौजूद थे।

ट्रैक्टर ने बच्चे को रौंदा मौके पर ही दर्दनाक मौत

बरेली/आंवला(आज ब्यूरो)।

आंवला तहसील के अलीगंज थाना क्षेत्र के हाफिजगंज मजरा अनुरुद्धपुर गांव में रविवार देररात एक हादसा हुआ। इलाके में अवैध मिट्टी खनन में लगी एक तेज रफ्तार महिंद्रा ट्रैक्टर-ट्रॉली ने साइकिल सवार 10 वर्षीय अभिषेक को रौंद दिया। टक्कर इतनी तेज थी कि बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई।हादसे के बाद ग्रामीणों ने भाग रहे चालक को ट्रैक्टर-ट्रॉली समेत पकड़ लिया। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस और स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से पूरे इलाके में अवैध खनन का कारोबार बेखौफ चल रहा है। खनन माफिया भीड़भाड़ वाले रास्तों पर भी ओवरलोड ट्रैक्टर तेज रफ्तार में चलाते हैं, जिससे हादसे होते रहते हैं।सूचना मिलते ही अलीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों को शांत कराया और स्थिति संभाली। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक अभिषेक अपने चार भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। उसके दो छोटे भाई और एक 7 साल की बहन है। परिवार का रो रो कर बुरा हाल है।

चालक को ट्रैक्टर ट्रॉली समेत पकड़ा

ऑटो में बैठी महिला के पर्स से अंगूठी व कुण्डल उड़ाये

सीबीगंज (आज ब्यूरों)। मिनी बाईपास से फतेहगंज पश्चिमी के एक गांव जाने को ऑटो में बैठी महिला के पर्स से अज्ञात दो महिलाओं ने सोने की अंगूठी व कान के कुंडल चोरी कर लिए और फरार हो गई। पीड़ित महिला के पति ने अज्ञात में दो महिलाओं के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र के गांव अगरास निवासी मनीष कुमार पुत्र श्रीराम बहादुर ने दर्ज मुकदमें आरोप लगाते हुए बताया कि उनकी पत्नी बरेली मिनी बाईपास से फतेहगंज पश्चिमी के लिए ऑटो पर बैठी थी। इसी दौरान सीबीगंज पहुंचने पर दो महिलाएं मथुरापुर कहकर ऑटो में बैठी जैसे ही ऑटो मथुरापुर पहुंचा कि दोनों महिलाएं ऑटो से उतर गई। पीड़ित पति का आरोप है कि दोनों अज्ञात महिलाओं ने उसकी पत्नी के बैग में रखें कान के कुंडल व सोने अंगूठी चोरी कर ली और वह फरार हो गई। पुलिस ने पीड़ित पति की शिकायत पर दो अज्ञात महिलाओं के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दो महिलायें घटना को अंजाम देकर, फरार, रिपोर्ट दर्ज

दो बाइको की आमने-सामने टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल

क्योलड़िया (आज ब्यूरों)। थाना क्षेत्र के गांव क्यो लाडिया का 22 वर्षीय युवक आमने-सामने बाइक भिड़ंत में गंभीर रूप से घायल हो गया आरोप है कि गांव सिठौरा स्थित काली मंदिर के पास तेज गति से आ रहे शराब के नशे में धुत अज्ञात बाइक सवार ने युवक की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवक के मुंह के एक तरफ का जबड़ा टूट गया और उसकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। घायल की हालत गंभीर बनी हुई है परिजनों ने उसे बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका उपचार चल रहा है पुलिस ने क्षतिग्रस्त बाईको को कब्जे मे लेकर थाने ले आई। गांव क्यो लाडिया निवासी अफसाना बेगम पत्नी मोश सलीम ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसका बेटा मोश फरीद गांव बहर जागीर रिस्तेदारी से बाइक से घर वापस आ रहा था इसी दौरान गांव सिठौरा स्थित काली मंदिर के पास सामने से तेज गति से आ रहा एक अज्ञात युवक बाइक सवार ने बाइक में टक्कर मार दी महिला का आरोप है कि बाइक सवार शराब के नशे में धुत था टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोश फरीद सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से दोनों बाइक सवार घायलों को उपचार के लिए बरखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भेजा गया वहां चिकित्सकों ने युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल पीलीभीत रेफर कर दिया जिला अस्पताल में भी युवक की हालत नाजुक बनी रहने पर चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए लखनऊ रेफर कर दिया हालांकि, परिजनों ने उसे बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। युवक की गंभीर हालत को लेकर परिजन चिंतित हैं पीड़ित की मां अफसाना बेगम ने पुलिस को तहरीर देकर मामले में कार्रवाई की मांग की है। हादसे में युवक की बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

रेल जनसंवाद कार्यक्रम में यात्रियों को किया जागरुक

बरेली (आज समाचार सेवा)। पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर मंडल में विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत पर आयोजित रेल जनसंवाद कार्यक्रम के अंतर्गत नामित अधिकारी द्वारा यात्रियों को कचरे के पृथक्करण कचरे के लिए निर्धारित चार प्रकार के डस्टबिन का उपयोग करें तथा प्रत्येक प्रकार के कचरे को संबंधित के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर जन उद्घघोषणा प्रणाली के माध्यम से स्वच्छता संबंधी संदेश एवं स्लोगन प्रसारित कर यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना तथा रेलवे परिसरों में स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करना है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं, कचरा इधर-उधर न फेंकें तथा निर्धारित डस्टबिन का

रेलवे स्टेशनों को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने के उद्देश्य से यात्रियों को स्वच्छता एवं कचरे के उचित निस्तारण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में आज पीलीभीत रेलवे स्टेशन एवं उसके उचित निस्तारण के महत्व की जानकारी दी गई। यात्रियों को बताया गया कि गीले कचरे, सूखे कचरे, सैनिटरी वेस्ट तथा विशेष डस्टबिन में ही डालें। इससे कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करने और स्टेशन परिसर में स्वच्छता बनाए रखने में सहायता मिलेगी। अभियान उपयोग करें। यात्रियों के सामूहिक सहयोग से ही रेलवे स्टेशनों को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सकता है।

रूहेलखंड विश्वविद्यालय में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स समिति का गठन

बरेली (आज समाचार सेवा)। महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली में युवाओं को नशे से दूर रखने तथा नशामुक्त परिसर के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति के आदेश के अनुपालन में नशामुक्त अभियान के अंतर्गत 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत (100 बीकस नशामुक्त युवा अभियान)' के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स समिति का गठन किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा 16 अक्टूबर 2026 को जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, प्रो. आशुतोष प्रिय, आचार्य, क्षेत्रीय एवं व्यवहारिक अर्थशास्त्र विभाग को समिति का नोडल ऑफिसर नियुक्त किया गया है। समिति में विभिन्न विभागों के शिक्षकों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है, ताकि विश्वविद्यालय परिसर में नशामुक्ति अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सके। समिति में प्रो. अजीत सिंह, प्रो. राम केवल, डॉ. सौरभ वर्मा, डॉ. एस.के. चौरसिया, डॉ. कौशल कुमार, डॉ. दीपक गंगवार, डॉ. अश्वनी गुप्ता, डॉ. सुमित श्रीवास्तव, डॉ. आभा त्रिवेदी, डॉ. सुमिता गुप्ता, डॉ. एम.ए. अंसारी, डॉ. पवन कुमार सिंह, डॉ. ललित कुमार पाण्डेय, डॉ. रश्मि रंजन तथा डॉ. कामिनी विश्वकर्मा को सदस्य नामित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा नशामुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर अभियान को प्रभावी बनाना है। समिति का गठन विश्वविद्यालय परिसर में नशामुक्ति संबंधी गतिविधियों के संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण संस्थागत कदम है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने संबंधित संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, समन्वयकों, निदेशकों, छात्रावास वार्डनों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सूचना एवं कार्यवाही के लिए आदेश की प्रतिलिपि प्रेषित की है।

कच्ची शराब के साथ युवक को भेजा जेल

सीबीगंज (आज ब्यूरों)। गश्त के दौरान थाना पुलिस ने कच्ची शराब बेचने की फिराक में खड़े एक युवक को पकड़ लिया और पुलिस पूछताछ के बाद उसके विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। सीबीगंज प्रभारी विनोद सिंह के मुताबिक बीती रात्रि चौकी प्रभारी पवन कृष्ण अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। जैसे ही वह बंडिया नहर के समीप पहुंचे कि उन्हें सामने से एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया। पुलिस को आता देख आरोपी भागने का प्रयास करने लगा। जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। जामा तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से कच्ची शराब के 11 पव्वे व दो सौ रुपए बरामद किए है।

रामलीला में मेघनाद व अहिरावण वध की लीला का भव्य मंचन

बरेली (आज समाचार सेवा)। श्री रामलीला नाटक समाज सदर बाजार कैंट के सांस्कृतिक मंच पर सोमवार को मेघनाद वध तथा अहिरावण वध की लीला का भव्य मंचन किया गया। लीला के दौरान भगवान श्रीराम की सेना और रावण की सेना के बीच हुए भीषण युद्ध का सजीव चित्रण किया गया। मेघनाद ने अपनी मायावी शक्तियों के बल पर युद्ध में श्रीराम की सेना को परास्त करने का प्रयास किया, लेकिन लक्ष्मण जी ने वीरतापूर्वक युद्ध करते हुए मेघनाद का वध कर दिया। मेघनाद के मारे जाने से रावण की सेना में शोक छा गया। इसके बाद अहिरावण ने अपनी माया से भगवान श्रीराम और लक्ष्मण जी का अपहरण कर उन्हें पाताल लोक पहुंचा दिया। अपने आराध्य प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण जी को मुक्त कराने के लिए हनुमान जी पाताल लोक पहुंचे। वहां उन्होंने अहिरावण का वध कर दोनों भाइयों को मुक्त कराया। इन प्रसंगों के मंचन पर दर्शकों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। इस अवसर पर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सतीश मेहता तथा सचिव सुनील कुमार सिंह के अलावा कमेटी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कमेटी की ओर से बताया गया कि मंगलवार को रावण वध की लीला का मंचन किया जाएगा।

पूर्व विधायक मास्टर छोटेलाल गंगवार का किया स्वागत

बरेली (आज समाचार सेवा)। कांग्रेस नेता पूर्व विधायक मास्टर छोटेलाल गंगवार ने नवाबगंज (बरेली) में रामलीला मैदान में लगे मेले में भ्रमण किया। रामलीला कमेटी नवाबगंज के अध्यक्ष एडवोकेट शिशुपाल गंगवार ने मेले में मास्टर छोटेलाल गंगवार का स्वागत,शाल व माल्यार्पण किया।

जूनियर बालक बास्केटबॉल जिला टीम चयनित

बरेली (आज समाचार सेवा)। प्रदेश स्तरीय जूनियर बालक बास्केटबॉल समन्वय प्रतियोगिता जो कि अलीगढ में आयोजित की जा रहीं है। बरेली जिले की चयनित टीम गोकुल शर्मा, फैजान, यश, नितेश, सक्षम, शिवम, आरुष, दिव्यम्, लक्ष्य, धनंजय यादव, प्यार , अर्पित, आयुष सिंह, युवराज सिंह का चयन किया गया।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाइक डिवाइडर से टकराई,बाइक सवार दोनो चोटिल

फतेहगंज पश्चिमी (आज ब्यूरों)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर अनियंत्रित बाइक डिवाइडर से टकराने से बाइक सवार दोनों युवक गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनो को एंबुलेंस से बरेली अस्पताल भेज दिया। मिली जानकारी के मुताबिक थाना नवाबगंज के गांव नगरिया खुर्द निवासी राजकुमार और गांव परोधी निवासी वीरेंद्र सोमवार सुबह करीब 5 बजे बाइक के द्वारा मीरगंज से अपने घर लौट रहे थे।स्थानीय कस्बा के बाईपास रहपुरा अंडर पास पर पहुंचने पर अचानक बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में दोनो के सिर में चोट आने के कारण दोनों गंभीर हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनो को एंबुलेंस के द्वारा बरेली अस्पताल भेज दिया। जहां राजकुमार की हालत नाजुक बताई जा रही है।

कृष्णा नगर कालीबाड़ी मंदिर में श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई जा रही दुर्गा पूजा

बरेली (आज समाचार सेवा)। कृष्णा नगर कालीबाड़ी मंदिर में दुर्गा पूजा का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। वर्ष 1975 में स्थापित यह मंदिर पिछले कई दशकों से क्षेत्र के लोगों की आस्था और बंगाली संस्कृति का महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है। मंदिर में दुर्गा पूजा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक विरासत और आपसी भाईचारे का प्रतीक भी है। इस अवसर पर लोग एक साथ आकर माँ दुर्गा की आराधना करते हैं और अपनी परंपराओं को जीवंत बनाए रखते हैं। कृष्णा नगर कालीबाड़ी मंदिर हमारी आस्था, संस्कृति और एकता का प्रतीक है। हमारे संस्थापक सदस्यों और वरिष्ठजनों ने जिस समर्पण के साथ इस परंपरा की शुरुआत की थी, हम उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा उद्देश्य है कि आने वाली पीढ़ियाँ भी अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी रहें।'उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा लोगों को एकजुट होने, आपसी प्रेम बढ़ाने और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देती है। माँ दुर्गा से सभी के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम में बन एवं पर्यावरण मंत्री डा. अरूण कुमार, मेयर डा. उमेश गौतम व पार्षद सुधा सक्सेना, सौरभ अग्रवाल, साधना गोस्वामी, दिव्या गोस्वामी, जयशील जानी, अमित आहूजा, अनिल कुमार, सुधा सक्सेना, उमेश गौतम, गिल, डॉ कक्कड़ और डॉ सुमन कक्कड़, अरुण राय, राज कुमार अग्रवाल, अशोक अरोड़ा, सदस्य: देबाशीष चक्रवर्ती, प्रकाश मुखर्जी, लालटू, अमित कर्माकर, बिजयनाथ, सुदीप्तो, देबकर, रोबी, दीपक, निर्मल्या, रूपेश, नीलू, मजूमदार आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय मानव सेवा संस्थान ने ललितामाई मंदिर में कराया कन्याओं को भोज

बरेली (आज समाचार सेवा)। राष्ट्रीय मानव सेवा संस्थान ट्रस्ट रजिस्टर्ड भारत की राष्ट्रीय अध्यक्ष बिंदु इशिका सिंघानिया ने बरेली स्थित नेकपुर ललिता माई मंदिर में कन्याओं का विधिवत पूजन कर हलवा,चना, दही जलेबी पुडीयों का प्रतिभुज कराया प्रसाद वितरित कर कन्याओं को दक्षिणा देकर उनका सम्मान किया राष्ट्रीय अध्यक्ष बिंदु इशिका सिंघानिया ने संदेशित करते हुए कहा कन्या पूजन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कन्या संरक्षण महिला सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण के प्रति समाज को जागरूक करने का मेरा प्रयास है बेटियां समाज और देश की गौरव है स शिक्षा सम्मान और सुरक्षित वातावरण प्रदान करना हम सभी की जिम्मेदारी है समाज में महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच होना सभी के लिए जरूरी है बालिकाओं को हम आज नवमी के दिन देवियों के रूप में पूछते हैं महिलाओं को महाशक्ति के रूप में भारत की संस्कृति में सम्मान है उनके साथ अत्याचार, खराब व्यवहार, एवं गंदी सोच रखने वाले उन राक्षसों का दंडित एवं वध करने के लिए यह कन्या वैभव महिला महिषासुर मर्दिनी, दुर्गा एवं महाकाली का रूप धारण करती हैं कन्याओं का कन्यादान, मां बहन बेटी के उपकार और जीवन संगिनी से ही पुरुषों का जीवन शान सौगात से सफल होता है भारत सरकार एवं राज्य सरकारी प्रत्येक महिला को सशक्त, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाने को निरंतर विभिन्न योजनाओं के माध्यम से काम कर रही है राष्ट्रीय महामंत्री नरेंद्र पाल नें भी बाल कन्याओं का नवदुर्गा मां भगवती के रूप में तिलक, फल, फूल, प्रसाद से पूजन कर कन्याओं का सम्मान किया कन्या पूजन कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानव सेवा संस्थान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बिंदु इशिका सिंघानिया, राष्ट्रीय महामंत्री नरेंद्र पाल सही तमाम कन्या एवं भक्तगण मौजूद रहे।

बच्चों की गीत-संगीत प्रतियोगिता सीनियर में छवि जूनियर में हर्ष प्रथम

बरेली (आज समाचार सेवा)। मानव सेवा क्लब के तत्वावधान में सोमवार को दुर्गा नवमी के अवसर पर बच्चों की गीत-संगीत की प्रतियोगिता क्लब के कहरवान स्थित सभागार में हुई। जिसमें पच्चीस से ज्यादा बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में छवि प्रथम,राधिका द्वितीय तथा दिव्यांशी तृतीय स्थान पर रहीं जबकि जूनियर में हर्ष प्रथम,उन्नति द्वितीय तथा

अनुष्का ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आर्यन, ऋतिक, रिया, टीना, आराध्या, अंजलि,कीर्ति, और समर को विशेष पुरस्कार मिले। विजयी बच्चों को क्लब के अध्यक्ष सुरेन्द्र बीनू सिन्हा, प्रकाश चंद्र सक्सेना,इन्द्र देव त्रिवेदी, अरुणा सिन्हा,कल्पना सक्सेना, निर्भय सक्सेना,जितेंद्र सक्सेना,रश्मि, उमेश गुप्ता,पीयूष,पूजा सक्सेना, सुनील शर्मा,गंगा राम पाल और रितेश साहनी ने हार, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया। संचालन सुरेन्द्र बीनू सिन्हा ने किया। निर्णायक मंडल में प्रकाश और अरुणा सिन्हा रहे। सभी बच्चों को उनकी मनपसंद की चीजें भी खिलाई गईं।

अंगद रावण संवाद व लक्ष्मण शक्ति का हुआ भावपूर्ण मंचन

बरेली (आज समाचार सेवा)। पर्वतीय समाज की 60वीं रामलीला जो कि कुर्मांचल नगर के भोलेनाथ मंदिर के प्रांगण में हो रही है के छठे दिन रामलीला का मुख्य आकर्षण हैं अंगद रावण संवाद और लक्ष्मण शक्ति। मुख्य अतिथि मान सिंह नेगी सभापति कुर्मांचल नगर आवासीय समिति और विशिष्ट अतिथि हरवंश सिंह बिष्ट सचिव कुर्मांचल नगर आवासीय समिति साथ में उन्नति शर्मा राष्ट्रीय कवियत्री, शिक्षिका रहे। सांस्कृतिक प्रभारी पूरन दानू मुख्य उद्घोषक हैं और पूरन जोशी उनका साथ निभा रहे हैं। अध्यक्ष देवेंद्र सिंह दियोलिया और महासचिव डॉ. नरेंद्र सिंह बिष्ट ने कार्यकर्ताओं के साथ मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि का सम्मान किया और संस्था का स्मृति चिन्ह दिया। डॉ.नरेंद्र सिंह बिष्ट महासचिव ने कहा हमारे सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता ईमानदारी से अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इस अवसर पर कुंवर सिंह बिष्ट, इंदर सिंह बिष्ट, मदन सिंह बिष्ट पूर्व सभासद कैंट, चंद्रप्रकाश जोशी, उमेश बिनवाल, आनंद सिंह मेहता, तारा जोशी, नरेन्द्र नेगी, भूपाल सिंह, जीत सिंह वोहरा, दीवानी चंद, रमेश शर्मा, बिशन सिंह बिष्ट, भुवन पांडे, लता खुल्बे, हारमोनियम वादक गिरीश पांडे, तबला वादक हिमांशु नैलवाल और मीडिया प्रभारी देवेंद्र रावत का विशेष योगदान रहा। दशहरे के दिन मंगलवार को भव्य दशहरे मेले का आयोजन दोपहर 02 बजे से होगा जो देर रात्रि तक चलेगा। जिसमें रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों के साथ ही आतिशबाजी होगी।

स्वामी ज्ञानमंडल प्राईवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक ओम प्रकाश शुक्ला एवं मुद्रक संजीव कृष्ण त्रिपाठी द्वारा **आज** हिन्दी दैनिक प्लाट संख्या ई.12, ई.13, रोड नं. 3, परसाखेड़ा इन्डस्ट्रियल एरिया बरेली से मुद्रित एवं प्रकाशित
वाराणसी-संत कबीर मार्ग,**गोरखपुर**-बैंक रोड,**प्रयागराज**-3 लीडर रोड,**कानपुर**-बांस मण्डी,**झांसी**-झोंकन बाग, **लखनऊ**-1 जापलिंग रोड, **आगरा**-महात्मा गांधी रोड, **पटना**-फ्रेजर रोड, **रांची**-नामकुम इण्डस्ट्रियल एरिया, **जमशेदपुर**- न्यू काली माटी रोड साकची।

सम्पादक:
शार्दूल विक्रम गुप्त

स्थानीय प्रबन्धक
संजीव कृष्ण त्रिपाठी

वर्ष-37 पूर्ण संख्या-13269

आर.एन.आई.पंजीयन संख्या-51068/90
पंजीकृत संख्या-बी.आर.189

दूरभाष
9412293665

ajbareilly@yahoo.com
aajbareilly@gmail.com

रजिस्ट्रेशन संख्या 205/99

पी.आर.बी.अधिनियम के अन्तर्गत समाचार चयन के लिए स्थानीय सम्पादक जिम्मेदार होंगे तथा समस्त विवाद बरेली न्यायालय के अधीन होंगे।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक :9111/413सी.(ई.टेण्डर)-3/2026-27 दिनांक 08.10.2026

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मों से प्रतिशत दरों पर स्वीकृति की प्रत्याशा में ई-निविदा दिनांक 21.10.2026 से दिनांक 04.11.2026 को मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 04.11.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन-लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत: सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	लागत: 05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू0 लाख में)	लागत: कुल अनुमानित लागत (4+5) (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क स्टेशनरी+जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
वित्तीय वर्ष 2026-27 में धर्मार्थ योजनान्तर्गत नवनिर्माण कार्य (05 वर्ष के अनुरक्षण सहित)									
1	जनपद बरेली में [illegible] पुर केसरपुर कि0मी0 05 से ब्रह्मदेव महाराज मन्दिर (देव स्थान) होते हुए महेशपुरा की पुलिया तक मार्ग का नवनिर्माण का कार्य।	प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 बरेली	136.00	3.40	139.40	8.97	2725.00	06 माह	ए0श्रे0 (मार्ग कार्य)
2	जनपद बरेली में [illegible] मुख्य पी0 डब्लू0डी0 मार्ग से [illegible] के मकान होते हुए प्राचीन नाग देवता मन्दिर तक रोड सीसी सड़क एवं नाली निर्माण कार्य	प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 बरेली	177.00	4.40	181.40	11.07	2725.00	06 माह	ए0श्रे0 (मार्ग कार्य)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., बरेली

उ0प्र0-258621 दिनांक 17-10-2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है

(प्रकाश चन्द)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो.नि.वि., बरेली

ऑनलाइन भुगतान के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले तीनों आरोपी गिरफ्तार

-आज समाचार सेवा-

पूरनपुर (पीलीभीत)। पेट्रोल पंपों पर ऑनलाइन भुगतान के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के तीन आरोपियों को पूरनपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक स्विफ्ट डिजायर कार, दो प्लास्टिक की केन, तीन मोबाइल फोन, दो फर्जी नंबर प्लेट और 2500 रुपये नकद बरामद हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक 10 अक्टूबर की रात पीलीभीत रोड स्थित ढिल्लो सर्विस सेंटर इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर कार सवार दो व्यक्ति पहुंचे थे। आरोप है कि उन्होंने वाहन में करीब 15 हजार रुपये का पेट्रोल भरवाया और क्यूआर कोड से ऑनलाइन भुगतान करने का प्रयास किया। भुगतान सफल नहीं होने की जानकारी देने के बावजूद दोनों बिना रुपये दिए कार लेकर फरार हो गए। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण और ऑनलाइन भुगतान से जुड़े विवरणों की जांच के बाद पुलिस ने 19 अक्टूबर को खमरिया पट्टी तिराहे के पास से गुरप्रीत सिंह, लवप्रीत सिंह और बलराज सिंह निवासी सितारगंज, जिला ऊधम सिंह नगर (उत्तराखंड) को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने फर्जी नंबर प्लेट लगाकर पेट्रोल पंपों पर धोखाधड़ी करने की बात स्वीकार की। मोबाइल में मिले भुगतान रिकॉर्ड की जांच में पांच से 17 अक्टूबर के बीच 17 पेट्रोल पंपों से संबंधित 1,66,717 रुपये के भुगतान रिकॉर्ड भी मिले हैं। पुलिस इनकी जांच कर रही है। सोमवार शाम चार बजे आरोपियों को न्यायालय में पेश करने हेतु भेज दिया है।

गायत्री परिजन संदीप खंडेलवाल ने नवजात शिशुओं का किया स्वागत

-आज समाचार सेवा-

पूरनपुर (पीलीभीत)। हर नवरात्र की भांति इस बार भी पूरनपुर के गायत्री परिजन संदीप खंडेलवाल ने सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पूरनपुर पहुंचकर महानवमी पर जन्मे नवजात शिशु बालक बालिकाओं को कपड़ों की किट भेंट कर उनका स्वागत किया। साथ ही साथ उनके द्वारा सभी को टाफी बिस्किट भी भेंट किये गये। यहां आधे दर्जन बच्चों ने जन्म लिया। जिनमें 4 बालक और 2 कन्याएं हैं, उन सभी के उत्तम स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं दीं। सभी ने श्री खंडेलवाल के इस प्रयास के लिए साधुवाद और सराहना की।

इस अवसर पर डॉ0 राशिद, शाकिब, अनुज पांडेय, सौभाग्य खंडेलवाल, जितेंद्र कुमार फार्मासिस्ट, मीना जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहे।

सदियों पुरानी परंपरा के क्रम में गौरा-गौरी के सात फेरों के बाद घरों में बजेंगे शहनाइयों के सुर

-आज समाचार सेवा-

पूरनपुर (पीलीभीत)। सदियों से चली आ रही परंपरा के अनुसार गौरा-गौरी के सात फेरों के बाद घरों में शहनाइयों के और बजेंगे। मिट्टी के चौकला-चौकली और गौरा-गौरी के विवाह से लोक संस्कृति की रौनक बढ़ती हुई देखी जा रही है।

आधुनिकता के दौर में जहां शादी-विवाह की परंपराएं बदल रही हैं, वहीं ग्रामीण अंचलों में सदियों पुरानी लोकपरंपराएं आज भी आस्था और उल्लास के साथ निभाई जा रही हैं। नवरात्र पर्व पर गौरा-गौरी के विवाह की रस्म के साथ गांवों में विवाह समारोहों के शुभारंभ की मान्यता जुड़ी है। इसी परंपरा के तहत जिलेभर कई कस्बों और गांवों में गौरा-गौरी और चौकला-चौकली का विवाह धूमधाम से मनाया गया। महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने सामूहिक रूप से धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेकर अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखा।गांवों में शाम होते ही इस पारंपरिक आयोजन की तैयारियां शुरू हो गईं। महिलाएं मिट्टी से गौरा-गौरी की प्रतिमाएं सजाकर लाईं, पुरुष कागज और मिट्टी के चौकले लेकर पहुंचे, जबकि बच्चों ने मिट्टी के हुक्के तैयार किए। इसके बाद सभी लोग निर्धारित स्थान पर कुएं के पास एकत्र हुए। कलीनगर के शिव मंदिर पर सकटे लाल शर्मा ने विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच गौरा-गौरी के विवाह की रस्म निभाई। सात फेरों के साथ विवाह संपन्न कराया गया। मान्यता है कि गौरा-गौरी के विवाह के बाद ही हिंदू धर्म में शादी-ब्याह के शुभ मुहूर्त की शुरुआत होती है। विवाह की रस्म के दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को भुने हुए चने, मक्का और चावल के फूले वितरित किए। इसके बाद भजन-कीर्तन के माध्यम से धार्मिक माहौल को और भक्तिमय बनाया गया। सुबह होने पर सभी लोग चौकलों को तालाब तक ले गए, जहां उनका विसर्जन किया गया। इस आयोजन में केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता और पीढ़ियों से चली आ रही ग्रामीण संस्कृति की झलक भी देखने को मिली। पूरनपुर क्षेत्र के गांव खाता, अमरैयाकलां, सुखदासपुर, गौटिया, तकिया दीनारपुर, रघुनाथपुर, महादिया, प्रसादपुर, रम्पुराफकीरे, देवीपुर, ककरौआ, नवदियाधनेश, पिपरिया दुलई और कलीनगर के गांव माधोटांडा धरमंगदपुर, पिपरिया संतोष, भीमपुर सहित कई गांवों में भी चौकला-चौकली का समारोह मनाया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के आयोजन लोकआस्था, पारिवारिक परंपराओं और सामाजिक एकजुटता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

भरण-पोषण की रंजिश में खूनी बना दामाद, खीरी पुलिस ने 48 घंटे में दबोचा

लखीमपुर-खीरी। कोतवाली सदर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना क्षेत्र के ब्लाइंड मर्डर केस का पुलिस ने महज 48 घंटे के अंदर सफल अनावरण करते हुए हत्या के आरोपी दामाद को आला-कत्ल के साथ गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी ने बाइट देकर घटना का खुलासा किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 17 अक्टूबर 2026 को थाना कोतवाली सदर पर सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम मथुरा निवासी एक 65 वर्षीय बुजुर्ग की किसी अज्ञात व्यक्ति ने नुकीली चीज से चोट पहुंचाकर हत्या कर दी है। सूचना पर तत्काल कोतवाली सदर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा व पोस्टमार्टम की कार्यवाही की। मृतक के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर शव का शांतिपूर्ण ढंग से अंतिम संस्कार कराया गया।

घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक खीरी के निर्देशन में तत्काल चार टीमों का गठन किया गया। टीमों ने 48 घंटे के अंदर मैनुअल इंटेलिजेंस और सर्विलांस की मदद से घटना का सफल अनावरण करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी का नाम संतोष बताया जा रहा है, जो ग्राम मथना का रहने वाला है और मृतक का दामाद है।

पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि मृतक की पुत्री से उसकी शादी वर्ष 2003 में हुई थी। पारिवारिक विवाद के कारण उसकी पत्नी वर्ष 2007 से ही अपने मायके में रह रही थी और इस संबंध में कोर्ट में मुकदमा भी चल रहा था। कोर्ट ने भरण-पोषण का आदेश दिया था, लेकिन जमा न करने पर वारंट की संभावना से अभियुक्त आक्रोशित था। इसी आक्रोश में आकर उसने अपने ससुर की हत्या कर दी।

सदर कोतवाली पुलिस ने अभियुक्त की निशानदेही पर आला-कत्ल बरामद कर लिया है तथा अभियुक्त को ज्यूडिशियल कस्टडी में जेल रवाना किया जा रहा है।

खरीदा हुआ सामान बदलने को लेकर हुआ कहासुनी के बाद कुल्हाड़ी से हमले का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

-आज समाचार सेवा-

पूरनपुर (पीलीभीत)। रेलवे स्टेशन पर सामान बदलने को लेकर हुए विवाद के बाद मारपीट और कुल्हाड़ी से हमला करने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाना सेहरामऊ उत्तरी अंतर्गत आने वाले ग्राम सुल्तानपुर निवासी मुन्ने बाबू एडवोकेट ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनका पुत्र मोहसिन रजा लखनऊ विश्वविद्यालय का छात्र है। 17 अक्टूबर की शाम करीब आठ बजे वह एक सवारी को छोड़ने के लिए सेहरामऊ रेलवे स्टेशन गया था। स्टेशन के पीछे स्टेशन रोड पर शमसुल पुत्र मकबूल की खोखा दुकान से सामान खरीदने के दौरान सामान बदलने को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि इस दौरान शमसुल ने मोहसिन के साथ मारपीट की और रास्ते में दोबारा मारने की धमकी दी। मोहसिन ने फोन कर घटना की जानकारी अपने पिता को दी। इसके बाद मुन्ने बाबू अपने पड़ोसी पूर्व प्रधान के पुत्र प्रमोद तिवारी के साथ जोगराजपुर पहुंचे। आरोप है कि मारपीट का कारण पूछने पर शमसुल ने अपने भाइयों को बुला लिया। विरोध करने पर महमूद पुत्र मकबूल कुल्हाड़ी लेकर हमलावर हो गया। वहीं, अब्दुल, कमालू और इशाक सहिय कुछ अन्य अज्ञात लोगों पर धारदार हथियार लेकर हमला करने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित के अनुसार, उन्होंने किसी तरह मौके से निकलकर अपनी जान बचाई।

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग भी उनके पास उपलब्ध है। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

छोटे भाई पर हमला करने वाले बड़े भाई सहित तीन पर रिपोर्ट दर्ज

-आज समाचार सेवा-

पूरनपुर (पीलीभीत)। मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित ने अपने बड़े भाई पर पीछे से किसी वस्तु से प्रहार कर घायल करने का आरोप लगाया है। जिसको लेकर पुलिस ने बड़े भाई सहित तीन आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के गांव नवदिया दुर्जनपुर निवासी मुनेश के अनुसार, 18 अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजे वह अपने घर से बाहर निकल रहा था। इसी दौरान उसके बड़े भाई राकेश ने पीछे से किसी वस्तु से प्रहार कर दिया। इससे उसके शरीर पर चोटें आईं। आरोप है कि इसके बाद मनोज और आदेश ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और मौके से भाग गए।पीड़ित ने थाना सेहरामऊ उत्तरी पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर राकेश, मनोज और आदेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

वेदराम हत्याकांड फरार चल रहे एक और आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

-आज समाचार सेवा-

पूरनपुर (पीलीभीत)। घर से टहलने की बात कह कर निकले ग्रामीण वेदराम की पुरानी रंजिश के चलते हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने कई लोगों को नामजद किया था। वेदराम हत्या का आरोपी बिलहरी गांव निवासी 19 साल का विशाल भी है, जो कि फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कानूनी कार्रवाई के बाद कोर्ट में पेश किया।

ज्ञात हो कि 29 सितंबर 2026 को पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव बिलहरी निवासी वेदराम रोजाना की तरह सुबह टहलने के लिए घर से निकले थे। गांव के बाहर पहुंचने पर हमलावर ने अचानक उन पर हमला कर दिया था। सिर पर धारदार हथियार से किए गए वार में उन्हें गंभीर चोटें आईं। हमले के बाद वेदराम मौके पर ही गिर पड़े और उनकी मौत हो गई।

वारदात की जानकारी मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई थी। घटना के बाद पुलिस ने नौ आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में केस दर्ज किया था। पुलिस ने 29 सितंबर को रामदेव, श्यामदेव और फलगू को गिरफ्तार कर जेल भेजा। इसके बाद 2 अक्टूबर को श्रीदेव को भी पकड़ा गया। अब 16 अक्टूबर को पुलिस ने इस मामले में फरार विशाल को भी गिरफ्तार कर लिया है। बाकी आरोपियों की तलाश जारी है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना प्रभारी पवन कुमार पांडेय, सीनियर सब इंस्पेक्टर मनोज कुमार, कांस्टेबल अश्विन भोगियान और कुलदीप शामिल थे।

नवमी पर हवन-पूजन के बाद कराया गया कन्या भोज, मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

-आज समाचार सेवा-

पूरनपुर (पीलीभीत)। नवमी पर हवन पूजन के बाद कन्या भोज कराया गया। इस दौरान क्षेत्र के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती हुई दिखाई दी। जिसको चलते हैं पूरा बात बराबर भक्तिमय दिखाई दिया।

शारदीय नवरात्र के अंतिम दिन नवमी पर जिलेभर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा। घरों से लेकर मंदिरों तक हवन-पूजन के आयोजन किए गए। श्रद्धालुओं ने कन्याओं को हलवा, पूरी और चने का भोज कराकर उनका पूजन किया। इसके बाद व्रत का पारण किया। पीलीभीत के यशवंती देवी मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर भी दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। पूरनपुर के देवी स्थान मंदिर, कलीननगर के बराही देवी के अलावा बीसलपुर, अमरिया, जहानाबाद, बिलसंडा सहित अन्य क्षेत्र में भी पूजा पाठ किया गया। नवरात्र की नवमी पर लोगों ने घरों में विधि-विधान से हवन-पूजन कर माता रानी से परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद कन्याओं को भोजन कराकर उनका आशीर्वाद लिया। कई गांवों में भी सामूहिक पूजा का आयोजन किया गया। गांवों के देवी स्थानों पर परंपरा के अनुसार विशाल हवन कराया गया।ग्रामीण क्षेत्रों में साल में दो बार होने वाली इस सामूहिक पूजा का विशेष महत्व है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव की सलामती, सुख-शांति और खुशहाली की कामना के लिए यह आयोजन किया जाता है। नवमी के अवसर पर हुए धार्मिक अनुष्ठानों में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कन्याओं को हलवा, पूरी और चने का प्रसाद खिलाया गया। नवरात्र के समापन पर मंदिरों और गांवों में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

डीएम व एसपी ने मूर्ति विसर्जन के दृष्टिगत धनाराघाट का किया स्थलीय निरीक्षण

-आज समाचार सेवा-

पूरनपुर (पीलीभीत)। मूर्ति विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सुगम व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी आलोक कुमार एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने सोमवार को धनाराघाट परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने घाट पर उपलब्ध व्यवस्थाओं, नदी के वर्तमान जलस्तर तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए किए गए प्रबंधों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही तथा गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए किए गए सीमांकन की स्थिति का अवलोकन किया। साथ ही किसी भी आपातकालीन परिस्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए घाट पर तैनात गोताखोरों एवं नावों की उपलब्धता और व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि नदी के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जाए तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए निर्धारित सभी आवश्यक प्रबंध प्रभावी रूप से सुनिश्चित किए जाएं। घाट पर सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और संभावित खतरे की स्थिति में तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि मूर्ति विसर्जन के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मूर्ति विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी व्यवस्थाएं सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ सुनिश्चित की जाएं। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी पूरनपुर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बराही रेंज में हाथियों ने जमाया डेरा, किसानों की फसलों को रौंदा

-आज समाचार सेवा-

पूरनपुर (पीलीभीत)। पीलीभीत टाइगर रिजर्व की बराही रेंज में जंगली हाथियों के झुंड ने पिपरिया संतोष गांव के नजदीक डेरा जमा लिया है। जंगल किनारे खेतों में खड़ी फसलों को लगातार नुकसान पहुंचाए जाने से किसान परेशान हैं। हाथियों के उत्पात से ग्रामीणों की मेहनत पर पानी फिर रहा है, वहीं फसल बचाने के लिए उन्हें अपनी जान जोखिम में डालकर खेतों की रखवाली करनी पड़ रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात हाथियों के झुंड ने कलीनगर तहसील क्षेत्र के गांव पिपरिया संतोष गांव के प्रदीप और राजेंद्र के खेतों में पहुंचकर फसलों को काफी नुकसान पहुंचाया। इससे पहले भी वन्यजीव गांव के बीरपाल, मुरारी लाल, धनीराम, गेदन लाल, तिलक राम, पोथीराम, बाबूराम, सीताराम और राधे समेत कई ग्रामीणों की कई एकड़ फसल नष्ट कर चुके हैं। शनिवार शाम हाथियों का झुंड एक बार फिर खेतों के नजदीक पहुंच गया। इसकी जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने खेतों पर पहुंच गए। ग्रामीणों की हलचल के बीच हाथियों का झुंड जंगल में छिप गया। हाथियों की लगातार आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत है। फसल को बचाने के लिए किसान खेतों के आसपास निगरानी करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जंगली हाथियों समेत अन्य वन्यजीव लगातार उनकी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसकी सूचना देने के बावजूद वनकर्मी मौके पर नहीं पहुंचते। ऐसे में किसानों को खुद ही जान जोखिम में डालकर फसलों की रखवाली करनी पड़ रही है। वन विभाग की टीम के समय पर नहीं पहुंचने से ग्रामीणों में नाराजगी है।प्रदीप राठौर ने बताया कि पिछले साल भी हाथियों ने उनकी फसल नष्ट कर दी थी। इसके एवज में सरकार की ओर से उनके बैंक खाते में मुआवजे की रकम भेजी गई थी, लेकिन बाद में वह धनराशि वापस ले ली गई। ऐसे में हाथियों से फसल बर्बाद होने के साथ मुआवजे को लेकर भी किसान परेशान हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों की निगरानी कराने और फसल नुकसान से बचाव के लिए प्रभावी कदम उठाने की अपेक्षा जताई है।

हाथियों ने बराही गेट के पास तोड़ी तार फेंसिंग

-आज समाचार सेवा-

पूरनपुर (पीलीभीत)। जंगली हाथियों के झुंड ने बराही गेट के पास तार फेंसिंग तोड़ दी। ग्रामीणों के शोर मचाने पर बमुश्किल हाथियों का झुंड जंगल की और लौट गया। इसके बाद भी ग्रामीण रातों को जाकर पहरेदारी करने को मजबूर हैं।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में जंगली हाथियों का आबादी की ओर रुख करने का सिलसिला लगातार जारी है। रविवार रात बराही गेट के पास जंगली हाथियों के एक झुंड ने डेरा डाल दिया। हाथियों ने जंगल की तार बाड़ (चेन लिंक फेंसिंग) तोड़कर बाहर निकलने और गांव में घुसने का प्रयास किया।जैसे ही हाथी आबादी के करीब फेंसिंग तक पहुंचे, सतर्क ग्रामीणों ने तुरंत शोर-शराबा और हांका लगाना शुरू कर दिया। भारी शोर सुनकर हाथियों का झुंड वापस जंगल की ओर लौट गया। गनीमत रही कि हाथियों के गांव में न घुस पाने से कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन इस घटना के बाद से ग्रामीण दहशत में हैं और रात भर जागकर पहरा देने को मजबूर हैं।

ग्राम पंचायतों की डिजिटल लाइब्रेरियां बनी शोपीस

-आज समाचार सेवा-

पूरनपुर (पीलीभीत)। सरकार ने लाखों रुपए खर्च कर ग्रामीण युवाओं को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डिजिटल लाइब्रेरी बनाने के निर्देश दिए थे। जिस क्रम में जिम्मेदारों ने बढ़ चढ़कर डिजिटल लाइब्रेरियां बना तो दीं, लेकिन अब वह महज़ शोपीस बनकर रह गई हैं। कहीं लाइब्रेरी के ताले नहीं खुल रहे हैं, तो कहीं कंप्यूटर, इंटरनेट, किताबे और बैठने जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता पर सवाल उठ रहे हैं। सरकारी योजनाओं के जरिए गांवों में आधुनिक शिक्षा का माहौल तैयार करने के दावों के बीच जमीनी हकीकत की पड़ताल जरूरी हो गई है।

पूरनपुर तहसील के कई ग्रामों के पंचायत भवनों में बनी डिजिटल लाइब्रेरियों की स्थिति भी सवालों के घेरे में है। लाइब्रेरी स्थापित होने के बावजूद यहां ऑनलाइन अध्ययन के लिए जरूरी संसाधनों की उपलब्धता स्पष्ट नहीं है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर लाइब्रेरी बनाने का उद्देश्य क्या था, जब ग्रामीणों को इसका पूरा लाभ मिलने की स्थिति ही स्पष्ट नहीं है। डिजिटल लाइब्रेरियों का मकसद ग्रामीण छात्र-छात्राओं को कंप्यूटर, इंटरनेट और ऑनलाइन अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें पढ़ाई के लिए शहरों का रुख न करना पड़े। लेकिन बेल्हा में लाइब्रेरी के लिए कंप्यूटर, हाईस्पीड इंटरनेट, वाई-फाई और कुर्सियों जैसी सुविधाएं स्वीकृत हुई थीं या नहीं, इसे लेकर आधिकारिक स्थिति सामने आना बाकी है। यदि इन संसाधनों की खरीद की गई थी, तो उनका वर्तमान में कहां और किस स्थिति में उपयोग हो रहा है, यह जांच का विषय है। यदि संसाधन खरीदे गए हैं, लेकिन उनका उपयोग नहीं हो रहा है, तो इसकी वजह सामने आनी चाहिए। वहीं, यदि आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध ही नहीं कराई गईं, तो जिम्मेदार अधिकारियों को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। विकास खंड पूरनपुर क्षेत्र के कई गांवों की डिजिटल लाइब्रेरियों के भी बंद रहने की शिकायतें सामने आ रही हैं। यदि लाइब्रेरियां लंबे समय तक नहीं खुलतीं, तो उनका मूल उद्देश्य ही प्रभावित होता है। सरकारी धन से तैयार भवनों का लाभ ग्रामीणों तक पहुंचना चाहिए, न कि वे केवल कागजों और भवनों तक सीमित रह जाएं। हालांकि, कितनी लाइब्रेरी बंद हैं और किन स्थानों पर संसाधनों की कमी है, इसकी आधिकारिक पुष्टि जरूरी है। बुद्धिजीवियों का कहना है कि ग्राम पंचायतों की डिजिटल लाइब्रेरी की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए बजट आवंटन, स्वीकृत संसाधनों, खरीद संबंधी अभिलेखों, स्टॉक रजिस्टर और मौके पर उपलब्ध सामान का मिलान कराया जाना चाहिए। साथ ही लाइब्रेरी खुलने का समय, संचालन की जिम्मेदारी और ग्रामीणों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए। डिजिटल लाइब्रेरी का उद्देश्य केवल पंचायत भवन में एक कमरा तैयार करना नहीं, बल्कि ग्रामीण विद्यार्थियों को पढ़ाई और तकनीक से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। ऐसे में संबंधित अधिकारियों को बेल्हा सहित क्षेत्र की अन्य ग्राम पंचायतों में संचालित डिजिटल लाइब्रेरी का स्थलीय निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करनी चाहिए। तभी यह स्पष्ट हो सकेगा कि ग्रामीण शिक्षा को आधुनिक बनाने की योजना जमीन पर कितनी प्रभावी है।

खीरी में 192 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ, सामूहिक विवाह समारोह में गूंजी शहनाई

लखीमपुर खीरी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत जिला मुख्यालय स्थित डीएस कॉलेज में सोमवार को 192 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सात फेरों और निकाह की रस्मों के साथ नवदंपतियों ने नई जिंदगी की शुरुआत की। सजे मंडप, शहनाई की गूंज और परिजनों की मौजूदगी ने समारोह को खुशियों से सराबोर कर दिया। समारोह में नौ मुस्लिम जोड़ों का निकाह भी संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक योगेश वर्मा, सीडीओ योगानंद पाण्डेय और विकासखंड लखीमपुर की प्रशासक दिव्या सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों ने नवदंपतियों को सुखद एवं समृद्ध दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं। विधायक योगेश वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बनी है। योजना के माध्यम से बेटियों के विवाह की जिम्मेदारी में सरकार सहभागी बन रही है, जिससे परिवारों को आर्थिक संबल मिल रहा है। उन्होंने नवदंपतियों को नए जीवन की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे आपसी विश्वास, प्रेम और सहयोग के साथ अपने परिवार को आगे बढ़ाएं। उन्होंने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने पर भी जोर दिया।

सामाजिक समरसता और सम्मान का प्रतीक है सामूहिक विवाह = सीडीओ*

सीडीओ योगानंद पाण्डेय ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना समाज के कमजोर वर्गों को संबल देने के साथ सामाजिक समरसता और समानता की भावना को मजबूत करती है। सामूहिक विवाह समारोह विभिन्न समुदायों को एक मंच पर लाकर आपसी सद्भाव और सहयोग का संदेश देते हैं। उन्होंने नवदंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे जीवन की नई पारी की शुरुआत सकारात्मक सोच, आपसी समझ और पारिवारिक मूल्यों के साथ करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजना का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाने के लिए संवेदनशीलता और जिम्मेदारी से कार्य करने का संदेश दिया।

सपा में शाने अली की वापसी से पीलीभीत की सियासत में हलचल, पूर्व मंत्री हाजी रियाज अहमद के बेटे का हुआ भव्य स्वागत

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी में पूर्व मंत्री हाजी रियाज अहमद के बेटे शाने अली की वापसी के बाद जिले की राजनीति में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। लंबे समय तक समाजवादी पार्टी से जुड़े रहे हाजी रियाज अहमद के परिवार का जिले की राजनीति में अपना प्रभाव रहा है। ऐसे में शाने अली के दोबारा सपा में शामिल होने को जिले की राजनीतिक गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पीलीभीत पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया, जिसमें पार्टी से जुड़े लोगों और समर्थकों ने उनका अभिनंदन किया। सहाने अली के सपा में शामिल होने के बाद से ही जिले के राजनीतिक गलियारों में उनकी वापसी चर्चा का विषय बनी हुई है। उनके पार्टी में लौटने को पुराने राजनीतिक संबंधों की पुनर्बहाली के रूप में भी देखा जा रहा है। पार्टी से जुड़े लोगों के बीच इस बात को लेकर चर्चा है कि उनकी वापसी से जिले में समाजवादी पार्टी की गतिविधियों को नई गति मिल सकती है। शाने अली के पिता हाजी रियाज अहमद पीलीभीत की राजनीति का एक जाना-पहचाना चेहरा रहे थे। उन्होंने पूर्व मंत्री और विधायक के रूप में जिले की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोरोना काल के दौरान उनके निधन से जिले के राजनीतिक और सामाजिक जीवन में एक बड़ा खालीपन पैदा हुआ था। हाजी रियाज अहमद के राजनीतिक कार्यकाल को याद करते हुए उनके समर्थक बताते हैं कि उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों से संपर्क बनाए रखा। उनके समर्थकों के अनुसार, उन्होंने हिंदू और मुस्लिम सहित सभी समुदायों के लोगों को समान दृष्टि से देखने और उनके बीच सामाजिक सौहार्द बनाए रखने पर जोर दिया। उनके कार्यकाल के दौरान जिले में कई विकास कार्य भी कराए गए, जिन्हें आज भी उनके समर्थक उनकी राजनीतिक विरासत का हिस्सा मानते हैं। हाजी रियाज अहमद के निधन के बाद उनके बेटे शाने अली ने समाजवादी पार्टी से अलग होकर बहुजन समाज पार्टी का दामन थाम लिया था। उनके इस राजनीतिक कदम को उस समय जिले की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा गया था। हालांकि, अब शाने अली की समाजवादी पार्टी में वापसी के साथ उनकी राजनीतिक यात्रा ने नया मोड़ लिया है। उनकी वापसी को लेकर जिले में चर्चा है कि इससे पुराने राजनीतिक संपर्क फिर सक्रिय हो सकते हैं। हालांकि, पार्टी में उनकी भूमिका और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर आगे की स्थिति पर सभी की नजरें रहेंगी। पीलीभीत आगमन पर सहाने अली का भव्य स्वागत किया गया। उनके समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच उनकी वापसी को लेकर उत्साह देखने को मिला।

इस स्वागत कार्यक्रम के बाद जिले में सपा की स्थानीय राजनीति और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर चर्चाएं और तेज हो गई हैं। राजनीतिक दृष्टि से शाने अली की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि उनके पिता हाजी रियाज अहमद लंबे समय तक समाजवादी पार्टी की राजनीति से जुड़े रहे थे और जिले में उनकी पहचान थी। ऐसे में उनके बेटे का उसी पार्टी में वापस आना पुराने राजनीतिक रिश्तों को फिर से जोड़ने वाला घटनाक्रम माना जा रहा है। फिलहाल, सहाने अली की वापसी के बाद पीलीभीत में समाजवादी पार्टी की स्थानीय राजनीति में आगे क्या बदलाव देखने को मिलेंगे, यह आने वाला समय बताएगा।

भारत विकास परिषद टाइगर शाखा की अनोखी पहल, कन्याओं को दिए पर्यावरण अनुकूल उपहार

पीलीभीत। भारत विकास परिषद द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनोखी पहल की गई। नवरात्रि के अवसर पर अष्टमी एवं नवमी के दिन कन्या पूजन के दौरान कन्याओं और लांगुरों को भोज कराने के साथ उपहार स्वरूप पर्यावरण अनुकूल वस्तुएं देने का आह्वान किया गया। इस पहल का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना और दैनिक जीवन में पर्यावरण अनुकूल वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देना है। भारत विकास परिषद की टाइगर शाखा की महिला सहभागिता संयोजिका कुमकुम अग्रवाल ने शाखा के सभी सदस्यों से आग्रह किया कि वे कन्या पूजन के अवसर पर कन्याओं को प्लास्टिक या पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली वस्तुओं के स्थान पर उपयोगी एवं पर्यावरण अनुकूल उपहार प्रदान करें। उनके इस आह्वान पर शाखा के सदस्यों ने पहल करते हुए कन्याओं को पर्यावरण अनुकूल वस्तुएं भेंट कीं। इसी क्रम में टाइगर शाखा के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा एवं उनकी पत्नी ने कन्याओं को उपहार स्वरूप भोजन की थाली, गिलास, चम्मच और कॉटन के रूमाल प्रदान किए। इन उपहारों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया और लोगों को अपने छोटे-छोटे प्रयासों से प्रकृति को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा ने कहा कि आज पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाना जन-जन की आवश्यकता बन गया है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में छोटी-छोटी आदतों में बदलाव लाए और पर्यावरण के अनुकूल वस्तुओं का उपयोग करे, तो इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं। ऐसे छोटे प्रयास निरंतर जारी रहने पर आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। भारत विकास परिषद टाइगर शाखा की इस पहल को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है। धार्मिक आयोजनों को सामाजिक जागरूकता से जोड़कर परिषद ने यह संदेश दिया कि परंपराओं का निर्वहन करते हुए भी प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा की जा सकती है।

थाना जहानाबाद में मिशन शक्ति कक्ष का उद्घाटन कर महिलाओं एवं संभ्रांत व्यक्तियों को किया गया सम्मानित

पीलीभीत। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने तथा महिला संबंधी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से थाना जहानाबाद, जनपद पीलीभीत में मिशन शक्ति कक्ष का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक पीलीभीत सुकीर्ति माधव ने किया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को सुरक्षा एवं महिला संबंधी अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों और महिला सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। साथ ही समाज में महिला सुरक्षा, सम्मान एवं जागरूकता के क्षेत्र में सकारात्मक भूमिका निभाने वाली महिलाओं तथा क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत ने महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं को जागरूक करने, उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनने तथा आवश्यकतानुसार त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक हिमांशु गौरव, क्षेत्राधिकारी सदर नताशा गोयल, प्रभारी निरीक्षक थाना जहानाबाद जयशंकर सिंह एवं अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय, पीलीभीत।
उत्तराधिकार वाद सं0- 149 सन-2026
यावर आयु लगभग 26 वर्ष पुत्र स्व0 अली शेर निवासी ग्राम-शेरपुर कलां, परगना व तहसील पूरनपुर, जिला-पीलीभीत।
.....प्रार्थी/वादी
बनाम
1. शारिब खॉ आयु लगभग 23 वर्ष पुत्र स्व0 अली शेर निवासी ग्राम-शेरपुर कलां, परगना व तहसील पूरनपुर, जिला-पीलीभीत 2. रीना बी आयु लगभग 28 वर्ष पत्नी हनीस खॉ पुत्री स्व0 अली शेर निवासी ग्राम-शेरपुर कलां, परगना व तहसील पूरनपुर, जिला-पीलीभीत 3. अनस बी आयु लगभग 24 वर्ष पुत्री स्व0 अली शेर निवासी ग्राम-शेरपुर कलां, परगना व तहसील पूरनपुर, जिला-पीलीभीत 4. गुलाब बी आयु लगभग 13 वर्ष पुत्री स्व0 अली शेर निवासी ग्राम-शेरपुर कलां, परगना व तहसील पूरनपुर, जिला-पीलीभीत द्वारा संरक्षक सगी माता आलिमा बेगम पत्नी स्व0 अली शेर निवासी ग्राम-शेरपुर कलां, परगना व तहसील पूरनपुर, जिला-पीलीभीत 5. आलिमा बेगम आयु लगभग 61 वर्ष पत्नी स्व0 अली शेर निवासी ग्राम-शेरपुर कलां, परगना व तहसील पूरनपुर, जिला-पीलीभीत। ....प्रतिपक्षीगण
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा-372 भारतीय उत्तराधिकार अधि०1925
हर खास व आम को सूचित किया जाता है कि उक्त यावर ने आपके नाम एवं नालिश वास्ते मृतक अलीशेर पुत्र शेर खांन निवासी ग्राम-शेरपुर कलां, परगना व तहसील पूरनपुर, जिला-पीलीभीत के उत्तराधिकार प्रमाण पत्र हेतु दायर की है जिसके निस्तारण हेतु दिनांक 28/10/26 नियत की गयी है यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रार्थना पत्र के विरूद्ध आपत्ति हो तो वह न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा प्रार्थना पत्र की सुनवाई एक पक्षीय कर उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी कर दिया जावेगा। उसके पश्चात उत्तराधिकार के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 16/10/26 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।
आदेशानुसार
सिविल जज (सी0डि0)
पीलीभीत।

मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची का प्रकाशन, 26 अक्टूबर तक दर्ज करा सकेंगे आपत्ति व सुझाव

पीलीभीत। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक कुमार ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 25 के तहत भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में जनपद के मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची का प्रकाशन 19 अक्टूबर 2026 को कर दिया है। यह सूची एक सप्ताह की अवधि के लिए प्रकाशित की गई है। जारी सूचना के अनुसार, 26-पीलीभीत संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों 127-पीलीभीत, 128-बरखेड़ा, 129-पूरनपुर (अजा) और 130-बीसलपुर के मतदाताओं के लिए प्रस्तावित मतदान केंद्रों एवं उनसे संबंधित मतदान क्षेत्रों की सूची जारी की गई है। जिलाधिकारी ने जनसामान्य तथा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे सूची का अवलोकन कर लें। मतदेय स्थलों के संबंध में किसी प्रकार का संशोधन प्रस्तावित होने या कोई आपत्ति अथवा सुझाव होने पर उसे लिखित रूप में 26 अक्टूबर 2026 तक प्रस्तुत किया जा सकता है। मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची जनपद की आधिकारिक वेबसाइट ''चपसपइीपज.दपब.पद'' पर निःशुल्क निरीक्षण के लिए उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, आपत्तियां एवं सुझाव जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, पीलीभीत सहित संबंधित उप जिलाधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालयों में जमा कराए जा सकते हैं। प्रशासन का उद्देश्य मतदेय स्थलों की सूची के संबंध में प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों पर विचार करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाना है। निर्धारित समयसीमा के भीतर प्राप्त सुझावों के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मंदिरों के पास खुली अवैध दुकानों को हटाने के लिए प्रशासन को ब्राह्मण महापरिषद ने दिया अल्टीमेटम

पीलीभीत। अखिल भारतीय ब्राह्मण महापरिषद ने पीलीभीत नगर की धार्मिक गरिमा और महिला सुरक्षा हेतु जिले की सबसे बड़ी विधिक कार्रवाई शुरू की है। संगठन के जिलाध्यक्ष व अधिवक्ता नीलेश चतुर्वेदी के विधिक नेतृत्व में आज जनपद व मंडल के समस्त शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की विधिक घेराबंदी की गई है। अधिवक्ता नीलेश चतुर्वेदी ने थाना कोतवाली एवं थाना सुनगढ़ी क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले प्रमुख मंदिरों व विद्यालयों के विधिक निषिद्ध दायरे के भीतर चल रही शराब की दुकानों तथा अवैध अंडा-मांस के ठेलों को हटाने हेतु मंडलायुक्त बरेली, एडीजी जोन बरेली, जिला मजिस्ट्रेट पीलीभीत, पुलिस अधीक्षक, सिटी मजिस्ट्रेट व आबकारी अधिकारी समेत 8 शीर्ष अधिकारियों को विधिक पत्र जारी किए हैं। इसके साथ ही आबकारी अधिकारी व ईओ नगर पालिका से आरटीआई के तहत कड़े सवाल दागकर गलत एनओसी देने वाले लापरवाह अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही व नाम मांगे हैं। जिलाध्यक्ष नीलेश चतुर्वेदी ने स्पष्ट किया कि धार्मिक व शैक्षणिक स्थलों के विधिक दायरे में शराब और मांस-अंडे की बिक्री पर सुप्रीम कोर्ट व शासन के नियमों के तहत पूर्ण प्रतिबंध है, जिसका पीलीभीत में खुला उल्लंघन हो रहा है। संगठन ने प्रशासन को स्थलीय सत्यापन कर दुकानें हटाने के लिए 30 कार्यदिवसों का अंतिम अल्टीमेटम दिया है। यदि निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं हुई, तो अखिल भारतीय ब्राह्मण महापरिषद सीधे माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दाखिल करेगी। इस ठोस विधिक मोर्चे के बाद पीलीभीत के प्रबुद्ध वर्ग में संगठन की चैतरफा सराहना हो रही है।

थाना अमरिया पुलिस ने हत्या की घटना के अभियोग में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

पीलीभीत। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना अमरिया पुलिस ने मु0अ0सं0 240,2026, धारा 190, 191(2), 191(3), 103(1), 3(5), 352, 115(2), 351(3) बीएनएस में वांछित, प्रकाश अभियुक्त विवेक गंगवार पुत्र हरप्रसाद गंगवार निवासी ग्राम फुलईया कस्बा व थाना अमरिया जनपद पीलीभीत को ग्राम केशरपुर के निकट से गिरफ्तार किया। विधिक कार्यवाही पूर्ण कर गिरफ्तार अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेजा जा रहा है। दिनांक 12 अक्टूबर 2026 को कस्बा अमरिया में दो पक्षों के मध्य मारपीट एवं फायरिंग की घटना हुई थी, जिसमें 03 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई थी। प्रकरण में दिनांक 13 अक्टूबर 2026 को वादी रोहित गुप्ता पुत्र नरेश कुमार, निवासी कस्बा एवं थाना अमरिया, जनपद पीलीभीत की तहरीर के आधार पर थाना अमरिया पर मु0अ0सं0 240,2026, धारा 190, 191(2), 191(3),103(1), 3(5), 352, 115(2), 351(3) बीएनएस के अंतर्गत कौशल गुप्ता, हर्षित गुप्ता पुत्रगण नरेश गुप्ता, नरेश गुप्ता पुत्र मंगल सेन, संतोष कुमार पुत्र मंगल सेन, रचित गुप्ता एवं संचित गुप्ता पुत्रगण संतोष गुप्ता, निवासीगण कस्बा अमरिया, जनपद पीलीभीत तथा 06 अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया। पूर्व में 12 अभियुक्तों गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अमित सिंह, उ0नि0 मुनीर अहमद, का0 आकाश मान और का0 जोनी शामिल रहें।

थाना बीसलपुर पुलिस ने दहेज उत्पीड़न एवं विवाहिता की मृत्यु से संबंधित अभियोग में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

बीसलपुर, पीलीभीत। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना बीसलपुर पुलिस ने दहेज उत्पीड़न एवं विवाहिता की मृत्यु से संबंधित मु0अ0सं0 598,2024 धारा 85, 115(2), 118(2) व 80 (2) बीएनएस में वांछित अभियुक्त शाकिर पुत्र मकसूद अली, उम्र करीब 24 वर्ष, निवासी ग्राम मलकपुर बुदा, थाना दातागंज, जनपद बदायूं को भड़रिया मोड़ के निकट से गिरफ्तार किया गया। मुकदमा उपरोक्त में विधिक कार्यवाही पूर्ण कर अभियुक्त को मान0 न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। दिनांक 18 दिसंबर 2024 को वादी फूलबाबू पुत्र जलील अहमद निवासी ग्राम करमापुर माफी, थाना बीसलपुर, जनपद पीलीभीत द्वारा अपनी पुत्री को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने एवं मारपीट करने के संबंध में दी गई तहरीर के आधार पर थाना बीसलपुर पर मु0अ0सं0 598,2024 धारा 85, 115(2), 118(2) बीएनएस बनाम शाकिर आदि 04 अभियुक्तों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान वादी की पुत्री की मृत्यु हो जाने के कारण अभियोग में धारा 80(2) बीएनएस एवं धारा 3‌/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम की वृद्धि की गई। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली पलिस टीम में उ0नि0 जयपाल सिंह, का0 विक्रान्त कुमार और का0 कपिल कुमार उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति फेज-06 के तहत बाल विवाह एवं महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पीलीभीत। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन एएचटी थाना एवं महिला थाना पुलिस टीम ने मिशन शक्ति फेज-06 के अंतर्गत थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम माला कॉलोनी तथा थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के ग्राम बरहा में बाल विवाह एवं महिला सुरक्षा के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम में एएचटी थाना प्रभारी, महिला थाना प्रभारी एवं मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं, बालिकाओं एवं युवतियों से संवाद कर बाल विवाह के दुष्परिणामों, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। बाल विवाह पर लघु फिल्म दिखाकर इसके दुष्परिणामों की जानकारी दी गई तथा हेल्पलाइन नंबरों एवं मिशन शक्ति केंद्रों की संपर्क जानकारी से अवगत कराया गया। इस दौरान जिला प्रोबेशन विभाग एवं चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रतिनिधियों के सहयोग से महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया गया। साथ ही स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा आर्थिक स्वावलंबन के संबंध में जानकारी दी गई।

बीसलपुर मंडी में धान खरीद व्यवस्था पर उठे सवाल, सरकारी दावों के बीच किसान परेशान

बीसलपुर, पीलीभीत। उत्तर प्रदेश सरकार किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने और सरकारी क्रय केंद्रों पर धान खरीद सुनिश्चित करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन बीसलपुर की नवीन मंडी में धान खरीद व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि मंडी में स्थापित धान क्रय केंद्रों पर अपेक्षित खरीद नहीं हो पा रही है, जबकि धान की खरीद राइस मिलों में किए जाने की बात सामने आ रही है। इससे नवीन मंडी में सन्नाटा पसरा होने और किसानों को परेशानी उठानी पड़ने की शिकायतें हैं। स्थानीय स्तर पर मंडी सचिव नाजिम अली और धान क्रय केंद्रों के प्रभारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जा रहे हैं। किसानों की शिकायत है कि क्रय केंद्रों पर खरीद व्यवस्था सुचारु न होने के कारण वे अपनी उपज लेकर मंडी पहुंचने में परेशानी महसूस कर रहे हैं। ऐसे में सरकारी खरीद का लाभ जरूरतमंद किसानों तक पूरी तरह पहुंचने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सरकार की मंशा है कि किसानों को बिचैलियों की परेशानी से बचाकर उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाया जाए। इसके लिए धान क्रय केंद्र स्थापित किए जाते हैं, लेकिन यदि केंद्रों पर खरीद प्रक्रिया प्रभावी ढंग से संचालित नहीं होती है तो किसानों को आर्थिक नुकसान और अनावश्यक भागदौड़ का सामना करना पड़ सकता है। बीसलपुर नवीन मंडी में धान खरीद की स्थिति को लेकर किसानों के बीच असंतोष की बात सामने आ रही है। सवाल यह है कि जब सरकारी खरीद केंद्र संचालित हैं, तो वहां खरीद की स्थिति क्या है और राइस मिलों में हो रही खरीद की प्रक्रिया किस नियम के तहत संचालित की जा रही है? मामले में संबंधित अधिकारियों से धान क्रय केंद्रों के अभिलेखों, खरीद के आंकड़ों, किसानों के पंजीकरण, टोकन व्यवस्था और राइस मिलों में हो रही खरीद की जांच कराने की मांग की जा सकती है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि सरकारी केंद्रों पर खरीद कम होने के क्या कारण हैं और किसानों को उनकी उपज बेचने में आ रही दिक्कतों को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन और संबंधित विभाग इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं। यदि आरोपों की पुष्टि होती है, तो जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि किसानों को सरकारी धान खरीद व्यवस्था का वास्तविक लाभ मिल सके।

मूर्ति विसर्जन के दृष्टिगत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने किया धनाराघाट का स्थलीय निरीक्षण

पीलीभीत। मूर्ति विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सुगम व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी आलोक कुमार एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने धनाराघाट परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने घाट पर उपलब्ध व्यवस्थाओं, नदी के वर्तमान जलस्तर तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए किए गए प्रबंधों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही तथा गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए किए गए सीमांकन की स्थिति का अवलोकन किया। साथ ही, किसी भी आपातकालीन परिस्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए घाट पर तैनात गोताखोरों एवं नावों की उपलब्धता और व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि नदी के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जाए तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए निर्धारित सभी आवश्यक प्रबंध प्रभावी रूप से सुनिश्चित किए जाएं। घाट पर सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और संभावित खतरे की स्थिति में तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि मूर्ति विसर्जन के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मूर्ति विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी व्यवस्थाएं सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ सुनिश्चित की जाएं। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी पूरनपुर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बंदी को आत्महत्या के लिए उकसाने वाले तीन गिरफ्तार

महिला और उसके दो बेटे जेल भेजे गए, महिला ने पॉक्सो एक्ट लगाकर मांगे थे 3 लाख

पुवाया शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में रविवार दोपहर तीन बजे एक बंदी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक महिला और उसके दो बेटे शामिल हैं। एक बेटा नाबालिग है। मृतक बंदी के पिता ने आरोप लगाया था कि महिला अपनी नाबालिग बेटी को भगा ले जाने का झूठा आरोप लगाकर तीन लाख रुपये मांगे थे। पुवायां थाना के बितौनी गांव के दीपक उर्फ टाइमपास को महिला की शिकायत पर जेल भेजा गया था। 16 अक्टूबर को दीपक ने कचहरी के अंदर बंदी शौचालय में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उसको तारीख के लिए कचहरी लाया गया था। बंदी दीपक जेल के अन्दर से गमछा लेकर आया था। मृतक के पिता बेचे ने आरोप लगाया था कि मोरकली और उसके परिवार ने झूठा मुकदमा दर्ज कराया, साथ ही तीन लाख रुपये मांगे। रुपये न देने पर जेल में जीवन बिताने की धमकी दी गई थी। पुलिस ने जांच के बाद मोरकली, उसके बेटे करन और एक नाबालिग बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अन्य आरोपियों पर भी सबूतों के आधार पर कार्रवाई होगी।

निगोही रोड पर गेट निर्माण को लेकर हिंदू युवा संगठन ने सौंपा ज्ञापन

पुवायां शाहजहांपुर। नगर के निगोही रोड पर कथित तौर पर अवैध तरीके से गेट बनाए जाने के मामले को लेकर हिंदू युवा संगठन उत्तर प्रदेश (अ) ने आपत्ति जताई है। संगठन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले में कार्रवाई की मांग की। साथ ही 48 घंटे के अंदर कार्रवाई न होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी।

संगठन के पदाधिकारियों ने ज्ञापन के माध्यम से संबंधित स्थल पर बनाए जा रहे गेट के निर्माण पर आपत्ति दर्ज कराते हुए प्रशासन से मामले की जांच कराने और नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की। संगठन ने कहा कि प्रशासन को मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द आवश्यक कदम उठाने चाहिए। संगठन के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि 48 घंटे के भीतर कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस दौरान संगठन के प्रदेश संरक्षक राजेश अवस्थी एडवोकेट, प्रदेश अध्यक्ष अवनीश मिश्रा, प्रदेश संगठन मंत्री कमल दीक्षित, प्रदेश कोषाध्यक्ष साहिल गर्ग, प्रदेश मंत्री शोभित तिवारी, नगर अध्यक्ष भरत राठौर, ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ पटेल, कमल कश्यप, मोहित राणा, संत राम सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। खुटार से पुवायां तक भगवामय हुआ माहौल हिंदू युवा संगठन की विशाल भगवा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब स्थापना दिवस पर प्राचीन बालाजी धाम से निकली यात्रा, जगह-जगह हुआ स्वागत, संतोषी माता मंदिर पर भंडारे के साथ हुआ समापन।

पुवायां के किशोर की पंजाब के कपूरथला में हत्या, चाचा

पुवायां शाहजहांपुर। पंजाब के कपूरथलामें शनिवार दोपहर इंटरलॉकिंग प्लांट पर हुए हमले में शाहजहांपुर के किशोर की हत्या कर दी। प्लांट मालिक का कुछ लोगों से विवाद हुआ तो किशोर और उसके चाचा बीच बचाव करने पहुंच गए। आरोप है कि इसी दौरान हमलावरों ने दोनों पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में घायल किशोर को जालंधर के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं चाचा की हालत नाजुक होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है।

पुवायां क्षेत्र के इमलिया गांव निवासी रजनीश अपने पिता राजकुमार, चचेरे भाई विकास, चाचा ओमपाल, दुर्वेश और विकास की पत्नी अंशिका के साथ 2 सितंबर को पंजाब के कपूरथला जिले के बजाजा गांव स्थित इंटरलॉकिंग प्लांट पर काम करने गए थे।

परिजनों के मुताबिक, शनिवार दोपहर करीब दो बजे प्लांट मालिक का कुछ लोगों से विवाद हो गया।

मालिक को बचाने के लिए रजनीश और ओमपाल आगे आए। इसी दौरान आरोपियों ने तलवार और चाकू जैसे धारदार हथियारों से दोनों पर हमला कर दिया। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल चाचा भतीजे को इलाज के लिए जालंधर के अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने 17 वर्षीय रजनीश को मृत घोषित कर दिया। ओमपाल की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। परिजनों के मुताबिक, हमले के वक्त रजनीश के पिता राजकुमार भी मौके पर मौजूद थे।

ओमपाल की पत्नी रेखा ने बताया कि उनके पति ने दो दिन पहले फोन कर परिवार का हालचाल लिया था। उन्होंने कहा था कि सभी लोग दीपावली से दो-तीन दिन पहले घर लौटेंगे। परिवार को उम्मीद नहीं थी कि इसके पहले ही भतीजे की मौत और पति के गंभीर रूप से घायल होने की खबर मिल जाएगी। रजनीश तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। उसकी मौत के बाद मां सूरत देवी, भाई अवनीश और बहन निशा का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, ओमपाल के परिवार में विवाहित बेटी रोली, अविवाहित बेटी शिल्पी और बेटे विकास व अनुज हैं।

ऑनलाइन फ्रॉड कर मोबाइल हैक करके डेढ़ लाख से अधिक रकम अज्ञात ठग ने उड़ाई

पुवाया शाहजहांपुर। ऑनलाइन ठगी के शिकार हुए अमन गुप्ता के द्वारा थाना कोतवाली में शिकायत कल रिपोर्ट दर्ज कराई गई है कि उनका मोबाइल अचानक से हैंग हो गया था तभी लगभग दोपहर 2 बजे उनके फोन पर ऑनलाइन ठगी धोखा धड़ी करके किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा अज्ञात नंबर से ऑनलाइन डेढ़ लाख रुपया से अधिक की धनराशि निकाल ली गई है कोतवाली में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में अमन गुप्ता निवासी मोहल्ला तिराहा बाजार ने कहा है कि प्रभारी निरीक्षक पुवायां, साइबर क्राइम थाना साइबर सेल, आज उनका अचानक से मोबाइल हैक करके किसी ने गूगल पे के माध्यम से दो बैंक खातों से कुल ?1,55,988- की धोखाधड़ी से निकासी किए जाने के संबंध में शिकायत पत्र देते हुए कहा है कि कि अमन गुप्ता पुत्र श्री अनिल कुमार, निवासी मोहल्ला तिराहा बाजार, पुवायाँ, उत्तर प्रदेश का निवासी है। मेरे मोबाइल नंबर 9621825423卐 से संबंधित मोबाइल गूगल पे को अज्ञात व्यक्ति द्वारा हैक करके उसके दो बैंक खातों से बिना उसकी अनुमति के धोखाधड़ीपूर्वक कुल चार ट्रंजैक्शन के माध्यम से ?1.55.988- (एक लाख पचपन हजार नौ सौ अट्ठासी रुपये) निकाल लिए गए हैं। उक्त अनधिकृत लेनदेन का विवरण निम्नवत है। अमन गुप्ता ने उक्त ट्रंजैक्शन स्वयं नहीं किए हैं और न ही इन लेनदेन की अनुमति दी है। अमन गुप्ता के साथ साइबर धोखाधड़ी करके उसकी मेहनत की कमाई हड़प ली गई है। इस घटना के कारण उसको भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। आधार उसकी शिकायत दर्ज कर मामले की निष्पक्ष जाँच कराई जाए, संबंधित बैंक खातों एवं गूगल पे के ट्रंजैक्शन की जाँच करके धनराशि को तत्काल होल्ड फ्रीज कराने तथा नियमानुसार वापस दिलाने की कार्यवाही की जाए। साथ ही. अज्ञात साइबर अपराधियों की पहचान करके उनके विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई करने की कृपा करें। कोतवाल राजेंद्र कुमार रावत ने बताया कि उन्होंने थाना के साइबर सेल में रिपोर्ट दर्ज करवा दी है और पुलिसिया जांच शुरू कर दी गई है

बड़े आन्दोलनकी आहट

जन-सरोकारसे जुड़े मुद्दोंको लेकर फ्रांसमें विगत शनिवारको देशव्यापी स्तरपर हुई हिंसा, विरोध और प्रदर्शनोंसे भारी तबाहीने बड़ा सन्देश दिया है। लगभग दस लाख लोगोंका सड़कोंपर उतरना और कई स्थानोंपर शान्तिपूर्ण प्रदर्शन, हिंसा, आगजनी, तोड़फोड़ और लूटपाटकी घटनाएं सरकारके लिए चिन्ता बढ़ाने वाली है। फ्रांसके ऐतिहासिक लिमोज शहरके सिटी हालमें आगजनी और दुकानों तथा सार्वजनिक सम्पत्तियोंकी क्षतिसे एक गम्भीर प्रश्न यह भी सामने आया है कि क्या फ्रांस एक और 'येलो वेस्ट' जैसी लम्बी सामाजिक उथल-पुथलकी ओर बढ़ रहा है? फ्रांसमें आन्दोलनकी शुरुआत स्कूलोंकी खराब स्थिति, शिक्षकोंकी कमी और शिक्षा व्यवस्थासे असन्तोषसे हुई। बादमें महंगी, ईंधनकी बढ़ती कीमत, वेतन, पेंशन और सरकारी खर्चमें कटौती जैसे मुद्दे भी इसमें शामिल हो गये। ट्रेड यूनियनों, छात्रों और अन्य सामाजिक समूहोंके शामिल होनेसे आन्दोलन व्यापक हो गया। इस आन्दोलनको केवल फ्रांसका आन्दोलन मानना उचित नहीं होगा। फ्रांससे लेकर बेल्जियम, इटली, पुर्तगाल, स्पेन, ग्रीस, अमेरिका, बोलीविया, अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, अल्बीनिया जैसे देशोंमें अलग-अलग कारणोंसे हो रहे प्रदर्शनोंमें एक साझा आर्थिक-सामाजिक असन्तोष दिखाई दे रहा है। एक बड़ा सवाल यह भी उठता है यूरोपमें बढ़ता जनाक्रोश बड़े सामाजिक आन्दोलनकी आहट तो नहीं है? इन सभी देशोंमें विरोध प्रदर्शनके कारण भले ही अलग-अलग हों। लेकिन बेचैनी एक जैसी है। बेल्जियममें आर्थिक दबाव और सार्वजनिक सेवाओंको लेकर असन्तोष है। इटलीमें जीवनयापनकी बढ़ती लागत और शिक्षा सम्बन्धी मुद्दे हैं। पुर्तगालमें आवास और बढ़ते किरायेकी समस्या है। स्पेनमें मकानोंका महंगा होना और किरायेके संकटका बढ़ना। अल्बानियामें भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, शिक्षाकी खराब स्थिति और सरकारके खिलाफ असन्तोषका मामला है। अमेरिकामें राष्ट्रपति ट्रम्पके विरोधमें प्रदर्शन हो रहे हैं। अर्जेंटीनामें कठोर आर्थिक नीतियां और आस्ट्रेलियामें महंगीको लेकर जनाक्रोश है। इन सभी देशोंमें मुद्दे अलग हैं, लेकिन शिकायतका मूल स्वर समान है। सरकारें आम नागरिकोंकी आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयोंको पर्याप्त महत्व नहीं दे रही है। इन आन्दोलनोंका एक महत्वपूर्ण पहलू युवाओंकी सक्रिय भागीदारी है। युवा वर्गको रोजगार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, महंगे आवास और भविष्यकी आर्थिक सुरक्षाको लेकर चिन्ता है। लेकिन इससे बड़ी चिन्ता आन्दोलनका हिंसक होना है। ऐसे आन्दोलन भारतके लिए क्या संकेत देते हैं, इसपर भी ध्यान देना होगा। यूरोप भारतका सबसे बड़ा व्यापारिक और निवेश साझेदार है। यदि आन्दोलन लम्बे समयतक चला तो इससे भारत भी प्रभावित हो सकता है। यूरोपमें राजनीतिक अस्थिरताका प्रभाव वैश्विक बाजार, तेलकी कीमतोंपर भी पड़ सकता है। भारतको सजग रहनेकी जरूरत है।

खाद्य पदार्थोंकी निगरानी

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य पदार्थोंकी निगरानीके लिए जो सख्त और नये नियम जारी किये हैं, वह लोगोंकी सेहतकी सुरक्षाकी दिशामें सार्थक और बड़ा कदम है। इसके लिए जहां सभी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशोंके सम्बन्धित अधिकारियोंको जांच और विशेष सतर्कता बरतनेका निर्देश दिया गया है, वहीं कारोबारियोंको सचेत किया गया है कि पूरी आपूर्ति चेनमें निर्धारित तापमान और सुरक्षाके पालनमें पूरी सतर्कता बरतें। सुरक्षा मानकोंका उल्लंघन अक्षम्य अपराध माना जायगा और कड़ी कारवाई की जायगी। त्योहारी सीजनमें खाद्य पदार्थोंकी बढ़ती मांगके बीच मिलावटी, नकली और कई दिन पूर्व तैयार किये गये खाद्य पदार्थोंके भण्डारणसे इनकार नहीं किया जा सकता है। कारोबारियोंका इन खाद्य पदार्थोंको भण्डारण और ढुलाईसे लेकर ग्राहकोंतक पहुंचानेकी पूरी प्रक्रियामें निर्धारित तापमान बनाये रखनेका निर्देश महत्वपूर्ण है। खोवा, पनीर, मांस, मछली और इसी तरहके अन्य जल्द खराब होने वाले कई खाद्य पदार्थोंको उचित तापमानपर नहीं रखा जाता जिससे इनके खराब होनेका खतरा बढ़ जाता है। यह सार्वजनिक रूपसे स्वास्थ्यके लिए हानिकारक है। इसी तरह खाने-पीनेके चीजों गैर-खाद्य रंगोंके इस्तेमालपर पूर्ण प्रतिबन्ध भी महत्वपूर्ण है। कच्चे दूध, सादे दही, ताजे फलों, कच्ची सब्जियों और शिशु आहारमें रंग मिलाना पूरी तरह प्रतिबन्धित कर दिया गया है। एफएसएसएआईका बाजारोंमें बिकने वाले मिलावटी, नकली और जन-स्वास्थ्यके लिए हानिकारक, बीमारियोंको दावत देने वाले खाद्य पदार्थोंके बिक्रीपर प्रतिबन्ध लोगोंके स्वास्थ्यकी सुरक्षा सुनिश्चित करनेकी दिशामें उपयोगी पहल है लेकिन इसका अनुपालन सुनिश्चित किया जाना, इससे भी ज्यादा जरूरी है। इसके पहले भी केन्द्र सरकारने स्वास्थ्यको प्रभावित करने वाले खाद्य पदार्थोंपर अंकुश लगानेके लिए नियमोंमें बदलाव और कड़े निर्देश जारी किये हैं फिर भी स्थिति यथावत है। इसके लिए प्रशासनिक तंत्र जिम्मेदार है। इनकी नकेल कसना जरूरी है, ताकि इन्हें अपना कर्तव्यबोध हो सके, तभी मिलावटी एवं नकली खाद्य पदार्थोंकी बिक्री रोकी जा सकती है।

लोक संवाद

परम्पराकी तिलांजलि

महोदय,-पहले किसी किसी भी आयोजन-प्रयोजनमें भारतीय संस्कृतिमें मिट्टीके दीये जलानेकी परम्परा रही है। परन्तु अब तो दीपावलीमें भी लोग इस परम्पराका निर्वहन नहीं करते हैं। मिट्टीके दीयोंकी सौंधी महक, घरमें बनते पकवानोंकी मिठास, आंगनके मांडणों, रिश्तोंके अपनत्व और लोक-परम्पराओंकी जीवंतताका पर्व हुआ करती थी। आज बिजलीकी रंग-बिरंगी लडियां हैं, महंगे उपहार हैं, मिठाइयोंके आकर्षक डिब्बे हैं, पटाखोंका शोर है और इंटरनेटपर शुभकामनाओंकी भरमार है। सब कुछ है, लेकिन क्या वह पहले जैसा उल्लास, वह आत्मीयता और वह सुकून भी है। आधुनिकताकी चकाचौंधमें कहीं हम दिवालीकी आत्मा तो नहीं खोते जा रहे हैं। दिवाली केवल अमावस्याकी रातको रौशन करनेका पर्व नहीं है। यह अंधकारपर प्रकाश, निराशापर आशा और दूरीपर अपनत्वकी विजयका प्रतीक है। यह वह अवसर है जब घरोंके साथ रिश्तोंकी भी सफाई होती थी, मनके मैल दूर किये जाते थे और रूठोंको मनाया जाता था। **-सुनील प्रजापति, वाया ईमेल।**

शौर्य और नवसंकल्पका महापर्व

भारतीय संस्कृतिकी सबसे बड़ी विशेषता है कि उसने जीवनके उत्सवोंको आनन्द और उल्लासके साथ आत्मचिंतन, साधना और जीवन-परिवर्तनका माध्यम बनाया है। प्रत्येक पर्व शाश्वत संदेश समेटे हुए है। विजयादशमी ऐसा ही प्रेरणाप्रद पर्व है, जो आध्यात्मिक परम्पराओं और जीवन-दर्शनसे जुड़कर सत्य और विजयकी राह दिखाता है।

❐ ललित

दशहरा पर्व हमें स्मरण कराता है कि जीवनकी वास्तविक विजय दूसरोंको पराजित करनेमें नहीं, बल्कि अपने भीतर विद्यमान दुर्बलताओं, विकारों और नकारात्मक प्रवृत्तियोंपर विजय प्राप्त करनेमें है। असत्यपर सत्य, अंधकारपर प्रकाश, निराशापर आशा और अधर्मपर धर्मकी विजयका यह उत्सव भारतीय जनमानसमें सदियोंसे नयी ऊर्जा, नया विश्वास और नया संकल्प भरता आया है। दशहरेकी सांस्कृतिक चेतनाका सबसे प्रभावशाली आधार भगवान श्रीरामकी रावणपर विजय है। रामायणका यह प्रसंग केवल एक ऐतिहासिक अथवा पौराणिक युद्धकी परिणति नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और अहंकारके बीच संघर्षका शाश्वत आख्यान है। श्रीराम मर्यादा, करुणा, सत्य, कर्तव्य और धर्मनिष्ठाके प्रतीक हैं, जबकि रावण ज्ञान, सामर्थ्य और वैभवसे संपन्न होनेके बावजूद अहंकार, अनियंत्रित इच्छाओं और अनैतिक आचरणका प्रतीक बन जाता है। रावणका व्यक्तित्व इस सत्यको उजागर करता है कि ज्ञान यदि विवेकसे, शक्ति यदि मर्यादासे और समृद्धि यदि नैतिकतासे विमुख हो जाय तो वे मनुष्यके पतनका कारण बन जाती हैं। श्रीरामकी विजय इसलिए महत्वपूर्ण है कि उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियोंमें भी अपने आदर्शोंका परित्याग नहीं किया। दशहरा हमें सिखाता है कि परिस्थितियां कितनी ही कठिन क्यों न हों, सत्य और धर्मके मार्गपर चलने वाला व्यक्ति अंततः समाजकी आस्था और इतिहासकी प्रेरणा बनता है। भारतीय संस्कृतिमें दशहरेका संबंध केवल रामकी विजयसे नहीं, बल्कि मां दुर्गाकी महिषासुरपर विजयसे भी जुड़ा है। नवरात्रके नौ दिनोंमें शक्तिकी आराधना और दसवें दिन विजयादशमीका उत्सव इस बातका प्रतीक है कि साधनाके बाद सिद्धि, संघर्षके बाद सफलता और आत्मबलके जागरणके बाद विजयका मार्ग प्रशस्त होता है। मां दुर्गाकी उपासना हमें यह संदेश देती है कि जीवनकी चुनौतियोंका सामना करनेके लिए शक्ति और संवेदना, साहस और विवेक तथा पराक्रम और करुणाका समन्वय आवश्यक है। भारतीय आध्यात्मिक परम्परामें शक्तिका अर्थ केवल बाहुबल अथवा प्रभुत्व नहीं है, बल्कि आत्मबल, इच्छाशक्ति, धैर्य, आत्मसंयम और अन्यायके विरुद्ध खड़े होनेकी नैतिक क्षमता भी है। इसीलिए दशहरा शक्तिकी साधनाके साथ-साथ उस शक्तिके सदुपयोगका भी पर्व है।दशहरा पर्वका आध्यात्मिक पक्ष अत्यंत गहरा है। बाहरी रावणका दहन तभी सार्थक है, जब मनुष्य अपने भीतर बैठे रावणको पहचानने और परास्त करनेका साहस जुटाये। काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी जैसी प्रवृत्तियां मनुष्यके व्यक्तित्वको भीतरसे दुर्बल बनाती हैं। रावणके दस सिरोंको इन दस विकारोंके प्रतीकके रूपमें भी देखा जा सकता है। प्रतिवर्ष रावणके पुतले जलते हैं, आतिशबाजी होती है और उत्सव संपन्न हो जाता है, लेकिन यदि हमारे भीतर ईर्ष्या, छल, स्वार्थ, द्वेष और अहंकार जीवित रहें तो विजयादशमीका मूल उद्देश्य अधूरा रह जाता है। सच्चा दशहरा वह है, जब हम किसीके प्रति अपने मनमें पल रहे द्वेषको समाप्त करें, अपने व्यवहारसे छलको निकालें, अपने अधिकारोंके साथ कर्तव्योंको स्वीकारें और अपनी सफलतामें दूसरोंके योगदानको भी सम्मान दें। आत्मविजय ही सभी विजयोंका आधार है।भारतीय संस्कृति उत्सवको साधना और साधनाको जीवनकी श्रेष्ठतासे जोड़ती है। विजयादशमी इसी परम्पराका जीवंत उदाहरण है। इस दिन शस्त्रपूजाकी जाती है, नये कार्योंका शुभारम्भ होता है और विजयकी कामनाके साथ जीवनमें आगे बढ़नेका संकल्प लिया जाता है। शस्त्रपूजाका वास्तविक अर्थ केवल अस्त्रोंकी आराधना नहीं, बल्कि शक्तिके प्रति श्रद्धा और उसके उत्तरदायी उपयोगका संकल्प है। आजके सन्दर्भमें हमारे शस्त्र ज्ञान, विवेक, शिक्षा, विज्ञान, श्रम, नैतिकता और सत्यनिष्ठा भी हैं। यदि इन शक्तियोंका उपयोग मानवताके कल्याणके लिए किया जाय तो वे राष्ट्रनिर्माणके प्रभावशाली साधन बन सकते हैं। दशहरा हमें गम्भीर चुनौती बन रहा है, तब दशहरा हमें प्रकृतिके प्रति अपनी जिम्मेदारियोंको पुनः समझनेका अवसर देता है।विजयादशमी भारतीय संस्कृतिकी समन्वयकारी चेतनाका भी उत्सव है। देशके अलग-अलग क्षेत्रोंमें इसे विविध रूपोंमें मनाया जाता है। कहीं रामलीला और रावण-दहन होता है, कहीं दुर्गापूजाके बाद मांकी विदाई, कहीं शस्त्रपूजा तो कहीं लोक-परम्पराओंके माध्यमसे विजयका उल्लास व्यक्त किया जाता है। इन विविधताओंके पीछे एक साझा सांस्कृतिक सूत्र है-सत्यके प्रति आस्था, धर्मके प्रति निष्ठा, शक्तिके प्रति सम्मान और जीवनमें मंगलकी कामना। आज दशहरेके सन्देशको अपने सामाजिक और राष्ट्रीय जीवनमें उतारना पहलेसे अधिक आवश्यक है। भ्रष्टाचार, हिंसा, सामाजिक विद्वेष, अनैतिक प्रतिस्पर्धा, छलपूर्ण व्यवहार और स्वार्थपरक राजनीति जैसी प्रवृत्तियां समाजकी नैतिक शक्तिको कमजोर करती हैं। इन बुराइयोंका अंत केवल भाषणों, नारों अथवा प्रतीकात्मक आयोजनोंसे नहीं हो सकता। इसके लिए व्यक्तिगत चरित्र, सामाजिक उत्तरदायित्व और संस्थागत ईमानदारीको मजबूत करना होगा। यदि हम अपने कार्यक्षेत्रमें प्रामाणिकता अपनायें, सार्वजनिकजीवनमें कर्तव्यनिष्ठा रखें, शिक्षा और चिकित्साकोमानवीय संवेदनासे जोड़ें तथा समाजमें प्रेम और सद्भावको बढ़ावा दें तो यही दशहरेकी वास्तविक साधना होगी। राष्ट्रकी शक्ति केवल उसकी आर्थिक समृद्धि, सैन्य क्षमता अथवा तकनीकी उपलब्धियोंमें नहीं, बल्कि उसके नागरिकोंके चरित्र, नैतिकता, अनुशासन और परस्पर विश्वासमें भी निहित होती है।दशहरा अंततः बाहरी विजयसे अधिक आंतरिक जागरणका पर्व है। यह हमें अपने भीतर प्रकाशका दीप जलाने, निराशाओंके बीच आशा खोजने, कठिनाइयोंमें साहस बनाये रखने और जीवनको नवसृजनकी दिशा देनेका सन्देश देता है। आइये इस विजयादशमीपर हम केवल रावणका पुतला जलानेतक सीमित न रहें, बल्कि अपने भीतरके अहंकार, स्वार्थ, असत्य और दुर्बलताओंको समाप्त करनेका संकल्प लें। सत्यको अपना आधार, विवेकको अपना मार्गदर्शक, करुणाको अपना स्वभाव और कर्मको अपनी साधना बनायें। यही भारतीय संस्कृतिकी आध्यात्मिक विरासतका सम्मान है, यही उत्सवकी सार्थकता है और यही वह विजय है, जो व्यक्तिके जीवनको प्रकाशित करते हुए परिवारए समाज और राष्ट्रमें नयी चेतनाका संचार कर सकती है। क्योंकि सच्चा दशहरा तभी है, जब रावणका दहन मैदानमें ही नहीं, मनमें भी हो। विजयका उत्सव केवल आतिशबाजीमें नहीं, आचरण में दिखाई देय और प्रकाश केवल दीपोंमें नहीं, हमारे विचारों, संस्कारों तथा कर्मोंमें भी प्रकट हो।

दशहरा हमें भीतरके प्रकाशका दीप जलाने, निराशाओंके बीच आशा, कठिनाइयोंमें साहस बनाये रखने और जीवनको नवसृजनकी दिशा देनेका सन्देश देता है। इस विजयादशमीपर हम अपने भीतरके अहंकार, स्वार्थ और दुर्बलताओंको समाप्त कर सत्यको आधार, करुणाको स्वभाव और कर्मको अपनी साधना बनायें। यही भारतीय संस्कृतिकी आध्यात्मिक विरासतका सम्मान है। यही उत्सवकी सार्थकता और विजय है, जो व्यक्तिके जीवनको प्रकाशित करते हुए परिवार, समाज और राष्ट्रमें नयी चेतनाका संचार कर सकती है। क्योंकि सच्चा दशहरा तभी है, जब रावणका दहन मैदानमें ही नहीं, मनमें भी हो।

अकर्मण्यतासे कर्मशीलता, निराशासे आशा और निष्क्रियतासे सृजनशीलताकी ओर बढ़नेकी प्रेरणा देता है। यह दिन अपने अधूरे संकल्पोंको पूरा करने, नयी संभावनाओंके द्वार खोलने और जीवनको श्रेष्ठ दिशा देनेका अवसर है।दशहरेका एक महत्वपूर्ण पक्ष प्रकृति, कृषि और लोकजीवनसे उसका संबंध भी है। भारतीय समाजमें यह पर्व फसल, समृद्धि, ऋतु-परिवर्तन और सामुदायिक उल्लासकी परम्पराओंसे जुड़ा रहा है। शमी वृक्षकी पूजा, उसके पत्तोंका आदान-प्रदान और नये कार्योंका शुभारंभ प्रकृतिके प्रति श्रद्धा तथा मंगलकामनाकी भावनाको व्यक्त करते हैं। कृषि प्रधान भारतमें फसलकी समृद्धि केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि धरती, किसान और प्रकृतिके परस्पर सहयोगका उत्सव भी है। यह परम्परा हमें याद दिलाती है कि मनुष्यकी प्रगति प्रकृतिसे अलग होकर संभव नहीं है। जिस संस्कृतिने वृक्षों, नदियों, पर्वतों और धरतीमें पवित्रताका अनुभव किया, उसकी उत्सवधर्मितामें पर्यावरण संरक्षण और सह-अस्तित्वकी प्रेरणा भी अंतर्निहित है। आज जब पर्यावरणीय संकट मानवताके सामने

दशहरेके असली अर्थको समझें

दशहरा नवरात उत्सवके बाद मनाया जाने वाला सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक त्योहार है। असत्यपर सत्यकी विजय और राक्षस प्रवृत्ति और संस्कृतिपर दैवीय प्रवृत्ति एवं संस्कृतिकी विजय जैसे तमाम संदर्भ इससे जुड़ते हैं।

❐ अखिलेश आर्येन्दु

दशहरा यानी विजयादशमी मानवका चरित्र उच्चता हासिल कराता है और नीचता भी। यह चरित्र ही है जिससे कुल, गोत्रादिको उच्च या निम्न बनाता है। चरित्रकी वजहसे ही रावण और उसका खानदान लाखों सालोंसे तिस्कार ही नहीं, बल्कि पुतला जलाकर उसके अत्यंत दागदार चरित्रको दुत्कारा जाता है। इन्द्रियोंका संयम कितना महत्वपूर्ण है इसका वर्णन रामायण और रामचरित मानस दोनों पुस्तकोंमें देखा जा सकता है। राम-लक्ष्मणके अलावा हनुमान, अंगद और सुग्रीव इसके उदाहरण हैं। वेदमें आया है- अकृण्वत श्रवस्यानि दुष्टरा, यानी वे संसारमें ऐसे अद्भुत और महान् कार्य करते हैं जो सुननेमें अद्भुत मालूम पड़ते हैं। यह है उच्च चरित्रके वैभवका आदर्श है। दशहरा हमारे जिन्दगीका वह सबसे बेहतर एवं पुनीत अवसर प्रदान करता है जब हम अपनी अच्छी-खराब वृत्तियोंकी विवेचना ही नहीं करते, बल्कि सफलता और असफलतामें मानवीय सद्गुणोंका क्या महत्व है उनकी विवेचनाका भी अवसर होता। महज रावण कुलके वीरोंका पुतला जलाकर दशहरा मनानेका कोई मायने नहीं, बल्कि अपने परिवार, समाज और संस्कृतिके साथ-साथ स्वराष्ट्रके बारेमें चिन्तन एवं विमर्श भी हमें लगातार करनेका संकल्प लेना चाहिए। अपने जीवन, परिवार, समाज एवं राष्ट्रकी हालातको समझनेके लिए राजारामके चरित्र और रावणके चरित्रको देखना और यह समझना कि बड़ा-सा बड़ा साम्राज्यका प्रमुख यदि चरित्रवान नहीं है तो उसकी गति वैसी ही होती है जैसी दिग्विजयी रावण की। रावणकी लंकाको हनुमानने जला डाली, यह बहुत हैरतकी बात थी। योगदर्शनके मुताबिक सिद्धियां हासिल किया हुआ व्यक्ति वे सभी तरहके करिश्मे कर सकता है जो आम तौरपर असंभव लगता है। हनुमान सिद्ध थे उन्होंने अपनी सिद्धियोंके बलपर सोनेकी लंका फूंक डाली। यानी अलौकिक शक्तियोंकी महाशक्तिके आगे असंभव कुछ नहीं होता।दशहराको हम त्यौहार या उत्सव कस रूपमें मनाते हैं। इसके पीछे छिपे हुए भाव, धर्म, व्यवहारए प्रेरणा और मूल्योंको समझना आवश्यक है। विश्व मानवताका कल्याण जिन मानवीय सद्गुणोंसे हो सकता है उसके निर्माता और संस्थापक श्रीराम हैं। श्रीरामका नाम आते ही मानवता, धर्म, संस्कृति, सभ्यता, शिक्षा, सदव्यवहार और आचार-विचारकी उत्तमता स्वमेव प्रकत हो जाती है। एक उच्च चरित्रका मानव कैसा होना चाहिए रामके जीवनमें देखा जा सकता है। आज जब देश-दुनियामें अन्याय, अनर्थ, हिंसा, शोषण, विश्वासघात और क्रूरताएं इंसानियतको लहू-लुहान कर रहीं हैं, भगवान रामका जीवन आदर्श इन्हें रोकनेका कार्य कर सकतीं हें। भगवान रामका जीवन विश्वमें अनुपम, अद्भुत और मूल्यपरक है जिसकी कीर्ति आज भी विश्वमें कायम है। विश्व जानता है भगवान रामका चरित्र उच्च, आदर्श और प्रेरणा देने वाला है। जिसका गुणगान भारतमें ही नहीं, बल्कि भारतसे बाहर भी लेखकों, कवियों और इतिहासकारोंने अनेक लेख, कविताएं एवं किताबें लिखीं। इनमें कामिल बुल्के, वारान्निकोव और हेनरी केलाग सहित सैकड़ों विदेशी विद्वान शामिल हैं, जिन्होंने राम कथाके प्रसंगमें राम-रावण-युद्धकी विवेचनाएं अत्यंत सुन्दर, गौरव-युक्त और वैदिक एवं राक्षस संस्कृतिपर व्यापक स्तरपर लिखा।भारतीय संस्कृति सदासे मानव मूल्योंपर आधारित रही है। इनसे ही विश्वमें सनातनसे हमारी संस्कृतिका डंका बजता रहा है। इन मूल्योंके जो सबसे अधिक स्वीकार्यकर्ता हुए उन्हें भगवान या ईश्वरके रूपमें सम्मान दिया गया। इन्हीं मूल्योंके प्रतिप्रादक थे भगवान श्रीरामचन्द्र। रामका सारा जीवन संघर्षका पर्याय रहा, लेकिन कभी संघर्षोंकी वजहसे उन्होंने मानव मूल्यों यानी सद्गुणोंको नहीं छोड़ा। वहींपर रावणने सभी तरहके सद्गुणोंको छोड़ दिया और अमानवीय गुणोंको ही जिन्दगीका आधार बना लिया, जिससे वेदोंका ज्ञाता होते हुए भी सबके तिरस्कारकी वजह बना। राम-रावण युद्धकी वजह भी यही रहा। वैदिक संस्कृतिमें पग-पगपर मूल्योंकी वीथियाएं बनायी गयी हैं। वे वीथियाएं राम जैसे भगवत्ता प्राप्त यानी बारह कलाओंसे युक्त भगवान राम जैसे युग-पुरुषोंने बनायी थी। इसलिए राम आज भी जहां-जहां भी भारतीय संस्कृतिका वैभव यानी धन है वहां-वहां वे विराजमान हैं। क्योंकि संसारमें भले ही आज हिंसा चारों तरफ अपना दबदबा कायमकी हो, लेकिन अहिंसा, धर्म, प्रेम, धैर्य और न्याय हर किसीको चाहिए। राम मानव सभ्यता संस्कृतिके प्रेरक, आदर्श और नायक हैं। क्योंकि वे सबके लिए शुभ और शांतिके प्रेरक हैं। शुभ और अशुभ नामोंका स्मरण संत तुलसीदासकी दृष्टिमें जानना आवश्यक है। यह नाम और कर्मकी कैसी विलक्षणता है कि राम नामका ध्यानमें लाना शुभ और रावण नामका स्मरण अशुभ माना गया है। इसका मनोवैज्ञानिक कारण है। हम राम नामका स्मरण करते ही यह धारणा बना लेते हैं कि राम नामके केवल जपसे कल्याण हो जाता है। राम हमारी चेतनके अंग हैं। सत्य जहां भी होता है वहां आदर्श और नीति दोनों भी रहते हैं। और ये सब सद्गुणोंसे ही हासिल हो सकते हैं और मानव संस्कृति महानायक राममें ये सभी सद्गुण मौजूद हैं। विदेशी विद्वान् भी कहते हैं- राम हमारे लिए इसलिए भी पूज्य हैं, क्योंकि वे सभी तरहके सद्गुणोंसे युक्त हैं। तुलसी दास भी। कहते हैं- धीर बीर रघुबीर प्रिय सुमिरि समीर कुमारु। अगम सुगम सब काज करु करतल सिद्धि विचारु॥ राम धीर, वीर, गम्भीर प्रकृति वाले हैं। रामसे अतिशय प्रेम करने सच्चा रामानुरागी कभी युग-धर्मसे प्रभावित नहीं होता है। क्योंकि रामका जीवन चरित्र युग-धर्मकी द्वंद्वात्मक विश्रृखलाओंसे पूरी तरह रहित है। संत तुलसी दासने लिखा है- काल धर्म नाहिं व्यापहिं ताही, रघुपति चरन प्रीति अति जाही। मानसमें युगानुरूप धर्मके चार चरणोंका वर्णन किया गया है। वे हैं, सत्य, दया, तप और दान। इन चार चरणोंकी व्याख्या मानस मर्मज्ञ अपनी सुविधानुसार करते हैं। लेकिन मेरा चिन्तन कहता है कि ये मानवको सम्पूर्णता दिलाने वाले मूल्य हैं जिसकी जरूरत हर युगमें जन-जनको होती है। रामराजमें ये चारों चरण मौजूद थे। इसलिए रामराजको स्वर्गका राज कहा जाता है जहां निवास करनेके लिए देवता भी आतुर रहते हैं। वहींपर लंका सोनेकी होकर भी बनी न रह सकी। कारण धर्मके चारों चरणोंमें वहां कोई चरण मौजूद नहीं था। मानसकी ये पंक्तियां, प्रकट चारि पद धर्मके कलि महुं एक प्रधान। जेन केन बिधि दीन्हे दान करइ कल्यान। वैदिक संस्कृतिमें चार पुरुषार्थ बताये गये हैं और इनमें पहला पुरुषार्थ धर्म है। राम उन असंख्य मानवोंमेंसे एक हैं, जिन्होंने धर्मका सम्यक् पालन किया। जिनका सारा जीवन ही धर्ममय है। मूल्य जिनके जीवनके आभूषण हैं। मानसकार कहते हैं-नर सहस्त्रमें सुनहु पुरारी, कोउ एक होइ धर्म व्रत धारी। मानव मनके आदर्श, मर्यादा, नियम और मूल्यसे आदर्शका निर्माण होता है और वह आदर्श रामकी जिन्दगीमें पग-पगपर देखा जा सकता है। दशहरा भारतीय समाजका ऐसा त्यौहार है जिसमें असत्यकी पराजय, दुष्ट प्रवृत्तियोंका पराभव और अहंकारका नाश होता है। मूल बात यह है कि अधर्म जहां भी दिखे उसके खात्मेके लिए बिना देर किये हर किसीको लग जाना चाहिए-रामने यही किया। राम सभी मूल्योंके उदगाता हैं इसलिए वह परमेश्वर हैं। मूल्योंसे रहित कोई भी व्यवहार, सम्बन्ध, भाव और मर्यादा निर्मित नहीं हो सकते हैं। दशहराके अवसरपर हम रावण परिवारके पुतलोंका ही दहन न करें, बल्कि रावणी प्रवृत्तियोंके खात्मेका संकल्प लें। तभी दशहरा मनानेका मकसद पूरा हो सकता है।

आत्मबोध

कुल्लू दशहरा

❐ भवान सिंह

हिमाचल प्रदेशकी सुरम्य वादियोंमें बसा कुल्लू केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरताके लिए ही नहीं, बल्कि अपनी अनूठी सांस्कृतिक धरोहरके लिए भी दुनियाभरमें प्रसिद्ध है। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहराकी विश्वमें पहचान है। जब बाकी जगहोंपर दशहरा खत्म होता है तो कुल्लूमें रघुनाथ जीकी रथयात्राके साथ कुल्लूका दशहरा शुरू होता है। इसमें कुल्लू घाटीके दूरदराज क्षेत्रोंसे आये देवी-देवता रघुनाथ जीकी रथयात्रामें शामिल होते हैं। पूरी वादीमें ढोल-नगाड़े और श्रीराम जीकी जय जयकारके उद्घोष सुनाई देते हैं। बड़ा जनसैलाब रघुनाथ जीकी रथयात्रामें शामिल होता है। कुल्लू दशहरामें आने वाले सभी देवी-देवता ढालपुर मैदान और आसपासके चिह्नित स्थानोंपर अस्थायी शिविरोंमें ठहराते हैं। सात दिनतक चलने वाले इस दशहरा उत्सवके दौरान भगवान रघुनाथ भी ढालपुरमें अस्थायी शिविरमें रहकर उत्सवको सुशोभित करते हैं। दशहरा मनाते हुए हमें इस महत्वपूर्ण तथ्यका बोध अवश्य होता है। हिमाचल प्रदेशके कुल्लू जिलामें मनाया जाने वाला दशहरा उत्सव न सिर्फ देशमें, बल्कि विदेशोंमें भी ख्याति प्राप्त है। कुल्लूका दशहरा सबसे अलग और अनोखे अन्दाजमें मनाया जाता है। यहां इस त्योहारको दशमी कहते हैं। आश्विन महीनेकी दशवीं तारीखको इसकी शुरुआत होती है। जब पूरे भारतमें विजयादशमीकी समाप्ति होती है, उस दिनसे कुल्लू घाटीमें इस उत्सवका रंग और भी अधिक बढ़ने लगता है। कुल्लू दशहराके लिए ३६९ साल पहले राजा जगत सिंहने देवताओंको बुलानेके लिए न्योता देनेकी परम्परा शुरू की थी, जो आज भी चली आ रही है। बिना न्योतेके देवता अपने मूल स्थानसे कदम नहीं उठाते। न्योतेपर करीब २०० किमी. तक पैदल यात्रा कर नदियों, जंगलों, पहाड़ोंसे होते हुए अट्ठारह करडूकी सोह ढालपुर पहुंचते हैं। सात दिनोंमें एक जगहपर तीन सौसे अधिक देवी-देवताओंके दर्शनके लिए लाखोंकी संख्यामें लोग, देशी-विदेशी पर्यटक, शोधार्थी हाजिरी भरते हैं। देवी हिडिंबाके बिना रघुनाथ जीकी रथयात्रा नहीं निकाली जाती है। दशहरेके आरंभमें सर्वप्रथम राजाओंके वंशजों द्वारा देवी हिडिंबाकी पूजा-अर्चना की जाती है तथा राजमहलसे रघुनाथ जीकी सवारी रथ मैदान ढालपुरकी ओर निकल पड़ती है। राजमहलसे रथ मैदानतककी शोभा यात्राका दृश्य अनुपम एवं मनमोहक होता है। इस स्थानपर जिलेके विभिन्न भागोंसे आये देवी-देवता एकत्रित होते हैं। दशहरेके छठे दिन सभी देवी-देवता रघुनाथ जीके शिविरमें शीश नवाकर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं। देवी-देवताओंकी पालकियोंके साथ ग्रामवासी वाद्य यंत्र बजाते हुए चलते हैं। ब्यास नदीके तटपर एकत्रित घास एवं लकड़ियोंको आग लगानेके पश्चात पांच बलियां दी जाती हैं तथा रथको पुनः खींचकर रथ मैदानके लाया जाता है। इसीके साथ लंका दहनकी समाप्ति हो जाती है तथा रघुनाथ जीकी पालकीको वापस मंदिर लाया जाता है। देवी-देवता भी अपने-अपने गांवके लिए प्रस्थान करते हैं।

बुराइयां मिटानेसे ही सार्थक होगी विजयदशमी

❐ योगेश कुमार गोयल

धार्मिक मान्यताओंके अनुसार विजयादशमी वह दिन है, जब भगवान श्रीरामने लंकापति रावणका वध कर सत्य और धर्मकी विजय स्थापित की थी और जब आदि शक्ति दुर्गाने महिषासुर जैसे महाबलशाली असुरका संहार कर धरती और देवताओंको उसके अत्याचारोंसे मुक्त किया था। यही कारण है कि इसे बुराईपर अच्छाईकी जीतका पर्व कहा जाता है। दशहरा शब्द स्वयं अपने भीतर गहन प्रतीकवाद समेटे हुए है। 'दश' का अर्थ है दस और 'हरा' का अर्थ है हर लेना, नष्ट करना या दूर करना। इस दृष्टिसे दशहराका अर्थ हुआ, मनुष्यके भीतर मौजूद दस प्रमुख अवगुणों जैसे काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या, आलस्य, असत्य, अन्याय और हिंसाको नष्ट करनेका संकल्प लेना। विजयादशमीको इतिहासमें भी शुभारंभ और विजयके प्रतीक पर्वके रूपमें माना जाता रहा है। कई प्राचीन राजाओं और क्षत्रियोंने युद्ध या किसी विशेष अभियानपर निकलनेके लिए इसी दिनको चुना, क्योंकि यह दिन विजयके लिए प्रस्थानका प्रतीक है। भगवान श्रीराम द्वारा समुद्र तटपर शारदीय नवरात्रिकी पूजाका प्रारम्भ और उसके बाद लंकापर चढ़ाईका ऐतिहासिक प्रसंग भी इसी परम्परासे जुड़ा है। नवरात्र और विजयादशमीका गहरा संबंध है। नवरात्रके नौ दिन शक्तिकी उपासनाके लिए माने जाते हैं। देवीके नौ रूपोंकी पूजाके माध्यमसे भक्त अपने भीतर शक्ति और साहसका संचार करते हैं और दसवें दिन यानी दशमीको विजयका प्रतीक मानते हैं। नवरात्रके दौरान शक्तिकी उपासनाका एक व्यापक सामाजिक और दार्शनिक महत्व है। यह समाजमें स्त्री शक्तिके प्रति सम्मान और आदरका संदेश है। दशहरेका वास्तविक संदेश तभी साकार होगा, जब हम समाजमें प्रत्येक नारीको गरिमा, शिक्षा, स्वतंत्रता और सम्मानका अधिकार देंगे। दशहरेका सांस्कृतिक और सामाजिक स्वरूप भी अत्यन्त जीवंत है। उत्तर भारतमें इस दिन रावण, मेघनाद और कुम्भकर्णके विशाल पुतले बनाये जाते हैं और शामको उनका दहन किया जाता है। हजारों लोग एकत्रित होकर इस आयोजनको देखते हैं और आतिशबाजीके बीच रावणके पुतलेके जलनेका दृश्य सामूहिक रूपसे बुराईपर अच्छाईकी जीतका प्रतीक बन जाता है। यह दृश्य न केवल धार्मिक भावनाओंसे जुड़ा है, बल्कि सामुदायिक एकता और लोक परम्पराओंका भी अद्भुत उदाहरण है। बंगाल और पूर्वी भारतमें दुर्गा पूजाका भव्य आयोजन इसी कालमें सम्पन्न होता है। दुर्गा प्रतिमाओंकी स्थापना, पूजा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और फिर विसर्जन, ये सब इस पर्वके सामाजिक और सांस्कृतिक आयामको और समृद्ध करते हैं। यह पर्व भारतीय संस्कृतिकी विविधतामें एकताका सशक्त प्रतीक है। लोकमान्यताओं और ग्रामीण परम्पराओंमें तो दशहरेका विशेष स्थान है। कई क्षेत्रोंमें दशहरेके दिन घरों और खेतोंमें बोये गये जौको काटकर 'ज्वारे' के रूपमें पूजा जाता है। इन्हें स्त्रीके गर्भ और उसकी संतानका प्रतीक माना जाता है। बहनें अपने भाइयोंके सिरपर ज्वारे रखती हैं और भाई बहनोंको उपहार देते हैं। यह परम्परा भाई-बहनके पवित्र संबंधको और अधिक मजबूत करनेका संदेश देती है। इस पर्वमें पारिवारिक, सामाजिक और भावनात्मक संबंधोंकी यह गहराई भारतीय जीवन मूल्योंकी विशेषता है।पौराणिक दृष्टिसे देखें तो दशहरा केवल रावण-वधतक सीमित नहीं है। महिषासुर मर्दिनीकी कथा भी इसी दिनसे जुड़ी है। जब महिषासुरके आतंकसे देवता और मनुष्य सभी पीड़ित हो उठे थे, तब देवी दुर्गाने नौ दिनोंतक उससे युद्ध किया और दसवें दिन उसका वध किया। यह घटना शक्ति और साहसके महत्वको उजागर करती है। यह बताती है कि जब बुराई और अन्याय अपने चरमपर पहुंच जाते हैं, तब शक्तिका स्वरूप धारण कर ही उनका अंत किया जा सकता है। महिषासुर वधकी कथा स्त्री शक्तिकी सर्वोच्च अभिव्यक्ति है, जो हमें सिखाती है कि प्रत्येक व्यक्तिमें यह शक्ति निहित है कि वह अन्याय और अत्याचारका सामना कर सके। दशहरेका वास्तविक महत्व आत्मचिंतन और आत्मसुधारमें निहित है। यह पर्व केवल रावणके पुतले जलानेका उत्सव नहीं है, बल्कि हमें यह सोचनेपर विवश करता है कि हमारे भीतर कौन-कौनसे रावण अब भी जीवित हैं। अहंकार, क्रोध, लोभ, ईर्ष्या, स्वार्थ, असत्य, ये सब रावणके ही विभिन्न रूप हैं। यदि हम हर दशहरेपर यह संकल्प लें कि कमसे कम अपनी एक बुराईको समाप्त करेंगे तो धीरे-धीरे हम अपने भीतरके रावणका अंत कर पायंगे। यही इस पर्वकी सच्ची साधना और सार्थकता है।जके समयमें जब समाजमें हिंसा, असमानता, भ्रष्टाचार, शोषण और अन्याय जैसी समस्याएं व्याप्त हैं, तब दशहरेका महत्व और बढ़ जाता है। यह पर्व हमें प्रेरित करता है कि हम सामूहिक रूपसे भी इन बुराईयोंके विरुद्ध खड़े हों। जिस प्रकार भगवान रामने रावणका अंत कर धर्म और सत्यकी स्थापना की, उसी प्रकार हमें भी अन्याय और भ्रष्टाचारके विरुद्ध संघर्ष करना होगा। जिस प्रकार माता दुर्गाने महिषासुरका वध किया, उसी प्रकार समाजकी स्त्रियोंको भी अपने अधिकारों और गरिमाकी रक्षाके लिए सशक्त और आत्मनिर्भर बनना होगा। दशहरा राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक अखंडताका प्रतीक है। भारत जैसे विशाल और विविधताओंसे भरे देशमें यह पर्व हमें जोड़ता है। चाहे उत्तरमें रामलीला और रावण-दहनकी परम्परा हो या पूर्वमें दुर्गा पूजा, पश्चिममें शस्त्र-पूजन हो या दक्षिणमें देवी विजयादशमी उत्सव, सबका उद्देश्य एक ही है, बुराईपर अच्छाईकी जीतका संदेश देना। यह पर्व हमें अहसास कराता है कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर कितनी समृद्ध है और हमारी परम्पराएं किस प्रकार हमें एक सूत्रमें बांधती हैं। दशहरेका सबसे बड़ा संदेश यही है कि धर्म, सत्य, न्याय और करुणाकी विजय निश्चित है। चाहे बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न लगे, अंततः अच्छाई ही विजयी होती है। यह पर्व हमें केवल उत्सवका आनन्द लेनेके लिए नहीं, बल्कि अपने जीवनको संवारने और समाजको बेहतर बनानेकी दिशामें कदम बढ़ानेके लिए प्रेरित करता है। सही मायनोंमें विजयादशमीका उत्सव तभी सार्थक है, जब हम अपने भीतरके रावणका वध कर सकें और अपने जीवनमें अच्छाई, सत्य और प्रेमको स्थान दे सकें। यही इस पर्वका वास्तविक और शाश्वत संदेश है, जो इसे सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और राष्ट्रीय एकताका पर्व बनाता है।

सहारनपुर की रामलीलाओं में कुंभकर्ण और मेघनाथ वध का मंचन, जय श्रीराम के जयकारों से गूंजे पंडाल

आज समाचार सेवा

● मानवीय कल्याण समिति, आशुतोष रामलीला समिति, सुपर क्लब, श्री कृष्णा राम नाटक क्लब और श्री राधा कृष्ण मंदिर क्लब की रामलीलाओं में कलाकारों ने जीवंत किए रामायण के प्रसंग

सहारनपुर। महानगर में आयोजित विभिन्न रामलीलाओं में कुंभकर्ण वध, मेघनाथ वध और लक्ष्मण मूर्छा के प्रसंगों का मंचन किया गया। कलाकारों ने प्रभावशाली अभिनय और संवादों के माध्यम से रामायण के महत्वपूर्ण प्रसंगों को जीवंत किया। युद्ध के रोमांचक दृश्यों और जय श्रीराम के जयकारों से रामलीला मैदान भक्तिमय हो उठे।

लेबर कॉलोनी में मानवीय कल्याण समिति के तत्वावधान में आयोजित रामलीला में कुंभकर्ण वध और मेघनाद वध की लीलाओं का मंचन किया गया। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में सदर तहसीलदार गौरव कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। गोपाल कृष्ण कालड़ा, एडवोकेट अक्षय त्यागी, कुलदीप धमीजा, आलोक तनेजा, अशोक पुंडीर और राजीव शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोगों ने भाग लिया। समिति के पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामलीला देखने पहुंचे। श्री आशुतोष रामलीला समिति के 15वें श्रीरामलीला एवं दशहरा महोत्सव में कुंभकर्ण वध और मेघनाथ वध की लीला का मंचन हुआ। रावण द्वारा कुंभकर्ण को जगाने और भगवान श्रीराम द्वारा उसका वध करने के प्रसंग ने दर्शकों को आकर्षित किया। लक्ष्मण और मेघनाथ के युद्ध तथा लक्ष्मण द्वारा मेघनाथ का संहार भी प्रभावशाली रहा। मेघनाथ की भूमिका गौरव चौधरी, श्रीराम की गौरव चानना और लक्ष्मण की विनय दुग्गल ने निभाई। निर्देशन जय कालरा ने किया। बच्चों के लिए प्रश्न मंच भी आयोजित किया गया। गोपाल नगर, नुमाइश कैंप में सुपर क्लब के 33वें रामलीला एवं दशहरा महोत्सव में मेघनाथ वध का मंचन किया गया। लक्ष्मण के बाणों से मेघनाथ के धराशायी होते ही पंडाल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। श्रीराम की भूमिका कुशाग्र नैब, लक्ष्मण की अक्षय सूरी और मेघनाथ की राकेश सूरी ने निभाई। हनुमान के रूप में अनुभव कत्याल ने अभिनय किया। निर्देशन शंकर सौदाई ने किया। श्री कृष्णा राम नाटक क्लब की रामलीला में लक्ष्मण मूर्छा, हनुमान जी के संजीवनी बूटी लाने और कुंभकर्ण वध के दृश्य प्रस्तुत किए गए। प्रधान महेंद्र तनेजा, महामंत्री विक्की दुआ, साजन गंगा, नीरज कामरा और अन्य गणमान्य लोगों ने श्रीराम की आरती की।

वहीं, गांधी पार्क में श्री राधा कृष्ण मंदिर क्लब की रामलीला में कुंभकर्ण वध और मेघनाथ वध का मंचन हुआ। कुंभकर्ण को जगाने और लक्ष्मण-मेघनाथ युद्ध के दृश्यों ने दर्शकों की तालियां बटोरीं। अतुल सचदेव ने श्रीराम, हर्ष ठाकुर ने लक्ष्मण और प्रथम वत्स ने मेघनाथ की भूमिका निभाई। निर्देशन हरविंदर गोसाई और आनंद कुमार ने किया। सभी आयोजनों में श्रद्धालुओं ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

शारदीय नवरात्र पर सहारनपुर में जगह-जगह हुआ कन्या पूजन

आज समाचार सेवा

● श्रद्धालुओं ने कन्याओं को कराया भोजन, पैर छूकर लिया आशीर्वाद; मंदिरों और घरों में भक्तिमय रहा माहौल

सहारनपुर। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर सोमवार को महानगर में जगह-जगह कन्या पूजन का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना कर कन्याओं को भोजन कराया और उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। घरों, मंदिरों और विभिन्न धार्मिक स्थलों पर सुबह से ही पूजा-पाठ का सिलसिला जारी रहा। कन्या पूजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया।

नवरात्र के दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना का विशेष महत्व माना जाता है। इसी परंपरा के तहत श्रद्धालुओं ने कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनका पूजन किया। कन्याओं के साथ भैरव स्वरूप में बालकों को भी भोजन कराया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने कन्याओं को उपहार, फल, मिठाई और दक्षिणा भेंट की। महानगर के विभिन्न मोहल्लों और कॉलोनियों में परिवारों ने कन्या पूजन के लिए विशेष तैयारियां की थीं। सुबह से ही कन्याओं को भोजन कराने के लिए लोगों में उत्साह नजर आया। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से कन्या पूजन कर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिरों में भी भक्तों ने मां दुर्गा के दर्शन कर परिवार की खुशहाली और सुख-शांति के लिए प्रार्थना की।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नवरात्र में कन्या पूजन का विशेष महत्व है। श्रद्धालु इसे शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की आराधना का अभिन्न अंग मानते हैं। कन्याओं का पूजन कर लोगों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ नवरात्र की परंपराओं का निर्वहन किया।

पूरे महानगर में नवरात्र के चलते धार्मिक माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की कामना की।

पूनम चौधरी बनीं भाकियू तोमर महिला मोर्चे की प्रदेश अध्यक्ष

नागल। रेलवे रोड स्थित भाकियू तोमर के युवा जिला अध्यक्ष सौरभ त्यागी के कार्यालय पर आयोजित बैठक में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र तोमर ने पूनम चौधरी को महिला मोर्चे का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया। वहीं, ब्रह्मपाल सिंह को मंडल महासचिव और देवबंद निवासी अलीशा अंसारी को युवा महिला मोर्चे का जिलाध्यक्ष बनाया गया।

युवा जिला अध्यक्ष सौरभ त्यागी ने कहा कि संगठन गरीब, किसान और मजदूर सहित हर वर्ग के पीड़ितों की आवाज उठाकर उन्हें न्याय दिलाने का प्रयास करता है। उन्होंने कार्यकताओं से आपसी मतभेद भुलाकर संगठन को मजबूत बनाने और उत्पीड़न के मामलों में पीड़ितों की मदद करने की अपील की। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए जिम्मेदारी निभाने और संगठन को मजबूत करने का भरोसा दिलाया। जिला अध्यक्ष प्रतिनिधि नीरज राणा ने भी कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाया।

बैठक में मंडल अध्यक्ष मुजीबुर रहमान, अलीम अहमद, सनोज चौधरी, चांद मियां, इरशाद, समीर, देवेंद्र त्यागी, गुलफाम अहमद, मनोज कुमार और मोहम्मद शीष सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नौरंगपुर में विधायक देवेंद्र निम ने किया जनसंपर्क

रामपुर मनिहारान। मेरठ-सहारनपुर खंड स्नातक एवं शिक्षक विधान परिषद चुनाव को लेकर भाजपा ने जनसंपर्क तेज कर दिया है। इसी क्रम में सोमवार को भाजपा विधायक देवेंद्र निम ने विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नौरंगपुर में पहुंचकर शिक्षक और स्नातक मतदाताओं से मुलाकात की। उन्होंने मतदाताओं से भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में मतदान करने की अपील की। जनसंपर्क के दौरान विधायक देवेंद्र निम ने स्नातक सीट से भाजपा प्रत्याशी दिनेश गोयल और शिक्षक सीट से भाजपा प्रत्याशी श्रीचंद शर्मा के पक्ष में मतदाताओं से संपर्क किया। उन्होंने कहा कि विधान परिषद चुनाव में शिक्षक और स्नातक मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए चुनाव में सक्रिय भागीदारी निभाएं। विधायक ने गांव में मतदाताओं से संवाद कर चुनाव से संबंधित विषयों पर चर्चा की और दोनों भाजपा प्रत्याशियों को समर्थन देने का आग्रह किया। उन्होंने मतदाताओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेते हुए मतदान करने की अपील की।

इस दौरान क्षेत्र में एमएलसी चुनाव को लेकर जनसंपर्क किया गया। भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में मतदाताओं से संपर्क अभियान के तहत उनसे मतदान की अपील की जा रही है।

साइबर हेल्प डेस्क टीम ने तत्परता दिखाते हुए ऑन लाइन ठगी के शिकार के 39,800 रुपए

गागलहेडी। पीड़ित ने पुलिस का धन्यवाद किया। प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में साइबर हेल्प डेस्क टीम ने ठगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन साइबर फ्रॉड के जरिए ठगी गई 39,800 रुपये की पूरी धनराशि पीड़ित के बैंक खाते में वापस कराई। प्रभारी निरीक्षक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, ग्राम सद्दामाजरा निवासी नरेन्द्र कुमार के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी कर ठगो ने 39,800 रुपये की ठगी की थी। मामले में एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज होने के बाद साइबर हेल्पडेस्क टीम ने शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए ठगी गई शत प्रतिशत धनराशि वापस करा दी। रकम वापस मिलने पर पीड़ित नरेन्द्र कुमार ने गागलहेड़ी पुलिस और साइबर हेल्पडेस्क टीम का आभार जताया।

राजपूत सभा ने मनाई क्षत्रिय सम्राट मिहिर भोज की जयंती

आज समाचार सेवा

● वक्ताओं ने महापुरुषों के आदर्शो पर चलने और समाज व देश के विकास में योगदान देने का किया आह्वान

नानौता। नगर की महाराणा प्रताप कॉलोनी में राजपूत सभा नानौता के तत्वावधान में क्षत्रिय सम्राट मिहिर भोज की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस दौरान वक्ताओं ने उनके जीवन, पराक्रम और समाज सुधार के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सभा के अध्यक्ष डॉ. विक्रम सिंह पुंडीर ने की। उन्होंने सम्राट मिहिर भोज के जीवन और उनके योगदान पर विचार व्यक्त किए। सेवानिवृत्त फौजी ओमबीर सिंह राणा ने कहा कि महापुरुष समाज के सभी लोगों के लिए प्रेरणास्रोत होते हैं। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज को आगे बढ़ाना चाहिए।

राकेश पुंडीर ने कहा कि महापुरुषों के आदर्शों को अपनाकर समाज और देश के विकास में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन नेत्रपाल सिंह चौहान ने किया।

इस अवसर पर नेत्रपाल सिंह चौहान, दशरथ सिंह, वीरेंद्र सिंह, संजीव कुशवाह, डॉ. जयकरण सिंह, भगवान सिंह, राजसिंह, अशोक पुंडीर, अनिल राणा और ओमबीर सिंह फौजी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

दैनिक आज की खबर का असर

80 सागौन के पेड़ काटने पर तीन के खिलाफ मुकदमा

आज समाचार सेवा

● तिवड़ा जुनारदार में अवैध कटान का मामला प्रमुखता से प्रकाशित किया था अखबार ने, वन विभाग के अधिकारियों ने लिया संज्ञान

बेहट (सहारनपुर)। तिवड़ा जुनारदार गांव में 80 सागौन के पेड़ों की अवैध कटाई के मामले में दैनिक आज की खबर का असर देखने को मिला है। अखबार में मामला प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद संबंधित अधिकारियों ने इसका संज्ञान लिया। वन विभाग की जांच और डिप्टी रेंजर की तहरीर पर पुलिस ने खेत मालिक समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वन विभाग के मुताबिक, 12 अक्तूबर को गांव में सागौन के पेड़ काटे जाने की सूचना मिली थी। 17 अक्तूबर को डिप्टी रेंजर विशाल चौधरी ने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच की तो वहां 30 से 50 सेंटीमीटर मोटाई वाले सागौन के 80 ठूंठ मिले। कटाई के बाद लकड़ी मौके से हटाई जा चुकी थी।

वन विभाग की तहरीर के अनुसार, पेड़ों की कटाई खेत मालिक विश्वास त्यागी निवासी तिवड़ा जुनारदार तथा ठेकेदार पंकज शर्मा निवासी रणढोल और उस्मान निवासी चिम्माबांस से संबंधित पाई गई। डिप्टी रेंजर की तहरीर पर बेहट कोतवाली पुलिस ने 18 अक्तूबर को तीनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सहारनपुर की बेटी राधिका कश्यप को मिला राष्ट्रीय सम्मान

आज समाचार सेवा

● मुंबई में डॉ. आर. अहमद नेशनल स्टूडेंट अवॉर्ड्स 2026 से हुई सम्मानित, बरेली में कर रहीं बीडीएस की पढ़ाई

सहारनपुर। महानगर की बेटी राधिका कश्यप ने राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। सर्किट हाउस रोड स्थित साहिब जी नगर कॉलोनी निवासी राजीव कश्यप की बेटी राधिका को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में आयोजित समारोह में डॉ. आर. अहमद नेशनल स्टूडेंट अवॉर्ड्स 2026 से सम्मानित किया गया। भारतीय डेंटल एसोसिएशन की ओर से सेंसोडाइन के सहयोग से आयोजित समारोह में राधिका की प्रतिभा, मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन को सराहा गया। वह वर्तमान में इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंस, बरेली से बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) की पढ़ाई कर रही हैं।

राधिका की इस उपलब्धि से परिवार और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। विक्रान्त कुमार, संजीव कुमार, किरन, मोहित शर्मा, अंतरिक्ष सैनी, निकिता जैन, दिव्यांश कश्यप और कुलभूषण सहित अन्य लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कोतवाली पुलिस ने अवैध चरस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

बेहट,कोतवाली पुलिस में मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान एक नशा तस्कर को भारी मात्रा में नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया। सोमवार को कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया है पकड़े गए व्यक्ति का नाम मुकर्रम पुत्र अकबर निवासी ग्राम पथरवा थाना बेहट जिला सहारनपुर बताया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक इंद्रेश कुमार चौहान ने बताया कि अभियुक्त के कब्जे से 218 ग्राम अवैध चरस बरामद हुई उन्होंने बताया कि पकड़े गए व्यक्ति के विरुद्ध विभिन्न स्थानों में 19 मुकदमे दर्ज हैं पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया और अभियुक्त को सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया उपरोक्त व्यक्ति से जांच की जा रही है कि वह नशीले पदार्थ कहां से लाकर क्षेत्र में सप्लाई करता है। उपरोक्त अभियुक्त को पकड़ने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक इंद्रेश चौहान, उप निरीक्षक अरविंद सिंह तोमर, कांस्टेबल राहुल कुमार कांस्टेबल ललित कुमार कांस्टेबल देवेंद्र कुमार आदि शामिल थे

बिहारीगढ़ में धूमधाम से मनाई अशोक विजयादशमी

पूर्व न्यायमूर्ति वीरेंद्र सिंह और अपर आयुक्त रमेश यादव ने किया शुभारंभ, समानता, बंधुत्व और अहिंसा का दिया संदेश

आज समाचार सेवा

बिहारीगढ़ (सहारनपुर)। देहरादून मार्ग स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में 19 अक्टूबर को डॉ. भीमराव अंबेडकर जनकल्याण समिति के तत्वावधान में अशोक विजयादशमी हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति वीरेंद्र सिंह, सहारनपुर मंडल के अपर आयुक्त रमेश यादव, इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता महेंद्र मंडल, प्रेमचंद मोंगा, वरिष्ठ पत्रकार सतीश कुमार आजाद, नरेंद्र सिंह यादव, संजय औरया, नीलकमल, संतोष यादव और आरपी सिंह ने भगवान बुद्ध के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

पूर्व न्यायमूर्ति वीरेंद्र सिंह ने कहा कि कलिंग युद्ध के बाद सम्राट अशोक ने हिंसा का मार्ग छोड़कर बौद्ध धम्म अपनाया और शांति एवं अहिंसा को जीवन का आधार बनाया। उन्होंने समाज में समानता, बंधुत्व और एकता को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

अपर आयुक्त रमेश यादव और महेंद्र मंडल ने सम्राट अशोक के जीवन तथा बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में सेवाराम साथी, मौ. शाबान, पूर्व सूचना अधिकारी नरेंद्र यादव, सतीश कुमार आजाद, नीलकमल, आरपी सिंह और संजय औरया सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

स्पीड न्यूज द्वारा सर्वश्रेष्ठ अभिनय के लिए कलाकारों को सम्मानित

गंगोह- शिव चौक स्थित, रामलीला भवन में स्पीड न्यूज द्वारा सर्वश्रेष्ठ अभिनय के लिए 10 कलाकारों को विशेष रूप से सम्मानित किया।पूर्व प्रैस क्लब अध्यक्ष अरविंद टेबक, राजेश्वर शर्मा, डा. राकेश गर्ग व स्पीड न्यूज के सुहेल खान ने सर्वश्रेष्ठ अभिनय के लिए 10 कलाकारों को विशेष रूप से सम्मानित किया। जिसमें नीरज पाहुजा, राहुल राज अंगार, अभिषेक पांचाल, अरविन्दर सिंह साङ्गा, सौरभ गोयल, कुमार फौजी, रमेश मित्तल, आदेश नामदेव, आशुतोष नामदेव, अनुज नामदेव, लविश नामदेव को मेड़ल देकर सम्मानित किया। उन्होंने कलाकारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह भगवान श्री राम के आदर्श समाज के समक्ष पेश कर एक मिसाल पैदा कर रहे हैं।

शाकंभरी देवी मंदिर में अष्टमी पर भव्य आयोजन

आदित्य राणा परिवार ने कन्या भोज कराया

बेहट,शारदीय नवरात्र के अष्टमी पर्व पर सिद्धपीठ श्री शाकंभरी देवी मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ मां भगवती की पूजा-अर्चना की गई। मंदिर व्यवस्थापक राणा आदित्य प्रताप सिंह ने अपने परिवार के साथ आदिशक्ति मां शाकंभरी देवी की विधि-विधान से पूजा कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की इससे पहले उन्होंने परिवार सहित बाबा भूरे देव के दर्शन किये।इसके बाद उन्होंने कन्या पूजन कर कन्याओं को भोजन कराया और उनका आशीर्वाद लिया। अष्टमी पर्व पर कन्या पूजन का विशेष महत्व है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए राणा आदित्य प्रताप सिंह और उनके परिवार ने कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर पूजन किया। उन्हें श्रद्धापूर्वक भोजन कराया और धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार व्रत का पारण किया इस दौरान उन्होंने कन्याओं को वस्त्र और चुन्नी भी दी।इस दौरान राज परिवार ने मां भगवती से सभी के जीवन में सुख,शांति और समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की

लेखपाल से मारपीट और राजस्व टीम से अभद्रता, तीन के खिलाफ मुकदमा

सहारनपुर। ग्राम मानकमऊ में भूमि की पैमाइश के दौरान राजस्व विभाग की टीम से अभद्रता और लेखपाल के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। सरकारी कार्य में बाधा डालने, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना से राजस्वकर्मियों में रोष है। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई की मांग की है।जानकारी के अनुसार, 17 अक्टूबर को अधिकारियों के निर्देश पर नायब तहसीलदार संजय सिंह, कानूनगो लक्ष्मी नारायण और क्षेत्रीय लेखपाल देव कौशिक सहित राजस्व विभाग की टीम भूमि की पैमाइश और निरीक्षण के लिए मानकमऊ पहुंची थी। आरोप है कि इस दौरान दीपक पुत्र जगपाल निवासी बालपुर, चिलकाना रोड, सहारनपुर, रवि निवासी मानकमऊ और उनके एक अन्य साथी ने टीम के साथ विवाद करते हुए गाली-गलौज की। विरोध करने पर लेखपाल के साथ मारपीट और सरकारी कार्य में बाधा डालने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तीनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक कुलवंत मलिक को सौंपी गई है।

खानआलमपुरा यार्ड में उत्तर रेलवे मजदूर यूनियन की गेट मीटिंग, यूथ विंग के पदाधिकारियों का किया सम्मान

आज समाचार सेवा

सहारनपुर। उत्तर रेलवे मजदूर यूनियन (यूआरएमयू) की ओर से सोमवार को खानआलमपुरा यार्ड स्थित आरओएच/बीसीएन डिपो में गेट मीटिंग आयोजित की गई। इसमें एनपीएस और यूपीएस के विरोध में आवाज उठाते हुए रेलवे प्रशासन से कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने की मांग की गई। साथ ही यूनियन की यूथ विंग के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। बैठक में रेलवे यार्ड में नियमों के कथित उल्लंघन का मुद्दा उठाते हुए यूनियन पदाधिकारियों ने प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई। विशेष रूप से रेलवे के पर्यवेक्षकों के आवधिक स्थानांतरण (पीरियोडिकल ट्रांसफर) से जुड़े नियमों का पालन नहीं किए जाने पर चिंता व्यक्त की गई। यूनियन ने कर्मचारियों और पर्यवेक्षकों को संबंधित नियमों की जानकारी देते हुए प्रशासन से निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि इन नियमों को लागू करने के लिए प्रशासन को सीमित समय दिया जाए। मुख्य वक्ताओं में शाखा सचिव उपेंद्र गुप्ता, राजन वत्स, सहायक सचिव भगवान गिरी और शाखा सचिव बाबू राम शामिल रहे। वक्ताओं ने कहा कि कर्मचारियों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए यूनियन लगातार संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने संगठन की मजबूती और कर्मचारियों की एकजुटता पर भी जोर दिया। इस अवसर पर अर्जुन कुमार, विजय, मनोज, सुभाषचंद, राजेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र, संजय कुमार, जोखू प्रसाद, विवेक कुमार, अवनीश कुमार, सौरव कान्त, विशाल जोशी, पुनीश कुमार, कार्तिक कुमार, राजेन्द्र कुमार, सोनू, कदम पेगवाल, रवि प्रकाश, कृष्णपाल, गुरदीप सिंह, दीपचंद, बालकिशन, श्यामकुमार, पुष्पेंद्र, अंशुल परमार, अवधेश यादव, राधेश्याम और नीरज कुमार सहित अनेक रेलकर्मी उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष रविन्द्र प्रधान ने की।

स्टोन क्रेशर में चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

आज समाचार सेवा

● तांबे का तार, ट्रॉली जैक, 100 किलो जा-प्लेट और वारदात में प्रयुक्त ई-रिक्शा बरामद

बिहारीगढ़ (सहारनपुर)। बिहारीगढ़ पुलिस ने स्टोन क्रेशर में चोरी की घटना का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 4 किलो 800 ग्राम तांबे का तार, एक ट्रॉली जैक, 100 किलोग्राम जा-प्लेट और वारदात में प्रयुक्त ई-रिक्शा बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 4 अक्टूबर को स्टोन क्रेशर की दीवार तोड़कर सामान चोरी करने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था। सोमवार, 19 अक्टूबर को पुलिस ने कस्बा बिहारीगढ़ से सुलेमान और आफाक निवासी मोहंड तथा टिंकू निवासी खुशहालीपुर खुर्द को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने करीब 20 दिन पहले सतपुरा गांव में बंद पड़े स्टोन क्रेशर से मोटर का तार और 12 हजार रुपये चोरी करने की बात भी स्वीकार की। आरोपियों ने बताया कि वे सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी ले गए थे, जिसे जंगल में फेंक दिया था।

थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बिलासपुर में मां दुर्गा की ज्योति शोभायात्रा निकाली, जगह-जगह हुआ स्वागत

बिलासपुर। शारदीय नवरात्र महोत्सव के दौरान महानवमी पर श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर नगर में मां दुर्गा की ज्योति शोभायात्रा निकाली गई।श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा और प्रसाद वितरण कर शोभायात्रा का स्वागत किया।सोमवार को मोहल्ला डाम कॉलोनी स्थित मां दुर्गा पंचायती राज भवानी मंदिर से शोभायात्रा का शुभारंभ मंदिर के महंत रविराज स्वरूप भटनागर ने झंडी दिखाकर किया।सुसज्जित पालकी में मां दुर्गा की ज्योति विधि-विधान से विराजमान की गई। श्रद्धालु पालकी को कंधों पर उठाकर चल रहे थे, जबकि अन्य श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए मां का गुणगान कर रहे थे।शोभायात्रा डाम कॉलोनी, सब्जी मंडी, पुरानी तहसील मार्ग, सिनेमा रोड, साहूकारा, कायस्थान और भट्टी टोला सहित विभिन्न मार्गों से होती हुई पंजाबी कॉलोनी स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर पहुंची। इसके बाद कैनाल मार्ग,पोस्ट ऑफिस रोड, शिवबाग मंडी और लक्ष्मीनगर से होते हुए वापस मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुई।कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, पालिकाध्यक्ष चित्रक मित्तल और ब्लॉक प्रमुख कुलवंत सिंह औलख ने भी शोभायात्रा का स्वागत किया।सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीओ पीपी सिंह, प्रभारी निरीक्षक जीत सिंह और कस्बा चौकी प्रभारी योगेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

भक्ति, वीरता और धर्म की विजय के प्रसंगों से गूंजा राम महोत्सव

रामपुर। धर्म और भक्ति की पावन धारा में श्रद्धालुओं को सराबोर करते हुए श्री गोविंद गोपाल लीला संस्थान वृंदावन की ओर से आयोजित धार्मिक लीलाओं में भगवान श्रीराम और हनुमान जी की महिमा का मनोहारी वर्णन किया गया। संस्थान के निदेशक कन्हैया लाल दत्ता त्रय के कुशल निर्देशन में सुबह की बेला में श्री हनुमान जी की बाल लीलाओं का मंचन किया गया, जबकि रात्रि की बेला में श्री राम महोत्सव के अंतर्गत कुंभकरण वध, मेघनाद वध और अहिरावण वध की रोमांचक लीलाओं का मंचन हुआ।

सुबह आयोजित श्री हनुमान जी की बाल लीला ने दर्शकों को भक्ति और आनंद से भर दिया। बाल्यकाल से ही अद्भुत शक्ति, साहस और प्रभु श्रीराम के प्रति समर्पण के प्रतीक हनुमान जी की लीलाओं ने श्रद्धालुओं को उनकी दिव्य महिमा का स्मरण कराया। मंच पर प्रस्तुत प्रसंगों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सच्ची भक्ति, निष्ठा और सेवा भावना से जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है।

रात्रि में सजे श्री राम महोत्सव के मंच पर जैसे ही युद्ध के दृश्य प्रस्तुत हुए, वातावरण जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। कुंभकरण वध के मंचन में भगवान श्रीराम की सेना और रावण की विशालकाय सेना के बीच हुए भीषण युद्ध का सजीव चित्रण किया गया। कुंभकरण की अपार शक्ति के बावजूद अंततः धर्म की रक्षा के लिए मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के हाथों उसका अंत हुआ। इस प्रसंग ने दर्शाया कि अहंकार और अधर्म चाहे कितने ही शक्तिशाली क्यों न हों, अंत में विजय सत्य और धर्म की ही होती है।

इसके बाद मेघनाद वध की लीला का मंचन किया गया। रावण के पराक्रमी पुत्र मेघनाद और प्रभु श्रीराम की सेना के बीच हुए युद्ध के प्रसंग ने दर्शकों में उत्साह भर दिया। भगवान श्रीराम के अनुज लक्ष्मण जी द्वारा मेघनाद का वध किए जाने के दृश्य ने उपस्थित श्रद्धालुओं को रामायण के उस महत्वपूर्ण प्रसंग की याद दिलाई, जिसमें धर्म की स्थापना के लिए वीरता, धैर्य और संकल्प की महत्ता सामने आती है।

वहीं, अहिरावण वध की लीला ने भी दर्शकों को रोमांचित कर दिया। भगवान श्रीराम और लक्ष्मण जी को संकट से मुक्त कराने में हनुमान जी की अद्भुत भक्ति, बुद्धिमत्ता और पराक्रम का भावपूर्ण चित्रण किया गया। हनुमान जी के चरित्र के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि प्रभु के प्रति अटूट विश्वास और निस्वार्थ सेवा से बड़ी से बड़ी बाधा को भी पार किया जा सकता है।

तीनों लीलाओं के मंचन ने श्रद्धालुओं को रामायण के उन प्रसंगों से जोड़ दिया, जो बुराई पर अच्छाई, अहंकार पर विनम्रता और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश देते हैं। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने धार्मिक वातावरण को और भी भक्तिमय बना दिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अजय कुमार अग्रवाल, मनोज गर्ग और सुमेश अग्रवाल उपस्थित रहे। उन्होंने धार्मिक आयोजनों को भारतीय संस्कृति, परंपरा और मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

इस अवसर पर अध्यक्ष सुनील कुमार गोयल सोनी ताऊ, सह-अध्यक्ष हरिश्चंद्र अग्रवाल, महामंत्री वीरेंद्र कुमार गर्ग, कोषाध्यक्ष निर्भय गर्ग, ईश्वर शरण अग्रवाल, जुगेश अरोड़ा कुक्कू भाई, डॉ. अजय अग्रवाल, डॉ. सुमित गोयल, मनोज अग्रवाल, अरविंद कुमार अग्रवाल अरुण कुमार अग्रवाल, राजीव शरण गर्ग, ज्ञान प्रकाश गुप्ता, आकाश बंसल, शांति शरण राठौर, संजय कुमार अग्रवाल, हरिओम गुप्ता, रविंद्र कुमार मिश्रा सहित कमेटी के सभी सदस्य मौजूद रहे।

कुंभकरण-मेघनाथ वध से धर्म की विजय

रामपुर। कुंभकरण-मेघनाथ वध से धर्म की विजय श्री आदर्श रामलीला कमेटी ज्वाला नगर के तत्वाधान मे चल रहे रामलीला महोत्सव में ब्रज विलास रासलीला मथुरा वृंदावन के कलाकारों द्वारा सोमवार रात्रि का मंचन अत्यंत रोमांचक और ऐतिहासिक रहा। विशालकाय राक्षस कुंभकरण का युद्धभूमि में आगमन दर्शकों को रोमांचित कर गया। उसके पराक्रम और बल के सामने सेना भयभीत हो उठी, लेकिन भगवान श्रीराम के बाणों ने उसका अंत कर धर्म की शक्ति का उद्घोष किया। इसके बाद मेघनाथ का युद्ध कौशल और पराक्रम देखने योग्य रहा। वह बार-बार अपनी मायावी शक्तियों से युद्ध को कठिन बनाता रहा, परंतु अंततः श्रीराम के बाणों से उसका वध हुआ। इस दृश्य पर दर्शकों ने जय-जयकार कर धर्म की विजय का स्वागत किया और पूरा मैदान 卐जय श्रीराम卐 के नारों से गूंज उठा। सती सुलोचना-अहिरावण वध का अद्भुत मंचन रामलीला के अगले प्रसंग में मेघनाथ की पत्नी सती सुलोचना का भावुक चित्रण हुआ। अपने पति के वध पर उसका करुण विलाप दर्शकों को भावुक कर गया। यह दृश्य रामलीला की संवेदनशीलता और मानवीय भावनाओं को उजागर करता है। तत्पश्चात अहिरावण वध का मंचन हुआ, जहाँ रावण के भाई अहिरावण ने श्रीराम और लक्ष्मण को पाताल लोक में ले जाकर बलि देने का प्रयास किया। लेकिन हनुमान जी ने अपनी अद्भुत शक्ति और बुद्धि से अहिरावण का संहार कर श्रीराम-लक्ष्मण को मुक्त कराया। इस अद्भुत मंचन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और धर्म की विजय का संदेश पुनः स्थापित किया।

बाल युवा क्लब ने धूमधाम से मनाया 40वां रावण दहन समारोह

रामपुर। बाल युवा क्लब रजिस्टर्ड, पुराना गंज रामपुर की ओर से 40वां रावण दहन समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शहर विधायक आकाश सक्सेना शामिल हुए। समारोह की अध्यक्षता अमृत कपूर ने की, जबकि पुरस्कार वितरण जतिन सिदाना ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदीप कुमार गुप्ता भट्टे वाले, गौरव अग्रवाल, डॉ. नीरज श्रीवास्तव, रविंद्र गुप्ता, श्रीप्रकाश गुप्ता और फार्मा ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

समारोह के दौरान आयोजित झांकी प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही। इसमें भगवान गणेश, राम दरबार, हनुमान जी, फूल बंगला, मां दुर्गा, राधा-कृष्ण और शिव रुद्र अवतार की मनमोहक झांकियों का प्रदर्शन किया गया। झांकियों के माध्यम से धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने झांकियों की सराहना की।

समारोह के अंत में परंपरागत रूप से रावण दहन किया गया। रावण दहन के साथ ही बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में रामपुर के अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में उत्साह और धार्मिक उल्लास का माहौल बना रहा।

युवक को लाठी-डंडों से पीटा, सास-ससुर सहित पांच पर रिपोर्ट

बिलासपुर। पत्नी को मायके से लेने आए एक युवक के साथ ससुराल वालों द्वारा मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सास-ससुर, दो साले और पत्नी सहित पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।भोट थाना क्षेत्र के गांव तालकपुर निवासी मनोज पुत्र स्वर्गीय नोबतराम ने कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपी। जिसमें उसने बताया कि वह अपनी पत्नी सरोज को मायके से बुलाने के लिए अपनी ससुराल गांव मुल्लाखेड़ा आया था।आरोप है कि वहां पहुंचते ही उसके ससुराल वाले भड़क गए। उसके ससुर गोविंद, सास धर्मवती, साली ज्योति व भावना और स्वयं उसकी पत्नी सरोज ने मिलकर उसे घेर लिया। आरोपितों ने पहले उसके साथ अभद्र गाली-गलौज की और फिर लाठी-डंडों से उस पर हमला कर दिया। इस मारपीट में युवक को गंभीर चोटें आई हैं। जाते-जाते आरोपितों ने उसे दोबारा आने पर जान से मारने की धमकी भी दी।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक जीत सिंह ने बताया कि पीड़ित पति की तहरीर के आधार पर पांचों आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मामले की जांच उपनिरीक्षक केशु शर्मा को सौंपी गई है। जांच उपरांत अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

दहेज व मारपीट कर विवाहिता को निकाला, पति व ससुरालियों सहित 10 पर रिपोर्ट

बिलासपुर। विवाहिता ने अपने पति, सास-ससुर और जेठ-जिठानी सहित 10 लोगों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की प्राथमिकी दर्ज करवाई है।पुलिस को दी गई तहरीर में पिपलिया विजयनगर निवासी बीना कुमारी ने बताया कि उसकी शादी बरेली जिले के थाना बहेड़ी के गांव उनई मकरुका निवासी सुखवीर के साथ हुई थी।विवाह में पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार बाइक, सोने-चांदी के आभूषण और कपड़े दान-दहेज में दिए थे।इसके लिए पिता ने उसकी मार्कशीट पर करीब एक लाख रुपये का लोन भी लिया था।आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग कम दहेज को लेकर खुश नहीं थे और आए दिन ताने मारते हुए मारपीट करते थे। आरोपित अब दहेज में चार पहिया गाड़ी की मांग कर रहे हैं। विरोध करने पर बीती 14 जुलाई को आरोपितों ने उसे बेरहमी से पीटा और घर से बाहर निकाल दिया। जब वह इस बात का विरोध करती थी, तो उसे जान से मारने की धमकी दी जाती रहीं।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक जीत सिंह ने बताया कि पीड़िता बीना कुमारी की तहरीर पर पति सुखवीर, ससुर छेदालाल, सास रेसावती, जेठ अतर सिंह व विक्रम, जिठानी विमलेश व राजो, चचिया ससुर नत्थूलाल, रिश्तेदार ब्रजपाल और स्थानीय निवासी डा. परमेश्वरी समेत कुल 10 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।शीघ्र ही आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार दो दोस्तों को रौंदा, दर्दनाक मौत

स्वार। स्वार में रविवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गई। स्वार-केलाखेड़ा मार्ग पर पिरानी के बाग के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। इस अप्रत्याशित घटना से मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया है।पुलिस और परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, मधुपुरा निवासी मुकेश कुमार (21 वर्ष) और सुनील कुमार (22 वर्ष) आपस में गहरे दोस्त थे। दोनों मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवारों की आर्थिक मदद करते थे। रविवार को छुट्टी होने के कारण दोनों उत्तराखंड के गदरपुर क्षेत्र में मुकेश की बहन के घर गए थे। वहां से शाम को बाइक द्वारा अपने घर मधुपुरा लौट रहे थे। जब वे स्वार-केलाखेड़ा मार्ग पर पिरानी के बाग के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोग जब तक कुछ समझ पाते और मदद करते, तब तक दोनों की सांसें थम चुकी थीं।मुकेश और सुनील दोनों ही अविवाहित थे और अपने घरों के सहारे थे। कम उम्र और कमजोर आर्थिक स्थिति वाले इन दोनों युवकों की अचानक मौत से परिवारों के सामने भयंकर संकट खड़ा हो गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई है।सीओ हर्षिता सिंह ने बताया कि पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तहरीर मिलने के बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मिलक-शाहबाद में सपा का जनसंपर्क अभियान, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री अनिल सागर ने मांगे वोट

मिलक रामपुर- शाहबाद मिलक समाजवादी पार्टी के पूर्व दर्जा राज्य मंत्री अनिल सागर ने सोमवार को मिलक-शाहबाद क्षेत्र में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने अपने समाज के लोगों से मुलाकात कर समाजवादी पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ही सर्व समाज के हित की बात करती है और सभी वर्गों को साथ लेकर चलती है।जनसंपर्क अभियान के दौरान उनके साथ रिहान अल्वी, सभासद राजू गुप्ता, राजू खान, गुलफाम खान, तेजपाल कोली, साबिर हिंदुस्तानी और काजिम सहित कई समर्थक व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जी आर डी विद्यालय में धूमधाम से मना दशहरा महोत्सव, राम-सीता के रूप में सजे नन्हे मुन्ने बच्चे

मिलक रामपुर- गुरु रामदास इंटरनेशनल विद्यालय में शनिवार को दशहरा के पावन अवसर पर भव्य दशहरा महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के अध्यक्ष मंजीत सिंह, प्रबंधिका तेजिंदर कौर, सचिव जितेंद्र सिंह और प्रधानाचार्य प्रशांत सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने छात्रों ने रामायण के विभिन्न पात्रों जैसे श्री राम, लक्ष्मण, सीता माता, हनुमान और रावण के परिधानों में आकर सबका मन मोह लिया। बच्चों द्वारा रामायण पर आधारित एक छोटे से सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति दी गई।इसके साथ ही विद्यालय परिसर में छात्रों के लिए गरबे का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों का जोश देखते ही बनता था। सभी छात्रों ने पूरे उमंग और उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर अध्यापिकाएं अंशिका, वंशिका, तान्या सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

मिलक में नवरात्रि समापन पर गूंजे जयकारे, जगह-जगह हुए कन्या भोज

मिलक (रामपुर) नगर व क्षेत्र में शारदीय नवरात्रि के समापन के अवसर पर सोमवार को श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। नौ दिन तक मां दुर्गा की आराधना के बाद श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से कन्या पूजन कर कन्या भोज का आयोजन किया। सुबह से ही नगर के मोहल्लों, गांवों और मंदिरों में छोटी-छोटी कन्याओं को सज-धज कर बुलाया गया। महिलाओं ने कन्याओं के पैर धोकर, तिलक लगाकर उन्हें देवी के रूप में पूजा और हलवा-पूरी, खीर, चना का प्रसाद खिलाया। कन्याओं को दक्षिणा देकर उनका आशीर्वाद लिया गया। नगर के दुर्गा मंदिरों सहित घर-घर में कन्या भोज का दौर देर शाम तक चलता रहा। कई स्थानों पर भंडारों का भी आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं का कहना है कि नवरात्रि में कन्या पूजन से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और घर में सुख-समृद्धि आती है। समापन के साथ ही लोगों ने दशहरा पर्व की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

मिलक में 45 पौवे देशी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

मिलक (रामपुर)। मिलक कोतवाली पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 21 वर्षीय सूरज निवासी ग्राम भौनकपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से देशी शराब के 45 पौवे बरामद किए हैं।पुलिस के अनुसार, 18 अक्टूबर को मुखबिर की सूचना पर रेलवे क्रॉसिंग के पास घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा गया। उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है।

कूटू का आटा खाने से सात लोग बीमार, जिला अस्पताल में मचा हड़कंप

रामपुर। शारदीय नवरात्र की महानवमी पर कूटू का आटा खाने के बाद पांच लोगों की तबीयत बिगड़ गई। आनन-फानन में परिजन उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां सभी को भर्ती कराया गया। वहीं, सोमवार सुबह एक सिपाही और उसकी पत्नी को भी फूड पॉइजनिंग की शिकायत के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस तरह एक ही दिन में कुल सात लोगों के फूड पॉइजनिंग से प्रभावित होने का मामला सामने आया। नवरात्र के दौरान दूसरी बार इस तरह की घटना सामने आने से स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार, थाना भोट क्षेत्र के ग्राम रामपुर में महानवमी के अवसर पर कूटू का आटा खाने के बाद पांच लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उनकी हालत खराब होने पर परिजन उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में भर्ती कराए गए मरीजों में आंचल, पायल और सुनीता सहित दो अन्य लोग शामिल थे। सभी मरीजों को पहले जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। इसके बाद उन्हें मेडिकल वार्ड में शिफ्ट कर उपचार दिया गया। उपचार के बाद पांच में से चार मरीजों की हालत में सुधार होने पर उन्हें घर भेज दिया गया।

इसी बीच सोमवार सुबह सिपाही हरिओम पुत्र मोहनलाल और उनकी पत्नी गायत्री की भी तबीयत बिगड़ गई। दोनों को फूड पॉइजनिंग की शिकायत के बाद सुबह तड़के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने उनका उपचार किया। हालत में सुधार होने के बाद दोपहर में दोनों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस तरह कूटू के आटे के सेवन के बाद पांच ग्रामीणों और सिपाही व उनकी पत्नी सहित कुल सात लोगों के बीमार होने की जानकारी सामने आई है।

नवरात्र में दूसरी बार फूड पॉइजनिंग की घटना- नवरात्र के दौरान कूटू का आटा खाने के बाद लोगों के बीमार पड़ने की यह दूसरी घटना बताई जा रही है। इससे पहले भी जिले में कूटू का आटा खाने के बाद 70 से अधिक लोगों के फूड पॉइजनिंग का शिकार होने के मामले सामने आए थे। उस समय बड़ी संख्या में मरीजों के अस्पताल पहुंचने से स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई थी। घटना के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने शहर के मिस्टन गंज क्षेत्र में दो दुकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान दुकानों से चार नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए थे।

पहली घटना के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से कार्रवाई किए जाने की बात कही गई थी। इसके बावजूद नवरात्र में दोबारा इस तरह के मामले सामने आने से विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। त्योहारों के दौरान व्रत में इस्तेमाल होने वाले खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में उनकी गुणवत्ता और शुद्धता सुनिश्चित करना खाद्य सुरक्षा विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

दिव्यांग पेंशन बनी आत्मनिर्भरता का सहारा, जनपद में 14,544 दिव्यांगजन लाभान्वित

रामपुर। दिव्यांगता जीवन की चुनौतियों को बढ़ा सकती है, लेकिन आर्थिक सहायता और सरकारी योजनाओं का सहारा इन चुनौतियों को अवसर में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रामपुर जनपद में संचालित दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान योजना ऐसे ही हजारों दिव्यांगजनों के लिए आर्थिक संबल बन रही है। योजना के माध्यम से पात्र दिव्यांगजनों को नियमित पेंशन का लाभ दिया जा रहा है, जिससे वे अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में पहले की अपेक्षा अधिक सक्षम हो रहे हैं।

वर्ष 2017 से अब तक 14,544 लाभार्थियों को मिला योजना का लाभ- जनपद में योजना के प्रभाव का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2017 से अब तक 14,544 दिव्यांगजन लाभान्वित हो चुके हैं। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी प्रतिभा पाल ने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में भी इन सभी लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया जा रहा है। यह योजना दिव्यांगजनों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

पेंशन की आर्थिक सहायता से लाभार्थियों को अपनी दैनिक जरूरतों, दवाओं, आवागमन तथा अन्य आवश्यक खर्चों को पूरा करने में मदद मिलती है। नियमित आर्थिक सहयोग उनके परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक दबाव को भी कम करता है।

पात्रता पूरी करने वाले दिव्यांगजन उठा सकते हैं लाभ- योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र में 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता होना आवश्यक है। इसके अलावा आवेदक की वार्षिक आय निर्धारित सीमा के अंतर्गत होनी चाहिए।

- शहरी क्षेत्र- वार्षिक आय ?56,460 से कम
- ग्रामीण क्षेत्र- वार्षिक आय ?46,080 से कम
- दिव्यांगता- 40 प्रतिशत या उससे अधिक
- आयु- 18 वर्ष से अधिक

ऑनलाइन आवेदन से आसान हुई प्रक्रिया- पात्र दिव्यांगजनों को योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए एसएसपीवाई पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। इच्छुक आवेदक ह्यद्य4-ह्व.द्द1.द्ध पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ आवश्यक अभिलेख और पात्रता संबंधी प्रमाण उपलब्ध कराना होता है।

आर्थिक सहायता से बढ़ा आत्मविश्वास- दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान योजना केवल पेंशन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दिव्यांगजनों के भीतर आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास को मजबूत करने का माध्यम भी बन रही है। नियमित आर्थिक सहायता मिलने से लाभार्थी अपनी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर निर्भरता कम कर पा रहे हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में भी योगदान दे पा रहे हैं।

जिले में 14,544 लाभार्थियों तक पहुंची योजना यह दर्शाती है कि पात्र दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। योजना का लाभ प्राप्त कर रहे दिव्यांगजन आर्थिक सहारे के साथ सम्मानपूर्वक जीवन जीने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने पात्र दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे निर्धारित पात्रता पूरी करने पर एसएसपीवाई पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त करें।

नवरात्रि पर घरों में गूंजे जयकारे, कन्या पूजन कर लिया आशीर्वाद

सैफनी। नगर व क्षेत्र में शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर मां दुर्गा की आराधना का सिलसिला जारी है। पर्व के अंतिम दिनों में घरों में कन्या पूजन का विशेष अनुष्ठान श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का प्रतीक मानकर छोटी कन्याओं का विधि-विधान से पूजन किया। घरों में सुबह से ही पकवानों की महक गूंज उठी। कन्याओं के लिए पारंपरिक भोग के रूप में सूखे काले चने, करारी पूड़ियां और सूजी का हलवा विशेष रूप से तैयार किया गया। श्रद्धालुओं ने नौ कन्याओं और एक बटुक को आदरपूर्वक आसन पर बैठाकर उनके चरण धोए, माथे पर रोली-अक्षत का तिलक लगाया और कलावा बांधा। भोजन कराने के बाद सभी कन्याओं को सामर्थ्य के अनुसार दक्षिणा, उपहार और चुनरी ओढ़ाकर विदा किया गया। कन्याओं ने भी प्रसन्न होकर श्रद्धालुओं को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद दिया। इस दौरान मंदिरों और घरों में माता रानी के भजनों और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया।

मेघनाद के पुतला दहन पर गूंजे जय श्रीराम के जयकारे, राम वनवास लीला का हुआ सजीव मंचन

मिलक (रामपुर) श्री रामलीला कमेटी के तत्वावधान में रामलीला मैदान में चल रही ऐतिहासिक रामलीला में सोमवार को भक्तिमय माहौल देखने को मिला। इस दौरान मेघनाद के विशाल पुतले का दहन किया गया, जबकि रात्रि में राम वनवास लीला का सजीव मंचन हुआ।

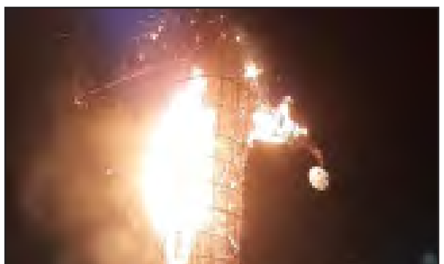

सोमवार शाम 7 बजे राम सेना और मेघनाद के बीच भीषण युद्ध का मंचन किया गया। युद्ध के दृश्य को देखकर दर्शक रोमांचित हो उठे। युद्ध के बाद मेघनाद के विशाल पुतले का दहन भाजपा जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार द्वारा किया गया। पुतले में आग लगते ही रामलीला मैदान में मौजूद हजारों श्रद्धालुओं ने %जय श्रीराम% के गगनभेदी जयकारे लगाए। पूरा मैदान भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा।पुतला दहन के पश्चात रात्रि में राम वनवास लीला का सजीव मंचन किया गया। भगवान श्रीराम के वनवास से जुड़े करुण दृश्यों को देखकर दर्शक भावुक हो उठे। कलाकारों ने अपने शानदार अभिनय से लीला को जीवंत कर दिया, जिसकी दर्शकों ने जमकर सराहना की। इस अवसर पर रामलीला कमेटी की ओर से स्थानीय पत्रकारों और समाजसेवियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक ज्वाला प्रसाद गंगवार, भाजपा जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार, कमेटी अध्यक्ष प्रिंस गुप्ता, महामंत्री सुरेंद्र शर्मा, राजू गुप्ता, भुवनेश भार्गव, आनंदपाल सिंह सहित कमेटी के समस्त पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नगर के बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सीएम युवा योजना से सरायतरीन के हैंडीक्राफ्ट को मिली नई धार

2 लाख के कर्ज से सारिक ने खड़ा किया 7 लाख का कारोबार, हर माह 50 हजार की कमाई

संभल। हस्तशिल्प और नक्काशी के लिए देश-दुनिया में विख्यात संभल के पारंपरिक हुनर को अब प्रदेश सरकार के वित्तीय सहयोग से नई रफ्तार मिलने लगी है। संभल के ऐतिहासिक कस्बा सरायतरीन निवासी युवा सारिक ने उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' (सीएम युवा) योजना का लाभ उठाकर आत्मनिर्भरता की अनूठी इबारत लिखी है। सीमित संसाधनों के चलते कभी अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए जूझ रहे सारिक ने योजना के तहत मिले महज 2 लाख रुपये के ऋण से हैंडीक्राफ्ट की आधुनिक इकाई स्थापित कर ली। आज वह न केवल हर महीने 50 हजार रुपये की शुद्ध कमाई कर रहे हैं, बल्कि अपनी इस इकाई का सालाना टर्नओवर 6 से 7 लाख रुपये तक पहुंचाकर क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बन गए हैं।

सरायतरीन की गलियों से उद्यम की डगर- जनपद संभल अंतर्गत सरायतरीन के मोहल्ला बड़ा मुहर्रम निवासी सारिक पुत्र मोहम्मद असलम पुश्तैनी रूप से हस्तशिल्प कला से जुड़े रहे हैं। हुनर में महारत होने के बावजूद पूंजी की कमी उनके सपनों के आड़े आ रही थी। कच्चा माल खरीदने और बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादन बढ़ाने के लिए उन्हें आर्थिक सहारे की सख्त दरकार थी। इसी बीच उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षित और हुनरमंद युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए शुरू की गई %मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान% की जानकारी मिली। सारिक ने बिना देर किए जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, संभल के माध्यम से इस योजना में आवेदन किया।

2 लाख की पूंजी ने बदली तस्वीर, 2 अन्य युवाओं को भी दिया काम- विभाग और बैंक के त्वरित सहयोग से सारिक को हैंडीक्राफ्ट कार्य के लिए 2 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हो गया। इस पूंजी की मदद से उन्होंने आवश्यक औजार और कच्चा माल जुटाकर अपने काम को संगठित रूप दिया। काम की रफ्तार बढ़ी तो उन्होंने अपने साथ-साथ 2 अन्य स्थानीय कारीगरों को भी इस काम से जोड़कर नियमित रोजगार उपलब्ध कराया। हस्तशिल्प उत्पादों की फिनिशिंग और समय पर आपूर्ति के चलते उनकी इकाई का दायरा बढ़ता गया। आज उनकी हैंडीक्राफ्ट इकाई सफलता की मिसाल बन चुकी है, जहां से हर महीने औसतन 50 हजार रुपये की सीधी आय हो रही है।

सीएम योगी और उद्योग केंद्र का जताया आभार- अपनी इस कामयाबी का श्रेय प्रदेश सरकार और प्रशासनिक तंत्र को देते हुए सारिक बताते हैं कि यदि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की यह योजना न होती, तो उनका उद्यमी बनने का सपना अधूरा रह जाता। उन्होंने जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, संभल तथा बैंक के अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारियों के मार्गदर्शन से बिना किसी अड़चन के ऋण प्रक्रिया पूरी हुई। सारिक का कहना है कि यह योजना जमीन पर बेरोजगार युवाओं को स्वावलंबी बनाने का सबसे बड़ा माध्यम साबित हो रही है और जिले के अन्य युवाओं को भी अपनी प्रतिभा के दम पर इस योजना का लाभ उठाकर आगे आना चाहिए।

अंकित खंडेलवाल, जिलाधिकारी, संभल- संभल का पारंपरिक हुनर वैश्विक मंचों पर नई पहचान गढ़ रहा है। %सीएम युवा% योजना महज कागजी कवायद नहीं, बल्कि युवाओं के हौसलों को पंख देने का धरातलीय जरिया है। सारिक जैसे युवा साबित कर रहे हैं कि सही वक्त पर मिले वित्तीय संबल से प्रतिभा सीधे रोजगार और समृद्धि में तब्दील हो जाती है।

सारिक, लाभार्थी एवं हस्तशिल्प उद्यमी- माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की युवा उद्यमी विकास योजना ने मेरे हुनर को पहचान और कारोबार को नई उड़ान दी है। 2 लाख के सहयोग से आज मेरी अपनी इकाई है और मैं दूसरों को भी काम देने में सक्षम हुआ हूं। स्वावलंबी बनाने के लिए सरकार और जिला उद्योग केंद्र का दिल से आभार।

किरन वेलफेयर सोसाइटी ने वितरित किया प्रसाद

चन्दौसी। सोमवार को रामबाग धाम स्थित सिद्धिदात्री मंदिर में किरन वेलफेयर सोसाइटी की ओर से हलवा-चने के प्रसाद का वितरण किया गया। सोसाइटी के पदाधिकारियों ने मां जगदंबे की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद मंदिर में दर्शन करने पहुंचे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को हलवा-चने का प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान डॉ. नीलम वार्ष्णेय, पलक, भक्ति, इंदु अग्रवाल, सौरभ वार्ष्णेय, रूबी, तपस्या, आशा गोस्वामी, ममता, वंदना, ऊषा, मालती, मीना और रेखा आदि मौजूद रहे।

रोटरी क्लब रॉयल की प्रदर्शनी का पालिकाध्यक्ष ने किया शुभारंभ

चन्दौसी। रोटरी क्लब रॉयल की ओर से संजीवनी पैलेस में महिलाओं की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए गए, जिन पर अलग-अलग उत्पादों की प्रदर्शनी की गई। प्रदर्शनी में चन्दौसी के अलावा बाहरी क्षेत्रों से आए दुकानदारों ने भी स्टॉल लगाकर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद चन्दौसी की अध्यक्ष लता वार्ष्णेय रहीं। उन्होंने फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस दौरान प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के उत्पादों को देखने और खरीदारी करने का अवसर मिला। आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना रहा।

राम-हनुमान मिलन और लंका दहन लीला का मंचन देख भावविभोर हुए दर्शक

चन्दौसी। श्रीरामलीला नाट्य परिषद एवं रामबाग ट्रस्ट के तत्वावधान में रामबाग धाम स्थित मंच पर राम-हनुमान मिलन और लंका दहन लीला का भव्य मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने अभिनय से रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। लीला देखने के लिए पहुंचे दर्शक भक्तिभाव में डूब गए। कार्यक्रम का शुभारंभ स्व0 रुक्मणी देवी एवं स्व0 सेठ महेंद्र पाल पंसारी की स्मृति में उनके पुत्रों सुरेश चंद्र गुप्ता, प्रकाश चंद्र गुप्ता, शरद चंद्र, अतुल गुप्ता और प्रशांत गुप्ता ने फीता काटकर किया। मंचन के दौरान हनुमान जी का भगवान श्रीराम से मिलन, माता सीता की खोज और लंका दहन की लीला का प्रभावशाली चित्रण किया गया। हनुमान जी के लंका पहुंचने, माता सीता से भेंट करने और रावण की लंका में आग लगाने के प्रसंग ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कलाकारों की प्रस्तुति पर दर्शकों ने जय श्रीराम और जय हनुमान के जयकारे लगाए। रामलीला के माध्यम से भगवान श्रीराम की भक्ति, साहस और धर्म की विजय का संदेश दिया गया।

व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक में उठा जाम और यातायात व्यवस्था का मुद्दा

चन्दौसी। पुलिस लाइन सभागार में पुलिस क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह की अध्यक्षता में व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित की गई। इसमें जनपद संभल के विभिन्न क्षेत्रों से आए व्यापारियों ने अपनी समस्याएं रखीं और उनके समाधान की मांग की। बैठक में चन्दौसी नगर की जाम की समस्या और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए। चन्दौसी से अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के युवा प्रदेश मंत्री शाह आलम मंसूरी ने नगर में ई-रिक्शाओं के कारण लगने वाले जाम की समस्या को उठाया। उन्होंने सुझाव दिया कि नगर को चार जोन में बांटा जाए। साथ ही ई-रिक्शा चालकों को अलग-अलग रंग और नंबर आवंटित कर उनके रूट निर्धारित किए जाएं। इससे यातायात व्यवस्था सुचारु होगी और लोगों को जाम की समस्या से राहत मिल सकेगी। वहीं, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के युवा जिला अध्यक्ष सागर गुप्ता ने नगर के प्रमुख चौराहों और बाहरी मार्गों पर लालबत्ती लगाने की मांग की। उन्होंने पथरा मोड़, विश्वकर्मा धर्मकांटा, बदायूं चुंगी और फव्वारा चैक पर ट्रैफिक सिग्नल लगवाने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इससे यातायात नियंत्रित करने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। बैठक में बहजोई के व्यापारियों ने भी अपने क्षेत्र की व्यापारिक समस्याओं और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को अधिकारियों के सामने रखा। पुलिस क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके शीघ्र समाधान के लिए विचार करने का आश्वासन दिया। इस दौरान शुभम देशवाल, शाह आलम मंसूरी, सागर गुप्ता, बहजोई नगर अध्यक्ष दीपक वार्ष्णेय, जाफर हुसैन सहित विभिन्न व्यापारी मौजूद रहे।

थाना वजीरगंज पुलिस द्वारा पाक्सो एक्ट का वांछित गिरफ्तार

वजीरगंज- थाना वजीरगंज पुलिस (निरीक्षक अपराध श्री संजीव कुमार मय टीम) द्वारा मु0अ0सं0 0261/26 धारा 75/65(1) बीएनएस एवं 3/4(2) पॉक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त महेन्द्र पुत्र लाखन सिंह, निवासी ग्राम कन्जुआ, थाना वजीरगंज, जनपद बदायूँ को आज दिनांक 19.10.26 को प्रातः करीब 11ः18 बजे बिल्सी रोड स्थित एक्सप्रेसवे अण्डरपास के पास से गिरफ्तार किया गया। थाना पर विधिक कार्यवाही करने के उपरान्त अभियुक्त को माननीय न्यायालय पाक्सो एक्ट कोर्ट, बदायूँ में पेश कर जेल भेजा गया।

पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ नौ दिवसीय दुर्गा हवन

चन्दौसी। रामबाग धाम स्थित यज्ञशाला में शारदीय नवरात्र के अवसर पर चल रहा नौ दिवसीय देवी हवन दुर्गा नवमी पर पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान आचार्य अखिलेश शास्त्री ने दुर्गा सप्तशती के संस्कृत मंत्रों के उच्चारण के साथ वैदिक रीति-रिवाज से हवन कराया। श्रद्धालुओं ने आहुतियां समर्पित कर देवी मां की पूजा-अर्चना की। रामबाग धाम में कई वर्षों से शारदीय और चैत्र नवरात्र पर नौ दिवसीय दुर्गा हवन की परंपरा चली आ रही है। इसमें युगल दंपती यजमान बनकर विधि-विधान से हवन में आहुतियां देते हैं। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी आयोजन किया गया। हवन में महेंद्र पाल वार्ष्णेय, ऊषा वार्ष्णेय, रजनीश गुप्ता, टिंकल गुप्ता, यशपाल, कांती देवी, यश गुप्ता, शालिनी वार्ष्णेय, अरुण कुमार सोनू, तृप्ति वार्ष्णेय, राजन वार्ष्णेय, विनय अग्रवाल, सुप्रिया अग्रवाल, विमल वार्ष्णेय, ऊषा रानी, विष्णु गोपाल, कुमकुम वार्ष्णेय, अंकुर वार्ष्णेय और वंदना वार्ष्णेय आदि शामिल रहे।

रामनवमी पर कन्याओं का पूजन कर बांटे उपहार

चन्दौसी। भारत विकास परिषद की ओर से रामनवमी के अवसर पर सोमवार को शाखा के कार्यक्रम संयोजक दिनेश चंद्र गुप्ता के आवास पर शक्तिस्वरूपा कन्याओं का पूजन किया गया। इसके बाद कन्याओं को प्रसाद वितरित किया गया। साथ ही उन्हें पेंसिल बॉक्स, फल, बिस्कुट और अन्य वस्तुएं उपहार स्वरूप भेंट की गईं। इस दौरान कन्याओं के पूजन के साथ धार्मिक परंपरा का निर्वहन किया गया। कार्यक्रम में शाखा की महिला संयोजिका डॉ. सुमन गुप्ता, भावना गुप्ता, सरोज शर्मा, नागेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष संजीव शर्मा और दुर्गापाल आदि उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

चन्दौसी। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं-बालिकाओं के सुरक्षा व स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-6.0) के तहत सोमवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति केन्द्रों में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चैपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही 'मिशन शक्ति-6.0' अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा, चैराहों, स्कूलों-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल, पैनिक बटन-मोबाइल एप डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंफलेट बांटकर जागरूक किया गया।

टीजीटी के बाद एलटी ग्रेड में चयनित हुईं प्रेंसी चैधरी

चन्दौसी। शकिनगर की होनहार बेटी प्रेंसी चैधरी ने अपनी मेहनत और लगन से क्षेत्र का मान बढ़ाया है। उन्होंने पहले टीजीटी और अब उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की एलटी ग्रेड परीक्षा में गृह विज्ञान विषय से चयनित होकर दोहरी सफलता हासिल की है।

प्रेंसी चैधरी ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय माता-पिता माया देवी व सत्यपाल सिंह, पति अवनीश कुमार और भाई सचिन के सहयोग को दिया है। उनकी सफलता से परिवार और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। प्रेंसी की इस उपलब्धि ने क्षेत्र के युवाओं को मेहनत और लगन से लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा दी है।

प्लाट बेचने से इन्कार करने पर युवक को पीटा

चन्दौसी। प्लाट बेचने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि प्लाट बेचने से इन्कार करने पर युवक के सिर पर लोहे के डंडे से वार कर उसे घायल कर दिया गया। आवास विकास निवासी गुड्डू सिंह पुत्र कन्हई लाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बबलू पांच-छह लोगों को लेकर उसके पास प्लाट का सौदा करने आया था। वह प्लाट को आठ हजार रुपये प्रति वर्ग गज के हिसाब से बेचने का दबाव बनाने लगा। गुड्डू सिंह के इन्कार करने पर बबलू ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर बबलू ने लोहे के डंडे से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोप है कि साथ आए अज्ञात लोगों ने भी उसके साथ मारपीट की। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। घायल का उपचार के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस क्षेत्र अधिकारी की अध्यक्षता में व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित

बहजोई- पुलिस लाइन सभागार में पुलिस क्षेत्र अधिकारी श्रीमती स्तुति सिंह की अध्यक्षता में व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित की गई जिसमें जनपद संभल के व्यापारियों ने अपने क्षेत्र की व्यापारिक समस्याओं को रखा चंदौसी से अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के युवा प्रदेश मंत्री शाह आलम मंसूरी ने नगर में ई-रिक्शाओं की समस्याओं को लेकर कहा की नगर को 4 जोन में बांटा जाए रिक्शा चालक को कलर और नंबर डालकर उनका रूट आवंटित किया जाए जिससे नगर में बढ़ती जाम की समस्या से निजात मिलेगी वहीं युवा जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल संभल ने सागर गुप्ता ने नगर में व बाहर चौराहों पर लाल बत्ती लगाने की मांग की पथरा मोड विश्वकर्मा धर्म कांटा बदायूं चुंगी फुव्वारा चौक पर लाल बत्ती लगाने की मांग की जिससे दुर्घटनाओं से बचा जा सके इसके अलावा बहजोई के व्यापारियों ने भी अपनी समस्याओं को रखा पुलिस क्षेत्र अधिकारी ने शीघ्र ही समस्याओं पर विचार कर पूरा करने का आश्वासन दिया बैठक में शुभम देशवाल शाह आलम मंसूरी सागर गुप्ता बहजोई नगर अध्यक्ष दीपक वार्ष्णेय जाफर हुसैन आदि व्यापारी मौजूद रहे

प्रधान पर जानलेवा हमला करने वाले वांछित अभियुक्त शमशाद अवैध तमंचे व कारतूस सहित गिरफ्तार

बिसौली- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद बदायूँ के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी बिसौली के पर्यवेक्षण में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत, थाना वजीरगंज पुलिस टीम द्वारा ग्राम प्रधान उदयपुर - इस्लामुद्दीन पर गोली मारकर जानलेवा हमला करने की घटना में शामिल वांछित अभियुक्त शमशाद को बगरैन चौराहे से कच्चे रास्ते के पास घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ और जामा तलाशी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर मय 02 अदद कारतूस जिन्दा और मोटरसाइकिल बरामद हुई। अभियुक्त ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने अपने अन्य साथियों राशिद, हामिद, बब्लू, समेराज आदि के साथ मिलकर पुरानी रंजिश के चलते इस्लामुद्दीन को जान से मारने की नीयत से गोली मारी थी।

थाना पुलिस द्वारा दिनांक 16.10.2026 को शमशाद के अन्य चार साथियों राशिद, हामिद, बब्लू, समेराज को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। प्रकरण में विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त शमशाद को माननीय न्यायालय के समक्ष रिमांड हेतु प्रस्तुत किया गया।

नाम पता अभियुक्त- शमशाद पुत्र गफ्फार खाँ, निवासी ग्राम उदयपुर, थाना वजीरगंज, जनपद बदायूँ

इंडोनेशिया में एजुकेशन इण्टरनेशनल एशिया पेसिफिक की दसवी रीजनल कांफ्रेंस देश का मान बढ़ाने वाले शिक्षक स्वदेश लौटे

बिसौली। इंडोनेशिया में एजुकेशन इण्टरनेशनल एशिया पेसिफिक की दसवी रीजनल कांफ्रेंस देश का मान बढ़ाने वाले शिक्षक स्वदेश लौट आए हैं। इस उपलब्धि से पूरे शिक्षक समुदाय में खुशी की लहर है। हाल ही में आयोजित शांगरी ला होटल जकार्ता इन्डोनेशिया में दुनिया भर के शिक्षाविदों ने हिस्सा लिया था। हमारे देश से प्रतिनिधित्व करने गए इन शिक्षकों ने कांफ्रेंस में मजबूत सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली, उच्च शिक्षा में स्वायत्तता एकजुटता, शिक्षा में आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस, अधिकार समानता, सामूहिक शक्ति, लैंगिक समानता, जलवायु परिवर्तन और शिक्षा, शिक्षकों की कमी, गुणवत्ता युक्त शिक्षा, शैक्षिक नवाचार आदि बिन्दुओं पर अपने विचार रखें और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। एजुकेशन इन्टरनेशनल एशिया पेसिफिक के रीजनल डायरेक्टर आनन्द सिंह ने विगत तीन वर्षो की गतिविधियों की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय शैक्षिक नवाचार कार्यशाला मथुरा के कार्यक्रम की प्रशंसा की। कांफ्रेंस में लगभग 35 देशों के 400 डेलीगेट ने भाग लिया। भारत से ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ टीचर्स आर्गनाइजेशन के राष्ट्रीय महामंत्री सी.एल. रोज के नेतृत्व में मनोज कुमार सिंह, सलाउद्दीन, सोहन लाल, माधुरी रोज, पूर्णिमा गोस्वामी, लक्ष्मी सहित कुल आठ सदस्यों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में प्रतिभाग कर जकार्ता से भारत लौटे शैक्षिक नवाचार एसोसिएशन प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ टीचर्स ऑर्गनाइजेशन मनोज कुमार सिंह ने उक्त जानकारी दी।

महिला से छेड़छाड़ व मारपीट करने वाला गिरफ्तार

चन्दौसी। थाना बनियाठेर क्षेत्र के ग्राम गुमथल में खेत पर काम कर रही महिला के साथ छेड़छाड़ व मारपीट करने के आरोपी पवन पुत्र ओमकार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता द्वारा 18 अक्टूबर को मिशन शक्ति केंद्र पर दी गई सूचना के अनुसार, 17 अक्टूबर की शाम जब वह अपने खेत पर थी, तभी आरोपी ने उसके साथ छेड़छाड़ की और विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। मामले में मु0अ0सं0 225/26 के तहत बीएनएस की धारा 74, 115(2), 352 में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आने पर कि आरोपी आए दिन रास्ते में आते-जाते अश्लील फब्तियां कसता था, मुकदमे में धारा 296 बीएनएस की वृद्धि की गई। इसके बाद मिशन शक्ति टीम प्रभारी उ0नि0 धनवीर सिंह, हे0का0 प्रवेश कुमार, का0 सुप्रीत सिंह और म0का0 छवि की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त पवन को ग्राम गुमथल से गिरफ्तार कर लिया।

सम्बन्ध-विच्छेद सूचना

मैनें अपने पुत्र जीशान व उसकी पत्नी श्रीमति मेहमुना को उनके गलत आचरण, दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर अपने सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में अपने कृत्यों के यह स्वंय जिम्मेदार व देनदार होंगे, मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता ताल्लुक न होगा।

मौहम्मद सद्दीक पुत्र श्री मौहम्मद सद्दन निवासी मौहल्ला दौलत बाग, तहसील व जिला मुरादाबाद

कार्यालय परियोजना प्रबन्धक
उ0प्र0 राज्य सेतु निगम लि0
सेतु निर्माण इकाई-द्वितीय, इज्जतनगर रेलवे क्रासिंग, आई0वी0आर0आई0 के निकट, बरेली-243122, (उ0प्र0)

(राज्य सरकार का उपक्रम)

पत्रांक-1457/सूचना/2026-27 दि0-15.10.2026

सूचना

सूचित किया जाता है, कि जनपद बदायूँ के ग्राम शहजादनगर से रजलामई सम्पर्क मार्ग पर सोत नदी पर सेतु, पहुंच मार्ग, अतिरिक्त पहुंच मार्ग एवं सुरक्षात्मक कार्य का निर्माण हेतु सेतु के संरेखण में राजस्व ग्राम- रजलामई पर0 व तहसील बदायूँ ,जनपद-बदायूँ के गाटा सं0- 476/0.2740 हे0, 484/0.2780 हे0, 442/3.1550 हे0, 486क/0.1640 हे0, 447/0.3770 हे0, 479/0.3920 हे0, में आने वाली कृषि भूमि के सम्बन्धित कृषक दिनांक 28.10.2026 दिन बुधवार को प्रातः 11.00 बजे ग्राम पंचायत भवन रजलामई तहसील-बदायूँ जनपद-बदायूँ में आयोजित सेतु के संरेखण में आने वाली कृषि भूमि की आपसी समझौते की बैठक में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

पत्रांक-1459/सोत नदी/2026-27 **परियोजना प्रबन्धक**

न्यायालय श्रीमान एम0ए0सी0टी0 महोदय, मुरादाबाद
एम0ए0सी0पी0 नं0- 102/2020
तारीख पेशी:- 16.12.2026
मौ0 आलम बनाम विकास जिन्दाल आदि

बनाम

1- विकास जिन्दाल पुत्र बाबूराम जिन्दाल निवासी फलैट नं0 ए-16, टाटा स्टील ऑफिसर एनक्लेव, वेटा प्रथम, ग्रेटर नोएडा, जी0बी0 नगर, 2- अंशुल नागपाल पुत्र ओमप्रकाश नागपाल निवासी सी-192, सेक्टर-105, नोएडा, थाना कासना, जिला गौतमबुद्ध नगर।

हरगाह मौ0 आलम ने आपके नाम एक नालिश बाबत माह के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख बवक्त बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो उमूर अहम मुताल्लिके मुकदमें का जवाब दे सके या जिसके पास कोई और शख्स जो जवाब ऐसे सवालात का दे सके, हाजिर हो और जवाब देही दावे को करे और आपको वाजिब है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज पेश करें, जिन पर आप बताईये अपनी जवाबदेही के इस्तदमाल करना चाहते हो, आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपको मनसूआ और फैसला होगा।

दरख्वास्त मेरे दस्तख्त और मोहर अदालत के आज बतारीख माह सन् ई0 को जारी किया गया।

रीडर
न्यायालय एम०ए०सी०टी० महोदय, मुरादाबाद

न्यायालय श्रीमान एम0ए0सी0टी0 महोदय, मुरादाबाद
एम0ए0सी0पी0 नं0- 103/2020
तारीख पेशी:- 16.12.2026
अली हसन बनाम विकास जिन्दाल आदि

बनाम

1- विकास जिन्दाल पुत्र बाबूराम जिन्दाल निवासी फलैट नं0 ए-16, टाटा स्टील ऑफिसर एनक्लेव, वेटा प्रथम, ग्रेटर नोएडा, जी0बी0 नगर, 2- अंशुल नागपाल पुत्र ओमप्रकाश नागपाल निवासी सी-192, सेक्टर-105, नोएडा, थाना कासना, जिला गौतमबुद्ध नगर।

हरगाह अली हसन ने आपके नाम एक नालिश बाबत माह के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख बवक्त बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो उमूर अहम मुताल्लिके मुकदमें का जवाब दे सके या जिसके पास कोई और शख्स जो जवाब ऐसे सवालात का दे सके, हाजिर हो और जवाब देही दावे को करे और आपको वाजिब है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज पेश करें, जिन पर आप बताईये अपनी जवाबदेही के इस्तदमाल करना चाहते हो, आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपको मनसूआ और फैसला होगा।

दरख्वास्त मेरे दस्तख्त और मोहर अदालत के आज बतारीख माह सन् ई0 को जारी किया गया।

रीडर
न्यायालय एम०ए०सी०टी० महोदय, मुरादाबाद

मुरादाबाद में प्रदेशीय बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन, लखनऊ और मेरठ बने चैंपियन

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। मुरादाबाद जनपद में 15 से 18 अक्टूबर तक चली प्रदेशीय विद्यालयीय बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता-2026 का आज समापन बहुत ही जोश और उत्साह के साथ हुआ द्य अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग में हुई इस प्रतियोगिता में यूपी के 23 मंडलों की टीमों ने हिस्सा लिया।

. मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक शिवलाल जी , व विशिष्ट अतिथि एडीएम सिटी अंकुश श्रीवास्तव जी रहे जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा शतानंद शर्मा जी का विशेष सहयोग रहा मद्य निषेध अधिकारी श्री मनोज जी की गरिमामयी में उपस्थिति रही

रिजल्ट -

अंडर-17 में लखनऊ मंडल प्रथम, अयोध्या द्वितीय रहा।

अंडर-19 में मेरठ मंडल प्रथम, वाराणसी द्वितीय रहा।

विजेताओं को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में जिला विद्यालय निरीक्षक मुरादाबाद रितु तोमर ने सभी का आभार व्यक्त किया द्य

दशहरा एवं विजयदशमी पर्व पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। जिलाधिकारी श्री अनुनय झा ने बताया कि दशहरा एवं विजयदशमी पर्व के अवसर पर जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत महानगर मुरादाबाद को विभिन्न जोन एवं सेक्टर क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। पर्व के दौरान आयोजित होने वाले रावण दहन कार्यक्रमों तथा संवेदनशील स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गई है।

दिनांक 20 अक्टूबर 2026 को रामलीला मैदान, कुंदनपुर, मझोला में आयोजित होने वाले रावण दहन कार्यक्रम के लिए जोन-1 में जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में श्री अभिषेक सिंह, उप जिलाधिकारी न्यायिक कांठ, श्री राकेश कुमार जयंत, उप जिलाधिकारी न्यायिक ठाकुरद्वारा तथा अपर नगर मजिस्ट्रेट द्वितीय, मुरादाबाद की तैनाती की गई है। जोनल पुलिस अधिकारियों के रूप में श्री राजेश कुमार, क्षेत्राधिकारी, श्री भास्कर कुमार, क्षेत्राधिकारी सिविल लाइंस तथा श्री कुलदीप कुमार गुप्ता, क्षेत्राधिकारी कोतवाली को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में श्री जुबैर अहमद, चकबंदी अधिकारी, श्री रामकृष्ण, जिला गन्ना अधिकारी, श्री शैलेंद्र कुमार राय, जिला कार्यक्रम अधिकारी तथा श्री आलोक शर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी की तैनाती की गई है। इनके साथ सेक्टर प्रभारी अधिकारियों के रूप में निरीक्षक श्री विनोद कुमार, अपराध शाखा, निरीक्षक श्री जितेंद्र कुमार, थाना मूंढापांडे, निरीक्षक श्री दुर्गा सिंह, अपराध शाखा तथा निरीक्षक श्री गौरव सिंह, फीडबैक सेल को तैनात किया गया है।

जोन-2 के अंतर्गत रामलीला मैदान के आउटर कॉर्डन में जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में श्री प्रिंस वर्मा, अपर उप जिलाधिकारी मुरादाबाद तथा जोनल पुलिस अधिकारी के रूप में श्री शुभम पटेल, क्षेत्राधिकारी कार्यालय मुरादाबाद की तैनाती की गई है। सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में श्री रमेश चंद्र राणा, जिला उद्यान अधिकारी, श्री इंद्र बहादुर यादव, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी तथा श्री सुभाष सिंह, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी को नामित किया गया है। सेक्टर प्रभारी श्री वेद प्रकाश गुप्ता, प्रभारी न्यायालय सुरक्षा, निरीक्षक श्री जवाहरलाल वर्मा तथा निरीक्षक श्री कृष्ण कुमार, थाना मूंढापांडे को तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री अमित सिंह एवं निरीक्षक श्री राजेंद्र सिंह, थाना सिविल लाइंस को भी ड्यूटी में शामिल किया गया है।

जोन-3 में श्री वेद प्रकाश पांडे, उप जिलाधिकारी न्यायिक को जोनल मजिस्ट्रेट तथा श्री राजेश नारायण, पुलिस उपाधीक्षक को जोनल पुलिस अधिकारी नियुक्त किया गया है। सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में डॉ. अखिलेश सागर, पशु चिकित्सा अधिकारी मूंढापांडे, डॉ. डी.के. गुप्ता, क्षेत्रीय अधिकारी उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, श्री योगेंद्र कुमार, भूमि संरक्षण अधिकारी तथा श्री राजेंद्र राम, बंदोबस्त चकबंदी अधिकारी की तैनाती की गई है। सेक्टर पुलिस अधिकारियों के रूप में निरीक्षक श्री योगेश कुमार, निरीक्षक श्री मुजम्मिल खां, श्री संजय कुमार तथा श्रीमती शर्मिला शर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दिनांक 20 अक्टूबर 2026 को काशीराम नगर एवं थाना मझोला क्षेत्र में आयोजित होने वाले रावण दहन कार्यक्रम के लिए मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, खनन अधिकारी, उप जिलाधिकारी सदर मुरादाबाद तथा जिला आबकारी अधिकारी को जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किया गया है। जोनल पुलिस अधिकारियों के रूप में निरीक्षक श्री नरेश पाल, श्री हरीश वर्धन सिंह, श्री वरुण कुमार, क्षेत्राधिकारी हाईवे तथा श्री गौरव त्रिपाठी, क्षेत्राधिकारी कटघर की ड्यूटी लगाई गई है। सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में श्री अनिल कुमार सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, श्री अजीत कुमार कनौजिया, सहायक श्रम आयुक्त, श्री दीपक वार्ष्णेय, श्री महिपाल सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी तथा जिला पूर्ति अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सेक्टर पुलिस अधिकारियों में श्री सत्येंद्र कुमार, वरिष्ठ उपनिरीक्षक, निरीक्षक श्री राजेश यादव, प्रभारी निरीक्षक श्री सुनील कुमार तथा श्री शैलेंद्र कुमार, प्रभारी निरीक्षक कटघर को तैनात किया गया है।

दिनांक 21 अक्टूबर 2026 को थाना कोतवाली, थाना मुगलपुरा एवं थाना नागफनी के संपूर्ण क्षेत्र में होने वाले रावण दहन कार्यक्रम के लिए श्री युवराज सिंह, नगर मजिस्ट्रेट, श्री माधव उपाध्याय, अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम तथा श्री अभय सिंह, उप जिलाधिकारी सदर को जोनल मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। जोनल पुलिस अधिकारियों के रूप में श्री कुलदीप कुमार गुप्ता, क्षेत्राधिकारी कोतवाली, श्री गौरव त्रिपाठी, क्षेत्राधिकारी कटघर तथा श्री वरुण कुमार, क्षेत्राधिकारी हाईवे की तैनाती की गई है। सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में डॉ. अखिलेश सागर, पशु चिकित्सा अधिकारी, डॉ. डी.के. गुप्ता, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, श्री योगेंद्र कुमार, भूमि संरक्षण अधिकारी तथा श्री राजेंद्र राम, बंदोबस्त अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है। सेक्टर पुलिस अधिकारियों के रूप में श्री मनीष कुमार सक्सेना, श्री शैलेंद्र कुमार, श्री सुनील कुमार तथा श्री मोहित चौधरी को तैनात किया गया है।

दिनांक 23 अक्टूबर 2026 को थाना मूंढापांडे के संपूर्ण क्षेत्र में होने वाले रावण दहन कार्यक्रम के लिए श्री अभय सिंह, उप जिलाधिकारी सदर को जोनल मजिस्ट्रेट, श्री वरुण कुमार, क्षेत्राधिकारी हाईवे को जोनल पुलिस अधिकारी, श्री अंकित तोमर, तहसीलदार सदर को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा श्री मोहित चौधरी, प्रभारी निरीक्षक को सेक्टर पुलिस अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है।

इसी क्रम में दिनांक 29 एवं 30 अक्टूबर 2026 को थाना मूंढापांडे क्षेत्र में आयोजित होने वाले रावण दहन कार्यक्रमों के लिए श्री अभय सिंह, उप जिलाधिकारी सदर को जोनल मजिस्ट्रेट, श्री वरुण कुमार, क्षेत्राधिकारी हाईवे को जोनल पुलिस अधिकारी, श्री अंकित तोमर, तहसीलदार सदर को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा श्री मोहित चौधरी, प्रभारी निरीक्षक मूंढापांडे को सेक्टर पुलिस अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि नियुक्त किए गए सभी जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने-अपने निर्धारित ड्यूटी स्थलों पर समय से उपस्थित रहकर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करेंगे। सभी संबंधित अधिकारी पुलिस अधिकारियों के साथ पूर्व समन्वय स्थापित करते हुए दशहरा एवं विजयदशमी पर्व से संबंधित व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण कराएंगे।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि किसी भी आकस्मिक अथवा विपरीत परिस्थिति में अधिकारी अपने विवेक से तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तत्काल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को उपलब्ध कराएं, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके और पर्व को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराया जा सके।

12 नवम्बर को प्रकाशित होगी मसौदा मतदाता सूची, 11 दिसम्बर तक दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची का अर्हता तिथि 01 जनवरी, 2027 के आधार पर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के सम्बन्ध में अपर जिलाधिकारी प्रशासन/उपजिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इस पुनरीक्षण का उद्देश्य सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करना तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाना है।

उन्होंने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मतदेय स्थलों के संभाजन (ऋ्रुह्लद्बश्ठ्ठ्रुद्यद्ब5्रुह्लद्बश्ठ्ठ) एवं पुर्नव्यवस्थापन (ऋ्रद्ब्रुह्ल्र्रुठ्ठद्दद्बद्दठ्ठह्ल) की प्रक्रिया 02 नवम्बर, 2026 तक पूरी की जाएगी। इसके बाद 12 नवम्बर, 2026 को एकीकृत मसौदा मतदाता सूची (ष्ठह्र्रुद्बह्ल ऋश्वद्यद्य) को प्रकाशित किया जाएगा। दावे एवं आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 12 नवम्बर से 11 दिसम्बर, 2026 तक निर्धारित की गई है। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण 28 दिसम्बर, 2026 तक किया जाएगा तथा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 04 जनवरी, 2027 को होगा।

मतदाता सूची में नाम सम्मिलित कराने के लिए फॉर्म-6, प्रवासी भारतीय मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फॉर्म-6ए, नाम सम्मिलित किए जाने पर आपत्ति अथवा नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 तथा निवास परिवर्तन, प्रविष्टियों में संशोधन, मतदाता पहचान पत्र (श्वक्कढ्ढष्ट) के प्रतिस्थापन एवं दिव्यांग मतदाता के रूप में चिह्नांकन के लिए फॉर्म-8 का उपयोग किया जा सकता है। पात्र नागरिक इन फॉर्मों को ऑफलाइन भरकर बूथ लेवल अधिकारियों को प्राप्त करा सकते हैं अथवा ऑनलाइन ङ्कश्हृद्गह्म् स्द्गह्म1द्बष्द्ग क्कश्ह्म्ह्लड्डद्य (द्धह्लह्लश्चह्य://1श्हृद्गह्म्ह्य.द्गष्द्ब.द्दश1.द्बठ्ठ) या श्वष्टढ्ढह्रश्वञ्ज ऐप के माध्यम से भी भर सकते हैं।

इस पुनरीक्षण के अंतर्गत ऐसे पात्र नागरिक जो 01 जनवरी, 2027 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर लेंगे, मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि मतदेय स्थलों के संभाजन के दौरान यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सामान्यत: किसी भी मतदेय स्थल पर 1,200 से अधिक मतदाता न हों। नए मतदेय स्थलों के निर्धारण एवं मौजूदा मतदेय स्थलों के पुर्नव्यस्थापन में भौतिक सत्यापन, मतदाताओं की सुविधा, परिवार के सदस्यों के नाम एक ही अनुभाग में रखने तथा मतदेय स्थल तक पहुंचने में होने वाली असुविधा को कम करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मतदेय स्थलों की सीमाओं में स्पष्टता तथा भवनों की उपयुक्तता भी सुनिश्चित की जाएगी।

देहरादून रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति किया गया जागरूक

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत आज देहरादून रेलवे स्टेशन पर Special Campaign 6.O के तहत यात्रियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (स्ङ्खरू-2026) के प्रति जागरूक करने हेतु विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान यात्रियों को कचरे के उचित निस्तारण के लिए चार प्रकार के डस्टबिन का उपयोग करने तथा गीले कचरे, सूखे कचरे, सैनिटरी वेस्ट एवं विशेष कचरे को निर्धारित डस्टबिन में अलग-अलग डालने के महत्व की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए बताया गया कि कचरे का स्रोत पर पृथक्करण पर्यावरण संरक्षण एवं प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही, यात्रियों को रेलवे स्टेशन परिसर में कचरा इधर-उधर न फेंकने तथा निर्धारित डस्टबिन का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों से अपील की गई कि वे स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं तथा कचरे का उचित निस्तारण कर रेलवे स्टेशन परिसर को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने में अपना योगदान दें।

मुरादाबाद: कन्याओं को खाना खिलाते हुये।

आज रात्रि दो बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। जिलाधिकारी श्री अनुनय झा द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती ममता मालवीय ने बताया है कि दशहरा एवं रावण दहन पर्व के दृष्टिगत जनपद मुरादाबाद में दिनांक 19 अक्टूबर 2026 की शाम से 20 अक्टूबर 2026 की रात्रि 02ः00 बजे तक उपखनिज लदे वाहनों सहित अन्य भारी वाहनों का परिवहन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।

उन्होंने समस्त वाहन स्वामियों को निर्देशित किया है कि आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। निर्धारित अवधि में प्रतिबंधित वाहनों का परिवहन न किया जाए, जिससे त्योहार के दौरान शांति, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

एमआईईटी ग्रुप ऑफ स्कूल्स में हुआ रावण दहन, विद्यार्थियों को दिया अच्छाई की जीत का संदेश

मेरठ। भारतीय संस्कृति एवं पौराणिक परंपराओं से विद्यार्थियों को जोड़ने तथा बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देने के उद्देश्य से एमआईईटी ग्रुप ऑफ स्कूल्स में रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में नौ फुट ऊंचा रावण का पुतला तैयार किया गया, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी गई।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को दशहरा पर्व के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व से परिचित कराया गया। उन्हें बताया गया कि रावण दहन बुराई, अहंकार और अधर्म के अंत तथा अच्छाई, सत्य और धर्म की विजय का प्रतीक है। इस प्रकार के आयोजन बच्चों में भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एमआईईटी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन विष्णु शरण अग्रवाल, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल एवं मैनेजर बरखा अग्रवाल ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए ऐसे आयोजनों के महत्व पर जोर दिया।

इस अवसर पर मवाना रोड शाखा की प्रधानाचार्या रूपाली सहगल, जागृति विहार शाखा की प्रधानाचार्या डॉ. सिल्की वर्मा तथा पल्लवपुरम शाखा की प्रधानाचार्या नवनीत चड्ढा मौजूद रहीं।

कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को संदेश दिया गया कि जीवन में सदैव सत्य, नैतिकता और सदाचार का पालन करना चाहिए, क्योंकि अंतत: विजय सदैव अच्छाई की होती है।

सम्बन्ध विच्छेद सुचना

मैं अपने पुत्र सौरभ कुमार को उसके गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हुए उससे अपने तमाम तरह के पारिवारिक सम्बन्ध समाप्त करता हूँ। अब से अपने सभी अच्छे बुरे कार्यों का जिम्मेदार सौरभ कुमार ही होगा। अब से मेरा या मेरे परिवार के किसी भी सदस्य का उससे कोई भी सम्बन्ध ताल्लुक वास्ता किसी भी प्रकार का नहीं होगा।

सुखपाल पुत्र हरशरण निवासी ग्राम सिकन्दरपुर थाना बहादुरगढ़ जिला हापुड़।

कोड से नहीं, विवेक से होगा न्याय- डॉ. विवेक कुमार त्यागी ने विश्व कांग्रेस में प्रस्तुत किया एआई सुशासन का भारतीय मॉडल

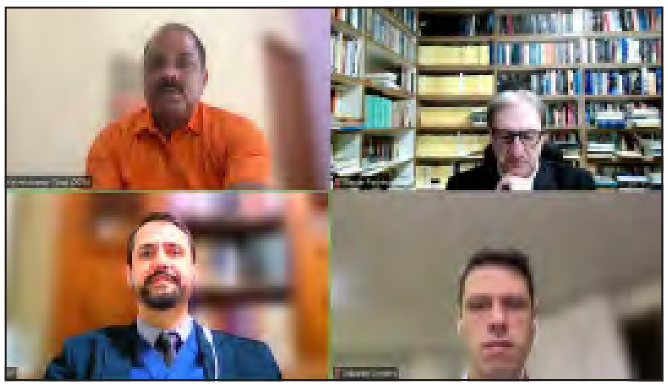

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के विधि अध्ययन संस्थान के अध्यक्ष डॉ. विवेक कुमार त्यागी ने ब्राजील के लोंड्रीना में आयोजित विश्व कांग्रेस में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के सुशासन का वैश्विक मॉडल प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, वह मानवीय विवेक और संवैधानिक मूल्यों का विकल्प नहीं बन सकती।

24 देशों के 138 वक्ताओं की भागीदारी वाली इस अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस में डॉ. त्यागी ने अपने शोध-पत्र 卐जहाँ कोड मिलता है विवेक से- बुद्धिमत्ता का शासन और स्वतंत्रता की रक्षा卐 के माध्यम से एआई के उपयोग में पारदर्शिता, जवाबदेही और मौलिक अधिकारों की सुरक्षा पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं, लाभार्थियों के चयन, जोखिम आकलन और पुलिस व्यवस्था में एआई आधारित प्रणालियों का उपयोग बढ़ रहा है। पक्षपाती या अधूरे आंकड़ों के आधार पर लिए गए निर्णय नागरिकों को उनके अधिकारों से वंचित कर सकते हैं। इसलिए मशीन का पूर्वानुमान न्याय का विकल्प नहीं हो सकता।

डॉ. त्यागी ने राजधर्म, योगक्षेम, सत्य, विवेक, अहिंसा और भारतीय न्याय-दर्शन को जिम्मेदार एआई शासन के महत्वपूर्ण आधार बताया। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 तथा निजता के अधिकार के अनुरूप सरकारी एआई प्रणालियों के संचालन की आवश्यकता रेखांकित की।

उन्होंने तीन प्रमुख सुझाव दिए—एआई प्रणालियों के अधिकारों पर प्रभाव का आकलन, प्रभावित नागरिकों को मानवीय समीक्षा का अधिकार तथा नीति निर्माण में भारतीय ज्ञान परंपरा के नैतिक मूल्यों का समावेश।

उन्होंने कहा कि तकनीक की सफलता उसकी गति से नहीं, बल्कि न्याय, नैतिकता और मानवीय गरिमा की रक्षा से तय होनी चाहिए।

शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन पर रेल जन संवाद आयोजित, यात्रियों को स्वच्छता के प्रति किया गया जागरूक

-आज समाचार सेवा-

मुरादाबाद। विशेष अभियान 6.ह्र के अंतर्गत आज शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन पर मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक (स्टेशन), रेलवे स्टाफ एवं सफाई मित्रों की उपस्थिति में रेल जन संवाद आयोजित किया गया। इस दौरान यात्रियों से संवाद कर स्टेशन पर स्वच्छता एवं यात्री सुविधाओं से संबंधित विभिन्न विषयों पर उनके सुझाव एवं प्रतिक्रियाएं प्राप्त की गईं।

रेल जन संवाद के दौरान स्टेशन की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, सुरक्षा, दिव्यांग यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाएं, ट्रेनों की समयबद्धता, रेल कर्मचारियों का व्यवहार तथा शिकायत निवारण प्रक्रिया जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर यात्रियों के विचार जाने गए। यात्रियों ने स्टेशन पर बेहतर स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल, नियमित सूचना प्रसारण एवं सुरक्षा व्यवस्था की सराहना की।

इस अवसर पर यात्रियों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया तथा इसके उपयोग से बचने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (स्ङ्खरू-2026) के अंतर्गत चार प्रकार के डस्टबिन के उपयोग एवं कचरे के पृथक्करण के महत्व की जानकारी दी गई। यात्रियों को कचरा उचित डस्टबिन में डालने तथा स्टेशन परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों से अपील की गई कि वे स्वच्छता को अपनी आदत बनाएं और स्टेशन परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

स्वच्छ रेल, स्वच्छ भारत — स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी, हम सभी की जिम्मेदारी।

किसानों ने की ट्यूबवेल पर हो रही चोरियों के खुलासे की मांग

किसानों ने झालू चौकी पहुंचकर पुलिस को सौंपा ज्ञापन, बोले, यदि जल्द खुलासा नहीं हुआ, तो जल्द किया जाएगा धरना प्रदर्शन

आज समाचार सेवा

बिजनौर। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट किसानो के ट्यूबवेल पर हो रही चोरी को लेकर पुलिस को प्रार्थना पत्र सौंपा है। किसानों ने थाना प्रभारी निरीक्षक से एक सप्ताह के भीतर मामले का खुलासा करने की मांग की है। खुलासा न होने पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी भी दी है।

झालू के मोहल्ला चैधरियन निवासी राजेंद्र सिंह पुत्र हरफूल सिंह ने झालू चैकी प्रभारी को सौंपी तहरीर में कहा है कि 19 अक्टूबर 2026 को रात में मेरे ट्यूबवेल पर में चोरी हो गई है। चोर द्वारा मेरा ट्यूबवेल का स्टार्टर व केबल चोरी कर लिया गया है, मैंने अपने स्तर पर सामान की तलाश की, लेकिन अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है। किसानों ने कहा कि इसी वर्ष मूला सिंह, मोंटी, जीतेन्द्र, रिंकू, जांगीर, रईस, नरेन्द्र समरपाल, सोनू, राजे, ओमबीर, सतबीर के कुओ पर चोरी हुई है तथा राजेंद्र, राजपाल, मुन्नू सिंह, सतपाल के कुओ पर दो बार चोरी हुई है। सुदेश के कुए पर तीन बार चोरी हुई है। किंतु अभी तक पुलिस चोरी का खुलासा नहीं कर पाई है। किसानों ने थाना प्रभारी निरीक्षक से कहा है कि झालू चैकी पर तैनात लापरवाह पुलिस कर्मियों को हटाया जाए। उन्होंने कहा कि यदि चोरी का खुलासा नहीं हुआ तो भारतीय किसान यूनियन आन्दोलन करेगी और झालू चैकी पर धरना प्रदर्शन करेगी इसलिए शिकायत पर उचित कार्यवाही कर किसानों का सामान वापिस दिलवाने व चोरो को पकड़ कर बड़ी हवेली रवाना किया जाए। इस दौरान नगर अध्यक्ष कार्मेंद्र सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष शुभम कुमार राणा, राकेश कुमार, रोहित, कल्याण, अशोक कुमार, राजेंद्र सिंह, विपिन चैधरी अरुण कुमार, टिंकू व बिकुल आदि किसान मौजूद रहे।

शिकायतों का होगा समाधानः प्रभारी निरीक्षक

बिजनौर। हल्दौर थाना प्रभारी निरीक्षक राहुल सिंह ने किसानो के खेतों पर हो रही चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए झालू चैकी प्रभारी को चोरी का खुलासा करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान कराने का पूरा प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घटनाओं के खुलासे में समय जरूर लग सकता है किंतु कार्यवाही सही तरीके से हो, इसके लिए पूरा प्रयास किया जाएगा। क्षेत्र के लोगों को लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने में थाना पुलिस का सहयोग करना चाहिए। पुलिस आपकी सेवा में हमेशा तत्पर है।

बुक डिपो व्यापारी को साइबर ठगों ने अपना निशाना बनाते हुए खाते से लाखों रुपये पार किये

आज समाचार सेवा

नहटौर। क्षेत्र में साइबर अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। पुलिस चैकी के पास स्थित एक बुक डिपो व्यापारी को साइबर ठगों ने अपना निशाना बनाते हुए उनके खाते से लाखों रुपये पार कर दिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्गा बिहार कॉलोनी निवासी प्रदीप कुमार (पुत्र रामचंद्र सिंह) की पुलिस चैकी के पास बुक डिपो की दुकान है। 14 अक्टूबर 2026 को दोपहर जब प्रदीप कुमार अपनी दुकान पर बैठे थे, तभी अज्ञात साइबर ठगों ने उनका मोबाइल फोन हैक कर लिया। मोबाइल हैक करने के बाद ठगों ने उनके एचडीएफसी बैंक, नहटौर शाखा के बचत खाता संख्या 50100548661649 से तीन बार में क्रमशः 1,50,000 रुपये, 1,50,000 रुपये और 60,000 रुपये (कुल 3,60,000 रुपये) निकाल लिए। घ्खाते से अचानक भारी रकम कटने का पता चलते ही व्यापारी के होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत बैंक शाखा पहुंचकर अधिकारियों को मामले की जानकारी दी और थाने में पहुंचकर साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित दुकानदार ने पुलिस प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और अपनी डूबी हुई रकम वापस दिलाने की मांग की है। घ्इस घटना से स्थानीय व्यापारियों में चिंता व्याप्त है। थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और साइबर सेल की मदद से ठगों की तलाश तथा छानबीन शुरू कर दी है।

हापुड़ में पत्रकार की हत्या पर शोकसभा, आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर्स एसोसिएशन ने जताया दुख

पत्रकार मौहम्मद नसीम अहमद की हत्या से पत्रकार जगत में शोक और आक्रोश, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

आज समाचार सेवा

नजीबाबाद। हापुड़ में दैनिक जनवाणी के पत्रकार मोहम्मद नसीम अहमद की हत्या की घटना को लेकर पत्रकार जगत में शोक और आक्रोश का माहौल है। घटना के विरोध में आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर्स एसोसिएशन की टीम ने जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में शोकसभा आयोजित कर दिवांगत पत्रकार को श्रद्धांजलि अर्पित की। शोकसभा में उपस्थित पत्रकारों ने मोहम्मद नसीम अहमद के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान पत्रकारों ने कहा कि पत्रकार समाज का महत्वपूर्ण अंग हैं और जनसमस्याओं को सामने लाने के साथ-साथ लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

ऐसे में पत्रकारों के साथ होने वाली हिंसक घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। इस दौरान पत्रकारों ने घटना की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने और पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि पत्रकारों पर होने वाले हमलों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस अवसर पर आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अफजाल अंसारी एडवोकेट, गुलजार अहमद, आतिफ हुसैन, अच्छी, सूरज कुमार, नरेंद्र सिंह, सीजर अहमद, नेम सिद्दीकी, जीशान नजीबाबादी, शहजाद मलिक, बहार आलम, डॉ. आफताब नोमानी, शाकिरा उर्फ शालू, के.एस. मलिक आदि मौजूद रहे। शोकसभा में सभी ने दिवंगत पत्रकार को श्रद्धांजलि देते हुए पत्रकारों की एकजुटता और सुरक्षा के लिए मिलकर आवाज उठाने का संकल्प लिया।

नशेड़ी ट्रक ड्राइवर ने बाइक को टक्कर मारी, दो लोग गंभीर घायल

बिजनौर। रविवार देर रात भारत गैस से भरे एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में गांव बागड़पुर निवासी रूपेश और राजवीर गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोप है ट्रक ड्राइवर शराब के नशे में था। टक्कर चांदपुर-गजरौला रोड पर गांव मिजार्पुर बेला के पास हुई। शिवसेना शिंदे के जिला प्रमुख चैधरी वीर सिंह ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। बाइक सवार दोनों युवक चांदपुर की ओर से अपने गांव बागड़पुर लौट रहे थे।

अपराधियों की उल्टी गिनती शुरूः किरतपुर थाने पहुंचे अमर सिंह राठौर

जनता में विश्वास अपराधियों में भय, यही है अमर सिंह राठौर की पहचान

आज समाचार सेवा

बिजनौर। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने जिस भरोसे व उम्मीद के साथ अमर सिंह राठौर को किरतपुर थाने भेजा है उस भरोसे को वह टूटने नहीं देंगे थानाध्यक्ष तेजतर्रार एवं व्यवहार कुशल अमर सिंह राठौर ने कहा कि अपने वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश का पालन और पीड़ितों को इंसाफ दिलाना उनकी दायित्व है क्राइम को ग्राउंड जीरो पर ले जाने के साथ साथ अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाकर अपराध को जड़ से मिटाना उनकी पहली प्राथमिकता में पहले से ही शामिल रहा है।

किरतपुर थानाध्यक्ष अमर सिंह राठौर ने कहा पीड़ितों को बेझिझक इजाजत होगी वह उनसे किसी भी समय सीधा संपर्क कर अपनी समस्या बता सकते हैं उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा इज्जत करोगे तो इज्जत पाओगे अमर सिंह राठौर बोले हम केवल उन्हीं का सम्मान करते हैं जो कानून की इज्जत करता हो।

अमर सिंह राठौर बोले अपराधियों की अब खैर नहीं

अमर सिंह राठौर ने साफ कह दिया है कि किरतपुर थाने का चार्ज लेते ही उन्होंने टॉप टेन छोटे-बड़े अपराधियों की कुंडली खंगालनी शुरू कर दी है और अभियान चला कर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए जाने जाते है राठौर

दरअसल अमर सिंह राठौर हमेशा से ही इस बात के लिए हर समय चचाओं में रहते हैं कि वह ना दबाव में काम करते हैं ना सिफारिश मानते हैं वह केवल पीड़ित का हित सर्वोपरि मानते हैं।

हापुड़ के पत्रकार नसीम अहमद हत्याकांड की निंदा, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

आज समाचार सेवा

स्योहारा। हापुड़ जिले में दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार मोहम्मद नसीम अहमद की कथित तौर पर पीट-पीटकर की गई हत्या के मामले ने पूरे प्रदेश के पत्रकार जगत को झकझोर कर रख दिया है।

प्रेस क्लब स्योहारा के अध्यक्ष रियाजुलहक उर्फ प्रिंस जमाल ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र के चैथे स्तंभ पर सीधा हमला है। 18 अक्टूबर को पत्रकार नसीम अहमद निवासी कोठी गेट, आवास विकास कॉलोनी, हापुड़ दिवाली के विज्ञापन के सिलसिले में हापुड़ देहात थाना क्षेत्र के जरोठी रोड स्थित एक आटा मिल पर गए थे। साथ में उनके सहयोगी सलाउद्दीन, मुस्तकीम और दो महिलाएं थीं। सलाउद्दीन के अनुसार विज्ञापन को लेकर कहासुनी हुई, जिसके बाद वहां मौजूद सात आठ लोगों ने उन्हें फर्जी पत्रकार बताते हुए लात-घूंसों से हमला कर दिया। गंभीर हालत में नसीम अहमद को गढ़ रोड स्थित सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के दामाद डा.शाहरुख की तहरीर पर हापुड़ देहात थाने में 4 नामजद सहित कई अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रेस क्लब अध्यक्ष रियाजुलहक प्रिंस ने कहा नसीम अहमद हमारे ही अखबार दैनिक जनवाणी परिवार के साथी थे। विज्ञापन मांगना कोई अपराध नहीं है। विवाद का समाधान बातचीत से निकल सकता था, लेकिन जिस तरह से एक पत्रकार को पीट-पीटकर मार डाला गया, वह बेहद निंदनीय और असहनीय है। उन्होंने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष और तेज जांच कर सभी नामजद और अज्ञात आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी हो। पीड़ित परिवार को 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और सुरक्षा प्रदान की जाये। पत्रकार सुरक्षा कानून को उत्तर प्रदेश में सख्ती से लागू किया जाए। इस घटना के बाद बिजनौर, हापुड़, मेरठ मंडल के पत्रकारों में भारी रोष है।

अधिकारियों ने दशहरा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए रावण दहन स्थलों और मेला परिसरों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की जांच की

आज समाचार सेवा

नहटौर। आगामी पावन पर्व विजयादशमी (दशहरा) को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए तहसील और पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। इसी क्रम में एसडीएम धामपुर नितिन कुमार, सीओ अंजनी कुमार चतुर्वेदी, थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार तथा फायर दरोगा दीपक ने पुलिस बल के साथ नहटौर तथा गांव फलौदा में रावण दहन स्थलों और मेला परिसरों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की जांच की। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने नगर स्थित जैन विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के मैदान और गांव फलौदा स्थित रावण दहन स्थल का रुख किया। अधिकारियों ने स्थानीय दशहरा कमेटी के पदाधिकारियों व आयोजकों के साथ संवाद स्थापित किया और सुरक्षा व भीड़ प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। रावण दहन स्थल पर मजबूत बैरीकेडिंग लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही आतिशबाजी और दहन के दौरान छोटे बच्चों को पुतले व पटाखों से सुरक्षित दूरी पर रखने की हिदायत दी गई। मैदान में आने वाले श्रद्धालुओं और कार्यक्रम के बाद बाहर निकलने के लिए अलग-अलग रास्ते निर्धारित करने को कहा गया, ताकि भगदड़ या जाम जैसी स्थिति न बने। आपात स्थिति से निपटने के लिए रावण दहन स्थल पर फायर ब्रिगेड और स्वास्थ्य विभाग की टीम एम्बुलेंस के साथ तैनात रहेगी। परिसर में पर्याप्त रोशनी और साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सीओ और थानाध्यक्ष ने पुलिस को असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने, ट्रैफिक तथा पार्किंग की सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। स्थलीय निरीक्षण व प्रशासनिक संवाद के दौरान हलका लेखपाल ब्रह्म सिंह रवि, उपनिरीक्षक अशोक मलिक, भाजपा नगर अध्यक्षध्मंडल अध्यक्ष वैभव गोयल, पूर्व नगर अध्यक्ष सिद्धांत जैन, सभासद मुकेश गुप्ता, शोभित त्यागी, राहुल चैधरी और नितिन सैनी समेत कई अधिकारी व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भाकियू की महापंचायत 21 अक्टूबर को, तैयारी जोरों परः सुनील प्रधान

बिजनौर। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष चैधरी सुनील प्रधान द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई, जिसमें 21 अक्टूबर को होने वाली नुमाइश ग्राउंड में किसानों की महापंचायत के बारे में बताया गया। सोमवार को गन्ना समिति कार्यालय पर प्रेस कांफ्रेंस के दौरान भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिलाध्यक्ष सुनील प्रधान ने कहा कि 21 अक्टूबर 2026 को प्रदर्शनी मैदान (नुमाइश ग्राउंड) में होने वाली महापंचायत को मुख्य अतिथि राष्ट्रीय प्रवक्ता चैधरी राकेश टिकैत संबोधित करेंगे और किसानों के जितने भी अहम मुद्दे हैं, सभी पर बात करेंगे। जिलाध्यक्ष सुनील प्रधान द्वारा मीडिया के माध्यम से अनुरोध किया गया है कि महापंचायत में जिला बिजनौर के गांव गांव के सभी किसान अपने अपने ट्रैक्टर ट्रालियों के साथ ज्यादा से ज्यादा संख्या में सुबह 11 तक नुमाइश ग्राउंड में पहुंचे। जिला बिजनौर के किसाने की गन्ना मूल्य वृद्धि की समस्या बिलाई मिल का पेमेंट, स्मार्ट मीटर की समस्या व जिले में निकल रहे दो हाईवे में जाने वाली जमीनों के उचित रेट दिलाने की बात पर पंचायत में मुख्य रूप से चर्चा होगी। काफी दिनों से जिले में किसानों के लिए गुलदार की बहुत बड़ी समस्या बनी हुई है। इस पर भी मुख्य रूप से जिला प्रशासन से चर्चा होगी। प्रेस वार्ता में वीरेंद्र सिंह मुकेश जंगाँला कोमन सिंह संदीप त्यागी विनीत चैधरी डॉक्टर विजय चैधरी विकास कुमार मोनू चैधरी रजनीश अहलावत मोनू सागवान अंकुर चैधरी पुष्पेंद्र चैधरी विनीत चैधरी आदि मौजूद रहे।

वरिष्ठ पत्रकार सुशील कुमार के निधन पर पत्रकारों ने दी श्रद्धांजलि

नहटौर। वरिष्ठ पत्रकार डॉ. सुशील कुमार के असामयिक निधन पर शनिवार को नगर स्थित डीके फार्म में शोक सभा का आयोजन किया गया। इसमें पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक सभा में पत्रकारों ने डॉ. सुशील कुमार के निधन को पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि उनका असामयिक निधन बेहद दुखद है। उनके जाने से पत्रकारिता जगत ने अपना एक साथी खो दिया है। इस दुख की घड़ी में सभी पत्रकार शोकाकुल परिवार के साथ हैं। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। शोक सभा में नीरज भारद्वाज, महकार सिंह तोमर, कुलवीर चैधरी, विशाल शर्मा, ऋषभ जैन, अरविंद जोशी, संजय शर्मा, विपिन वर्मा, रवि शर्मा, अब्दुल कलाम, डॉ.

अशोक शर्मा, रवि गांधी शर्मा, सोनी शर्मा, मोहित शर्मा और मोहम्मद फैजान सहित पत्रकार मौजूद रहे।

मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की पूजा-अर्चना की

आज समाचार सेवा

नजीबाबाद। शारदीय नवरात्र की दुर्गा अष्टमी पर नगर और आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं ने घरों और मंदिरों में मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की पूजा-अर्चना की। इस दौरान छोटी-छोटी कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनका पूजन अर्चना कर कन्याओं को भोजन, फल, प्रसाद और उपहार भेंट कर श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद प्राप्त किया।

नगर क्षेत्र में शारदीय नवरात्र की दुर्गा अष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने मां महागौरी की पूजा-अर्चना कर कन्या पूजन किया। उन्होंने कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनका तिलक, भोजन, फल, प्रसाद और उपहार भेंट किए। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र और समाज के विकास, सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। मौहल्ला मकबरा निवासी पडित राजेश शर्मा कहा कि दुर्गा अष्टमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत, नारी शक्ति के सम्मान और भक्ति का संदेश देता है।

गोल्डन बैल्स स्कूल में धूमधाम से किया गया दशहरा उत्सव का आयोजन

स्योहारा। ठाकुरद्वारा रोड स्थित गोल्डन बैल्स इंटर नेशनल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में शनिवार को बड़े ही धूमधाम से दशहरे का पर्व मनाया गया। दशहरा भगवान श्रीराम की रावण पर जीत का प्रतीक है। बुराई पर अच्छाई की जीत है। कार्यक्रम की शुरूआत देवीमंत्र उच्चारण और जय माता दी के साथ हुई जिसमें देवी के नौ अवतारो का महत्व दर्शाया गया । उसके बाद विद्यार्थियों ने राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान व रावण और उसके दरबारी की वेशभूषा में रामलीला का मंचन किया इसमें बच्चों को बताया गया कि दशहरे के दिन भगवान राम ने रावण का वध किया। इस मौके पर स्कूल के निर्देशक सरदार गुरविंदर सिंह, निर्देशिका तवलीन कौर, प्रधानाचार्य शेखर सिंह और सीनियर कोर्डिनेटर शिवम ठाकुर ने नौ देवियों तथा श्रीराम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान की पूजा-अर्चना और चरण स्पर्श किये तथा बच्चों ने श्जयश्री रामश के नारे लगाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद विद्यालय में रावण के पुतले का दहन किया गया। और बताया कि यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है तथा हमें भी अपने जीवन में अच्छाई को अपनाना चाहिए। इस अवसर पर आकांशा, इलमा आफताब, ओमानंद, सीमा, शिवानी, दीपक समस्त अध्यापक गण उपस्थित रहे।

बिजनौर में ओमपाल कश्यप के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकदल हो रही मजबूत

कश्यप समाज का भी बढ़ा रहे गौरव और मान-सम्मान नगीना विधानसभा के कोतवाली में कार्यकर्ता सम्मेलन

लगातार बैठकों के आयोजन कर बनाई अलग पहचान, बूथ स्तर तक संगठन को कर रहे एकजुट

आज समाचार सेवा

बिजनौर। राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष ओमपाल कश्यप जनपद बिजनौर में संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए लगातार सक्रिय हैं। उनके नेतृत्व में जिलेभर में कार्यकर्ता बैठकों, संगठनात्मक कार्यक्रमों और जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, वे कश्यप समाज के गौरव, मान-सम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा को आगे बढ़ाने के लिए भी निरंतर प्रयासरत हैं। ओमपाल कश्यप राष्ट्रीय लोकदल की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाकर कार्यकताओं को एकजुट करके संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर फोकस कर रहे है। उनके नेतृत्व में लगातार आयोजित हो रही बैठकों के माध्यम से पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। गाँवों से लेकर कस्बों तक संगठन का विस्तार करना और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। राष्ट्रीय लोकदल बिजनौर लगातार बैठकों के आयोजन और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के मामले में ओमपाल कश्यप ने अपनी अलग पहचान बनाई है। वे कार्यकताओं के बीच पहुँचकर उनकी बात सुनने, संगठन की समस्याओं पर चर्चा करने और पार्टी को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। उनकी सक्रियता का प्रमुख उद्देश्य संगठन में नई ऊर्जा का संचार करना और कार्यकताओं के मनोबल को बढ़ाना है।

कश्यप समाज के गौरव और सम्मान को बढ़ाने का संकल्प

राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय ओमपाल कश्यप कश्यप समाज की एकता, सम्मान और अधिकारों को लेकर भी अपनी भूमिका निभा रहे हैं। उनका प्रयास है कि समाज के लोगों को उचित सम्मान मिले, युवा आगे बढ़ें और समाज के प्रत्येक वर्ग की आवाज मजबूती से उठे। वे सामाजिक एकता और आपसी सहयोग को समाज की प्रगति का आधार मानते हैं। उनकी कोशिश है कि संगठनात्मक मजबूती के साथ-साथ सामाजिक समरसता, भाईचारे और जनसेवा की भावना को भी आगे बढ़ाया जाए, ताकि समाज के लोगों का गौरव और मान-सम्मान निरंतर बढ़े।

भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री किसान मसीहा चैधरी चरण सिंह के विचारों और राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चैधरी जयंत सिंह जी की नीतियों से प्रेरणा लेते हुए ओमपाल कश्यप किसान, मजदूर, गरीब और वंचित वर्गों के हितों को प्राथमिकता देने की बात करते हैं। उनका लक्ष्य राष्ट्रीय लोकदल को जनपद बिजनौर में और अधिक मजबूत बनाना तथा संगठन की पहुँच समाज के हर वर्ग तक सुनिश्चित करना है। ओमपाल कश्यप का मानना है कि किसी भी संगठन की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। कार्यकताओं की मेहनत, जनता के विश्वास और आपसी एकजुटता से ही संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जा सकता है। इसी भावना के साथ वे राष्ट्रीय लोकदल को बूथ स्तर तक मजबूत करने और सामाजिक सम्मान की भावना को आगे बढ़ाने में जुटे हैं।

उत्तराखण्ड शासन
समस्त प्रदेशवासियों
एवं देशवासियों को
विजयादशमी
की
हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं
प्रिय प्रदेशवासियों,
आप सभी को विजयादशमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।
यह पर्व मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम द्वारा अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक है। भगवान श्रीराम का जीवन हमें एक श्रेष्ठ समाज और महान राष्ट्र के निर्माण की प्रेरणा देता है। आपके मुख्य सेवक के रूप में जनता की सेवा ही मेरे लिए प्रभु श्रीराम की सेवा है और उत्तराखण्ड का विकास ही मेरे लिए राम काज है।
आइए, आज के पावन अवसर पर हम संकल्प लें कि हम भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में देवभूमि उत्तराखण्ड को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाएंगे।
पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी
www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR